आतंक फैलाने वाले पड़ोसी को हमसे पानी साझा करने की मांग का हक नहीं
- 12

देश में विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां दो साल के सबसे निचले स्तर पर
- 12

ईरान में सड़कों पर उतरे लोग सरकार विरोधी प्रदर्शनों में सात लोगों की मौत
- 13

नीदरलैंड के सोर्ड मारिन फिर बने महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच
- 14

आज का मौसम
17.0⁰ अधिकतम तापमान
08.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 07.05
सूर्यास्त 05.29

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

पौष शुक्ल पक्ष पूर्णिमा 03:32 उपरांत प्रतिपदा विक्रम संवत 2082

शनिवार, 3 जनवरी 2026, वर्ष 7, अंक 40, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

फ्लॉवर शो

अहमदाबाद में अंतर्राष्ट्रीय पुष्प प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में यहां की कुछ तस्वीरें शेयर कर कहा यह प्रदर्शनी रचनात्मकता व सामुदायिक भागीदारी को एक साथ लाती है, साथ ही प्रकृति प्रेम को दर्शाती है।

भाजपा विधायक डॉ. श्याम बिहारी का हार्ट अटैक से निधन

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में शामिल होने पहुंचे थे फरीदपुर विधायक
- सर्किट हाउस परिसर में भोजन के बाद सीने में दर्द होने पर कुछ देर कक्ष में लेट गए पर बढ़ती गयी दिक्कत
- पीलीभीत रोड पर निजी अस्पताल ले गए जहां वेंटीलेटर पर सीपीआर दी गयी लेकिन बचाया नहीं जा सका

अमृत विचार : फरीदपुर विधानसभा से दूसरी बार भाजपा के विधायक और महात्मा ज्योतिबा फूले विश्वविद्यालय के प्राचीन इतिहास एवं संस्कृति विभाग के अध्यक्ष डॉ श्याम बिहारी लाल का शुक्रवार की दोपहर सर्किट हाउस में हार्ट अटैक आने के बाद निधन हो गया। वह सर्किट हाउस में पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह की अध्यक्षता में विकास कार्य एवं कानून व्यवस्था के संबंध में आयोजित बैठक में शामिल होने पहुंचे थे। बैठक के बाद उन्होंने भोजन भी किया। इसी दौरान सीने में दर्द की शिकायत हुई। तत्काल उन्हें पीलीभीत रोड स्थित निजी अस्पताल ले जाया गया, वेंटीलेटर पर रखकर डॉक्टरों ने उन्हें सीपीआर दी, लेकिन बचाया नहीं जा सका। उन्होंने गुरुवार को ही अपना 60वां जन्मदिन मनाया था।

सर्किट हाउस में राज्यपाल कक्ष में पशुधन एवं दुग्ध विकास धर्मपाल सिंह की अध्यक्षता में 2026 में प्रस्तावित मुख्य विकास कार्य, पंचायत चुनाव, अन्य महत्वपूर्ण परियोजनाओं, मकर संक्रांति के अवसर पर कानून व्यवस्था के संबंध में बैठक हुई। इसमें फरीदपुर विधायक डॉ श्याम बिहारी लाल करीब 12.30 बजे पहुंचे थे। बैठक में उन्होंने नाथनगरी कॉरिडोर, गुलड़िया के गौरी शंकर मंदिर सहित कई अन्य प्रोजेक्टों पर कई सुझाव भी रखे। बैठक के बाद परिसर में पंडाल में भोजन की व्यवस्था थी। सांसद छत्रपाल गंगवार ने बताया कि डॉ श्याम बिहारी सहित हम लोगों ने भोजन किया। भोजन के बाद पंडाल में ही उन्हें कुछ दिक्कत महसूस हुई तो वे कक्ष में चले आए। सीने में दिक्कत के साथ पसीना खूब आया था। तत्काल उन्हें सर्किट हाउस के पास डॉ शिरीष गुप्ता के यहां ले जाया गया था।

हालत गंभीर देख उन्हें पीलीभीत रोड स्थित मेडिसिटी हॉस्पिटल ले जाया गया। मेडिसिटी हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ विमल भारद्वाज ने बताया कि 3 बजे के बाद हमारे हॉस्पिटल में डॉ. श्याम बिहारी लाल को लेकर आए थे। वेंटीलेटर पर रखा, सीपीआर दी गयी, कार्डियोलॉजिस्ट डॉ पुनीत सोंधी, डॉ मुकुल शारदा, डॉ विवेक मिश्रा की टीम ने कोशिश की, लेकिन फायदा नहीं हुआ। 4 बजे के बाद उन्हें डेथ घोषित किया। बताते हैं कि तीन माह पहले अपोलो दिल्ली में एन्जियोप्लास्टी सर्जरी हुई थी। 2007 में बाईपास सर्जरी हो चुकी थी।

दिवंगत विधायक को श्रद्धांजलि देने आज आएंगे मुख्यमंत्री

बरेली। फरीदपुर विधायक डॉ श्याम बिहारी लाल के निधन पर श्रद्धांजलि देने के लिए शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बरेली आएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. श्याम बिहारी के शक्तिनगर कालोनी स्थित आवास पर श्रद्धांजलि देने के लिए करीब 15 मिनट तक रुकेंगे।

ब्रीफ न्यूज

कार निकोबार वायुसेना अड्डे पर उन्नत हवाई पट्टी का उद्घाटन

श्री विजयपुरम। सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने शुक्रवार को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में भारतीय वायु सेना के कार निकोबार वायुसेना अड्डे पर पुन :निर्मित एवं उन्नत हवाई पट्टी का उद्घाटन किया। सीडीएस पूर्वाह्न करीब साढ़े 11 बजे कार निकोबार द्वीप पहुंचे, जहां नौसेना के अंडमान और निकोबार कमान (एएनसी) के कमांडर-इन-चीफ वाइस एडमिरल अजय कोचर और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। श्री विजयपुरम से लगभग 535 किलोमीटर दूर स्थित निकोबार जिले का कार निकोबार द्वीप 2004 की सुनामी के दौरान सबसे अधिक प्रभावित हुआ था।

मंत्री की 3.60 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क

कोलकाता। बंगाल में प्राथमिक शिक्षक भर्ती घोटाले के संबंध में ईडी ने सुधार प्रशासन मंत्री चंद्रनाथ सिन्हा और उनके परिवार की 3 .60 करोड़ की संपत्ति कुर्क की। एक अधिकारी ने बताया कि ईडी ने शुक्रवार को कोलकाता स्थित सीबीआई की विशेष अदालत में आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत कर कुर्क की गई संपत्तियों के बारे में जानकारी दी। सिन्हा, उनकी पत्नी और उनके दो बेटों के नाम पर पंजीकृत कुल 10 संपत्तियां कुर्क की गईं, जिनमें मकान, फ्लैट, जमीन और एक व्यावसायिक प्रतिष्ठान शामिल हैं।

ठंड हुई प्रचंड, 5 तक स्कूल बंद

पहाड़ों में बर्फबारी ने मैदानी इलाकों के तापमान को 5⁰ सेल्सियस नीचे धकेला | दो दिन से नहीं निकली धूप, आईएमडी ने कहा- आगामी एक सप्ताह में बढ़ेगी ठंड

- रविवार से पुन: घना कोहरा छाने लगेगा, तापमान गिरेगा, बर्फीली पछुआ चलेगी और ठंड बढ़ जाएगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

प्रयागराज में घने कोहरे के बीच जाता राहगीर।

अमृत विचार : बीते दो दिनों से धूप नहीं निकलने के कारण प्रदेश में कड़ाके की ठंड पड़नी शुरू हो गई है। मौसम विभाग ने आगामी दिनों में सर्द हवाओं के साथ ठंड व गलन बढ़ने की संभावना जताई है। ऐसे में दिन में भी ठिठुरन महसूस होगी। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले एक हफ्ते में सर्दी अपने सबसे भयानक रूप में होगी।

दरअसल, पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी ने मैदानी इलाकों के तापमान को सामान्य से 5C नीचे धकेल दिया है। संभावना है कि रविवार से पुनः घना कोहरा छाने लगेगा, तापमान गिरेगा, बर्फीली पछुआ चलेगी और ठंड बढ़ जाएगी। वहीं सरकार ने 12वीं तक के सभी स्कूल पांच जनवरी तक के आदेश जारी किए हैं। मौसम विभाग की रिपोर्ट बताती है कि उत्तर प्रदेश (पश्चिमी व पूर्वी) में आने वाले दिनों में कहीं बारिश, कहीं हल्की धूप तो कहीं धुंध और ठिठुरन रहेगी। हिमालय की ऊंची चोटियों जैसे सोनमर्ग, रोहतांग और माछिल में ताजा बर्फबारी दर्ज की गई है जिसका सीधा असर मैदानी इलाकों पर पड़ रहा है। पश्चिमी यूपी में पॉकेट्स में बारिश हो सकती है, जबकि पूर्वी यूपी में हल्की लेकिन कमजोर धूप निकलने से लोगों को थोड़ी राहत मिलेगी।

अगले 4 दिनों तक अधिकतम तापमान सामान्य से 3 से 5 डिग्री नीचे बना रहेगा, यानी दिन में भी कड़ाके की ठंड रहेगी। वहीं, सुबह और शाम के समय घना कोहरा यातायात को प्रभावित करेगा, हालांकि 3 जनवरी के बाद इसमें थोड़ी कमी आ सकती है। शीत लहर की बात की जाए तो, उत्तर-पश्चिमी सर्द हवाओं के चलते न्यूनतम तापमान में भारी गिरावट आएगी। 5 जनवरी को एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा, जिससे 6 और 7 जनवरी को फिर से पहाड़ों पर बर्फबारी और ऋषिकेश-हरिद्वार जैसे इलाकों में बारिश हो सकती है। हालांकि कड़ाके की ठंड के बीच एक अच्छी खबर यह है कि 8 से 9 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली तेज हवाओं के कारण दिल्ली, कानपुर, लखनऊ और आगरा जैसे शहरों में प्रदूषण के स्तर में सुधार होगा। धुंध और स्मॉग की चादर छटेगी, जिससे लोगों को सांस लेने में आसानी होगी।

किसानों के लिए आवश्यक सुझाव : फसल विशेषज्ञों का सुझाव है कि, पाले से बचाव के लिए शाम के समय हल्की सिंचाई करें। खेत के चारों ओर मेड़ पर धुआं करके तापमान को संतुलित रखें और कड़ाके की ठंड में पशुओं को खुले में न बांधें और उनके चारे की खास व्यवस्था रखें।

प्रदेश में 12वीं तक स्कूल रहेंगे बंद

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पड़ रही कड़ाके की सर्दी के कारण आईसीएससी, सीबीएससी, यूपी बोर्ड और अन्य बोर्ड सहित क्लास 12 तक के सभी स्कूल 5 जनवरी तक बंद रहेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की शुक्रवार को अपने सरकारी आवास पर ठंड को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक करने के बीच स्कूलों को लेकर यह आदेश जारी किया गया। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया है कि शीतलहर के दौरान बच्चों की सुरक्षा सर्वोपरि है, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री की इस हिदायत के मद्देनजर पर अब पांच जनवरी तक प्रदेश में सभी परिषदीय प्राथमिक विद्यालय से लेकर सहायता प्राप्त विद्यालय एवं सभी बोर्डों से मान्यता प्राप्त विद्यालयों में अवकाश घोषित कर दिया गया है। लखनऊ समेत कई जिलों के डीएम ने मुख्यमंत्री के आदेश के बाद पृथक से भी स्कूलों के बंद करने के आदेश जारी कर दिए हैं। वहीं, मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को फील्ड में सक्रिय रहने, सभी जिलों में कंबल और अलाव की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने और यह पक्का करने का निर्देश दिया है कि कोई भी खुले में न सोए। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि कड़ाके की ठंड के दौरान लोगों को राहत देने के लिए सभी रैन बसेरों में जरूरी सुविधाओं की पूरी व्यवस्था होनी चाहिए।

बजट खर्च में लापरवाह अफसरों की तय हो जिम्मेदारी : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- वित्त विभाग की समीक्षा में सीएम के सख्त निर्देश कम खर्च वाले विभागों के मंत्रियों को पत्र भेजेगा सीएम कार्यालय

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट व्यय की प्रगति को लेकर शुक्रवार को वित्त विभाग की समीक्षा बैठक में सख्त रुख अपनाया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जिन विभागों में बजट खर्च की रफ्तार धीमी है, वहां तत्काल तेजी लाई जाए और समयबद्ध व्यय सुनिश्चित करने के लिए हर स्तर पर अधिकारियों की जिम्मेदारी और जवाबदेही तय की जाए। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कम खर्च वाले विभागों के मंत्रियों को अपने कार्यालय से पत्र भेजने का भी निर्देश दिया।

योगी ने अपने आवास पर 20 विभागों के प्रस्तुतिकरण की समीक्षा करते हुए शासन के शीर्ष अधिकारियों को निर्देश दिए कि आवंटित बजट का समय से उपयोग हो, ताकि परियोजनाएं और योजनाएं तय समय में पूरी हों और प्रदेशवासियों को लाभ मिले। निर्णय लेने में देरी बजट व्यय की सबसे बड़ी बाधा है, इसलिए अधिकारी निर्णय लेने का सामर्थ्य विकसित करें और विलंब से बचें। उन्होंने कहा कि जिन विभागों में बजट व्यय की प्रगति धीमी है, वह इसमें तेजी लाएं। साथ ही बजट को समय से खर्च करने के लिए हर स्तर पर एक-एक अधिकारी की जिम्मेदारी और जवाबदेही तय हो। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए सभी विभाग के अधिकारी तुरंत निर्णय लें।

दिल्ली जाकर मंत्री, एसीएस और प्रमुख सचिव करें पैरवी

मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ विभागों में बजट व्यय की प्रगति अपेक्षा से धीमी है। इसे तेज करने के लिए विभागीय मंत्री और अधिकारी हर माह समन्वय बैठक करें। उन्होंने कहा जिन योजनाओं में केंद्र सरकार से बजट निर्गत होता है, उनके लिए संबंधित मंत्री, अपर मुख्य सचिव और प्रमुख सचिव दिल्ली जाकर पैरवी करें, पत्राचार करें और फोन के माध्यम से नियमित फॉलो-अप रखें।

2026-27 के बजट पर हो तैयारी

योगी ने निर्देश दिए कि आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट की तैयारी अभी से शुरू की जाए। सभी विभागों के साथ बैठक कर बजट मांगों की समीक्षा की जाए और आवंटन से पहले पिछले पांच वर्षों के खर्च के आकलन का विश्लेषण किया जाए।

योगी ने अपने कार्यालय को निर्देश दिए कि कम बजट खर्च करने वाले विभागों की पहचान कर संबंधित विभागीय मंत्रियों को मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से पत्र जारी किए जाएं।

इंदौर पेयजल मामले में बड़ा एक्शन, निगम आयुक्त को हटाया, दो निलंबित

इंदौर, एजेंसी

- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने की कार्रवाई, शुक्रवार को एक और महिला की गई जान

इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पेयजल के कारण हुई मौत मामले में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार देर शाम इंदौर नगर निगम आयुक्त दिलीप कुमार को हटा दिया। वहीं, निगम के अपर आयुक्त रोहित सिसोनिया और पीएचई के प्रभारी अधीक्षण यंत्री संजीव श्रीवास्तव को निलंबित कर दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार लापरवाही बर्दाश्त नहीं करेगी, इस संबंध में कठोर निर्णय लिए जा रहे हैं। इस बीच, शुक्रवार को दूषित पानी पीने के बाद 10 दिन से बीमार भागीरथपुरा निवासी 68 वर्षीय गीताबाई ध्रुवकर की मौत हो गई। यह शहर में दूषित पानी से जुड़ी 15वीं मौत है। इसी मामले में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में दायर जनहित याचिकाओं पर शुक्रवार को हुई सुनवाई के दौरान राज्य शासन की ओर से स्टेटस रिपोर्ट पेश की गई।

रिपोर्ट के अनुसार, भागीरथपुरा क्षेत्र में उल्टी-दस्त के 294 मरीजों को विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया। इनमें से 93 मरीज उपचार के बाद डिस्चार्ज हो चुके हैं, जबकि 32 मरीज आइसीयू में भर्ती हैं। रिपोर्ट में उल्टी-दस्त से चार मौत होने की बात कही गई है।

हाईकोर्ट में सरकार बोली- यह प्रकोप लोक स्वास्थ्य आपातकाल

इंदौर। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में पेश राज्य सरकार की स्थिति रिपोर्ट में कहा गया कि डायरिया के प्रकोप को लोक स्वास्थ्य आपातकाल के रूप में लेते हुए प्रभावी कदम उठाए गए हैं। राज्य सरकार ने हाईकोर्ट की इंदौर पीठ के निर्देश पर यह रिपोर्ट पेश की। अदालत पेयजल त्रासदी को लेकर इंदौर उच्च न्यायालय अभिभाषक (वकील) संघ के अध्यक्ष रितेश ईनाणी की जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही है। याचिका पर छह जनवरी को अगली सुनवाई होगी।

जमीन घोटाले में आईएएस गिरफ्तार

अहमदाबाद, एजेंसी

- रिश्वतखोरी से जुड़े धन शोधन मामले में ईडी ने डॉ. राजेंद्र कुमार पटेल की कार्रवाई

गुजरात में ईडी ने बड़ी कार्रवाई की है। जांच एजेंसी ने 1500 करोड़ के जमीन घोटाले में सुरेंद्रनगर जिले के पूर्व कलेक्टर और आईएएस डॉ. राजेंद्र कुमार पटेल को गिरफ्तार किया है।

भारतीय प्रशासनिक सेवा के 2015 बैच के अधिकारी पटेल को एक हफ्ते पहले सुरेंद्रनगर के जिलाधिकारी पद से उस समय बिना किसी नयी तैनाती के स्थानांतरित कर दिया गया था, जब ईडी ने उनके कार्यालय में कार्यरत उप मामलतदार (राजस्व अधिकारी) चंद्रसिंह मोरी को रिश्वतखोरी के आरोपों से उपजे धन शोधन मामले में गिरफ्तार किया था। ईडी धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) दर्ज होने के बाद उप मामलातदार मोरी और अन्य लोगों के खिलाफ धन शोधन मामले की जांच कर रही है।

वैवाहिक विवाद में पति का वित्तीय प्रभुत्व क्रूरता नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

- शीर्ष कोर्ट ने कहा- किसी आपराधिक मुकदमे को प्रतिशोध के माध्यम के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता

शीर्ष कोर्ट ने कहा है कि बिगड़े हुए वैवाहिक संबंध में पति द्वारा अलग रह रही अपनी पत्नी पर वित्तीय प्रभुत्व जमाना क्रूरता का कृत्य नहीं है। कोर्ट ने साथ ही इस बात पर भी जोर दिया कि किसी आपराधिक मुकदमे को बदला लेने और व्यक्तिगत प्रतिशोध के माध्यम के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता।

न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने यह टिप्पणी एक व्यक्ति से अलग रह रही उसकी पत्नी द्वारा अपने पति के खिलाफ क्रूरता और दहेज उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए दर्ज कराए गए एक आपराधिक मामले को रद्द करते हुए की। तेलंगाना हाईकोर्ट के उस फैसले को रद्द करते हुए, जिसमें प्राथमिकी रद्द करने से इनकार कर दिया गया था, न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा, आरोपी-अपीलकर्ता का मौद्रिक और वित्तीय दबदबा, जैसा कि प्रतिवादी-याचिकाकर्ता संख्या दो द्वारा आरोप लगाया गया है, किसी क्रूरता के मामले के रूप में नहीं देखा जा सकता, विशेषकर जब उससे कोई ठोस मानसिक या शारीरिक क्षति उत्पन्न नहीं हुई हो। यह स्थिति भारतीय समाज का आईना है। पीठ की ओर से फैसला लिखने वाली न्यायमूर्ति नागरत्ना ने व्यक्ति द्वारा अलग रह रही पत्नी को भेजे गए पैसों के खर्च का विवरण मांगे जाने को क्रूरता मानने से इनकार किया।

उपकर लागू होते ही पान मसाला विनिर्माताओं को करना होगा पंजीकरण

नई दिल्ली। पान मसाला विनिर्माताओं को स्वास्थ्य और राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर कानून के एक फरवरी से लागू होने के साथ ही तत्काल पंजीकरण के लिए आवेदन करना होगा। वित्त मंत्रालय ने इस कानून के बारे में अक्सर पूछे जाने वाले सवालों (एफएक्यू) की सूची जारी करते हुए यह स्पष्ट किया। मंत्रालय के मुताबिक, जिन पान मसाला विनिर्माताओं की एक से अधिक कारखानों में पैकिंग मशीनें स्थापित हैं, उन्हें हरेक कारखाने के लिए अलग-अलग पंजीकरण कराना होगा और इसके लिए 'केंद्रीय उत्पाद-शुल्क एवं सेवा कर स्वचालन' के पोर्टल पर आवेदन करना अनिवार्य होगा।

सुविधा

किसी वाटर मेट्रो के संचालन से लोगों को रोजगार के साथ मनोरंजन भी मिलेगा

कोच्चि की तर्ज पर गोमती नदी में वाटर मेट्रो चलाने की तैयारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : कोच्चि की तर्ज पर राजधानी की गोमती नदी में वाटर मेट्रो चलाने की तैयारी राज्य सरकार ने कर ली है। इससे शहर को जाम से जहां काफी हद तक निजात मिलेगा, कनेक्टिविटी बेहतर होगी वहीं पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

गोमती मेट्रो को लेकर परियोजना की तकनीकी व्यवहारिकता रिपोर्ट तैयार है। भविष्य में प्रदेश की 11 नदियों को जलमार्ग के रूप में विकसित करने की योजना है। वहीं, वाराणसी, अयोध्या एवं प्रयागराज की संबंधित रिपोर्ट भी तैयार हो चुकी है। इससे पहले लखनऊ में गोमती नदी के लिए प्रक्रिया प्रगति पर है। इसके बाद मथुरा-आगरा (यमुना), गोरखपुर (रामगढ़ ताल), बलिया (सुरहा ताल) और गंगा नदी में जल परिवहन परियोजनाओं को आगे बढ़ाया जाएगा। वाटर मेट्रो से रोजगार के नए अवसर, पर्यटन को बढ़ावा और जनता के लिए सुरक्षित व पर्यावरण अनुकूल परिवहन उपलब्ध होगा। परियोजना के अंतर्गत नेविगेशनल एड, इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम, पैसेंजर काउंटिंग, पर्यावरणीय व सामाजिक प्रभाव अध्ययन, टर्मिनल-जेट्टी, रोड कनेक्टिविटी, ऑटोमैटिक फेयर कलेक्शन, इलेक्ट्रिकल इंफ्रास्ट्रक्चर, बोट चार्जिंग, फायर प्रोटेक्शन व एचवीएसी जैसी व्यवस्थाओं का अध्ययन कर डीपीआर तैयार की जाएगी। इसके बाद लागत तय कर निविदा प्रक्रिया शुरू होगी।, यह परियोजना मनोरंजन और आर्थिक विकास दोनों दृष्टि से महत्वपूर्ण साबित होगी। परियोजना को लेकर शुक्रवार को परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह के सरकारी आवास पर कोच्चि मैट्रो के निदेशक संजय कुमार के साथ उच्च स्तरीय बैठक हुई।

कोच्चि मेट्रो देश की पहली जल-आधारित व्यवस्था

कोच्चि वाटर मेट्रो देश की पहली जल-आधारित मेट्रो व्यवस्था है, जो बैटरी से चलने वाली इलेक्ट्रिक नावों के माध्यम से कोच्चि के द्वीपों को मुख्य भूमि से जोड़ती है। इससे यातायात कम होता है और यह पर्यावरण के अनुकूल है। यह किफायती टिकटों, एयर कंडीशनिंग और सुरक्षित यात्रा की सुविधा देती है, जिससे केरल के बैकवाटर में यात्रा का एक अनूठा अनुभव भी मिलता है।

> मुख्यमंत्री के ड्रीम प्रोजेक्ट पर कवायद तेज करने की मंशा से अधिकारियों को सभी आवश्यक कार्रवाई में तेजी लाने और व्यय विवरण जल्द उपलब्ध कराने के निर्देश दे दिए गए हैं। प्रयास है कि व्यय का विवरण उपलब्ध होते ही शासन से बजट आवंटन की व्यवस्था कराई जा सके, ताकि इसका लाभ जनता को यथाशीघ्र प्राप्त हो सके।
> -दयाशंकर, परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

अमृत विचार

बरेली, शनिवार, 3 जनवरी 2026

शाहजहांपुर

न्यूज ब्रीफ

सावित्रीबाई फुले की जयंती पर गोष्ठी आज

शाहजहांपुर, अमृत विचार : भारत की प्रथम शिक्षिका सावित्रीबाई फुले की जयंती के अवसर पर 3 जनवरी को पूर्वाह्न 10 बजे निगोही रोड पर अशोक विहार स्थित सम्राटअशोक पार्क में विचार गोष्ठी होगी। जिसमें ' 'समाज उत्थान में सावित्रीबाई फुले की भूमिका' ' विषय पर विचार रखे जाएंगे। यह जानकारी पंचशील सोशल वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष राम सिंह ने दी है।

कोचिंग की टीम ने एचआर क्लब को हराया

शाहजहांपुर, अमृत विचार : मयूर स्पोर्टिंग की ओर से जीएफ कॉलेज मैदान पर चल रहे शाहजहांपुर क्लब लीग क्रिकेट टूर्नामेंट में शुक्रवार को एचआर क्लब और एवीएन कोचिंग के बीच मैच खेला गया। जिसमें टास एचआर क्लब ने जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 108 रन बनाए। सर्वाधिक रवि ने 15 रन बनाए। एवीएन कोचिंग के गेंदबाज नितिन मौर्य और अनमोल कटियार ने दो- दो विकेट प्राप्त किए। दूसरी पारी में लक्ष्य का पीछा करते हुए कोचिंग की टीम ने 6 विकेट खोकर निर्धारित लक्ष्य को पूरा कर लिया। जिसमें सर्वाधिक 53 रन जयवीर ने बनाए एवं मृत्युंजय ने 21 रन बनाए। विपक्षी टीम के गेंदबाज हरदीप ने दो विकेट प्राप्त किए। मैच के अंपायर रिजवान एवं दिनेश शर्मा थे। स्कोरर मयूर खन्ना एवं रविंद्र सिंह रहे। आयोजक मयूर खन्ना ने बताया कि शनिवार को क्राउन क्लब और रॉयल स्टार परितेश एकेडमी के बीच मैच खेला जाएगा।

नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष ताहिर का निधन

शाहजहांपुर, अमृत विचार : नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष

मोहम्मद ताहिर अंसारी(62) का बीमारी के बाद लखनऊ के निजी अस्पताल में निधन हो गया। महानगर के मोहल्ला खलील गर्बी निवासी मोहम्मद ताहिर कई वर्षों से गंभीर बीमारी से जूझ रहे थे। परिजन मो. जाहिद ने बताया गुरुवार को अपरान्ह 3 : 30 बजे उनका इंतकाल हो गया। वह अपने पीछे पत्नी व एक बेटा सफवान व एक बेटी सुमेरा का भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं। आज शुक्रवार को मोहल्ला बंगश स्थित कब्रिस्तान में उन्हें गमगीन माहौल में सुपुर्दे खाक कर दिया गया। उनके इंतकाल पर कांग्रेसी नेता अशफाक उल्ला खां, व्यापारी नेता नाजिम खां, हाजी इकरार अंसारी, इंतेखाब आलम, मोहम्मद जाहिद समेत अन्य ने शोक जताया।

नियमों की अनदेखी से देश में रोज हो रहीं 480 मौतें

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह आरंभ, जागरूकता कार्यक्रम आयोजित, बिना हेलमेट वाहन चलाना बन रहा जानलेवा

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- यातायात नियमों के पालन की शपथ, उत्कृष्ट विद्यार्थियों को मिलेगा नगद पुरस्कार
- डीएम ने कहा हादसों में जान गवाने वालों में सबसे ज्यादा दो पहिया वाहन चालक

जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते डीएम। ● अमृत विचार

अटल बिहारी वाजपेयी प्रेक्षागृह में सड़क सुरक्षा माह के जागरूकता कार्यक्रम में विद्यार्थी। ● अमृत विचार

अमृत विचार: राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत 31 जनवरी तक आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में अटल बिहारी वाजपेयी प्रेक्षागृह में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि देश में रोज सड़क दुर्घटनाओं में लगभग 480 लोगों की मृत्यु होती है, जबकि हत्या के मामले में यह संख्या लगभग 80 है।

उन्होंने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं में सर्वाधिक मौतें दो पहिया वाहन चालकों की होती हैं, जिनमें अधिकांश बिना हेलमेट वाहन चलाते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से स्वयं जागरूक बनने और परिवार व आसपास के लोगों को यातायात नियमों के पालन के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। जिलाधिकारी ने कहा कि दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट और चार पहिया वाहन में सीट बेल्ट का प्रयोग अनिवार्य रूप से किया जाए। वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करें, ओवरस्पीडिंग, ओवरलोडिंग और शराब पीकर वाहन चलाने से बचें। 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को वाहन न चलाने देने की अपील भी की गई। उन्होंने कहा कि बिना हेलमेट और सीट बेल्ट के होने वाली दुर्घटनाओं में पूरा परिवार गहरे दुःख में डूब जाता है।

उत्कृष्ट कार्य पर होगा सम्मान : जिलाधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत विद्यालयों द्वारा वीडियो, रील, ड्रामा, थिएटर, स्लोगन और संदेश जैसे माध्यमों से उत्कृष्ट कार्य करने वाले विद्यार्थियों को 31 जनवरी के बाद नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। विद्यार्थियों की ओर से तैयार सामग्री मोबाइल नंबर 6387343153 पर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अपराजिता सिंह ने कहा कि यातायात नियमों के पालन से ही सड़क दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है। उन्होंने अपील की कि समय लेकर यात्रा करें, तेज गति से वाहन न चलाएं और स्टंट करने से बचें। उन्होंने इमरजेंसी केयर के मोबाइल नंबर की जानकारी देते हुए कहा कि दुर्घटना में घायलों को गोल्डन आवर में नजदीकी चिकित्सालय पहुंचाना आवश्यक है। एसपी सिटी देवेंद्र कुमार ने कहा कि ट्रैफिक व्यवस्था में इंजीनियरिंग, इनफोर्समेंट और इमरजेंसी सेवाओं की अहम भूमिका होती है। उन्होंने बच्चों से घर और आसपास के लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने की अपील की।

आईएमए के सचिव डॉ. संजीव कनौजिया ने दुर्घटना के समय घायलों की शीघ्र सहायता पर जोर देते हुए प्राथमिक उपचार, ब्लीडिंग रोकने और सीपीआर की जानकारी दी। पीएसआई विनय कुमार पाण्डेय ने बताया कि बढ़ती जागरूकता के कारण वर्ष 2024 की तुलना में 2025 में सड़क दुर्घटनाओं में कमी आई है। उन्होंने राहवीर योजना की जानकारी देते हुए बताया कि घायल को अस्पताल पहुंचाने पर 25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि और प्रशस्ति पत्र दिया जाता है।

सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन सर्वेश कुमार सिंह ने कहा कि लगभग 80 प्रतिशत सड़क दुर्घटनाएं मानवीय भूल के कारण होती हैं। कार्यक्रम में सुदामा प्रसाद विद्यालय की कक्षा 11 की छात्रा प्रेरणा वर्मा ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए। अंत में जिलाधिकारी ने सभी को यातायात नियमों के पालन की शपथ दिलाई और प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम में नगर मजिस्ट्रेट प्रवेंद्र कुमार, यातायात प्रभारी संजय कुमार सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक हरिवंश कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

लंबित वादों को तत्परता से निस्तारित करें: जिलाधिकारी

शाहजहांपुर, अमृत विचार: जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट में राजस्व कार्यों की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में लंबित वादों की समीक्षा, लेखपाल डायरी, मुख्य भूमि विवाद, फार्मर रजिस्ट्री, फसल क्राप सर्वे, विशेष भूमि अध्यापित विभाग और आईजीआरएस की प्रगति की समीक्षा की गई।

जिलाधिकारी ने लंबित वादों की समीक्षा करते हुए समस्त उप जिलाधिकारी, तहसीलदार और नायब तहसीलदारों को निर्देश दिए कि 5 वर्ष, 1 वर्ष, 6 माह, 3 माह और 45 दिनों से अधिक लंबित मामलों की नियमानुसार सुनवाई कर निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी अधिकारियों को प्रतिदिन एक घंटा अपने-अपने न्यायालय में बैठकर वादों के निस्तारण के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने यह भी निर्देशित किया कि सभी अधिकारी प्रतिदिन कार्य दिवस में 10:00 से 12:00 बजे तक अपने कार्यालय में बैठकर जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं अनिवार्य रूप से सुनें। फार्मर रजिस्ट्री की समीक्षा में निर्देश दिए गए कि रोज प्रत्येक लेखपाल 10-10, कृषि विभाग 20-20 और पंचायत सहायक 5-5 फार्मर रजिस्ट्रीकरण करें तथा 80 प्रतिशत तक कार्य जल्द पूर्ण करें।

उर्स में मजार पर की चादर पोशी

शाह शम्सुद्दीन मियां की मजार पर हाजिरी देते सज्जादा व जायरीन। ● अमृत विचार

संवाददाता, तिलहर / शाहजहांपुर

अमृत विचार : हजरत सैयद शाह शम्सुद्दीन मियां के सालाना उर्स शरीफ के दूसरे दिन दरगाह परिसर में अकीदतमंदों की भीड़ रही।

उर्स के मौके पर सज्जादानशीन इकबाल हुसैन उर्फ फूलमियां ने लोगों के साथ मिलकर मजार पर चादर पेश की। इसके बाद उन्होंने देश में अमन-शांति, आपसी भाईचारे, तरक्की और खुशहाली के लिए विशेष दुआ कराई। दुआ में बड़ी संख्या में मौजूद अकीदतमंदों ने हाथ उठाकर सहभागिता की और आमीन की सदाओं से पूरा परिसर गूंज उठा। दूसरे दिन के कार्यक्रम में उलेमा-ए-किराम और खिदमतगारों ने हजरत सैयद शाह शम्सुद्दीन मियां की तालीमात पर रोशनी डालते हुए कहा कि सूफी संतों ने हमेशा प्रेम, इंसानियत और आपसी सद्भाव का पैगाम दिया है। उर्स में ऐसा अवसर होता है जब समाज के लोग एकत्र होकर आपसी मेल-जोल और भाईचारे को मजबूत करते हैं।

इस मौके पर सूफी शकील मियां, सूफ़ी रहमत मियां, इशरत अली, जफर अली, मोहम्मद वसीम कुरैशी, शरीफ कुरैशी, रिजवान कुरैशी, मोहम्मद आसिफ फरीदी, चांद साबरी, वकार आदि सैकड़ों लोग मौजूद थे।

रुपये न देने पर अपात्र करने का आरोप

कलान, अमृत विचार : ब्लॉक क्षेत्र की गांव भुन्नी खेड़ा गांव निवासी पप्पू बढ़ई में खंड विकास अधिकारी रवि सिंह राणा को शिकायती पत्र देकर बताया कि गांव के प्रधान पुत्र एवं सचिव ने उसे इसलिए अपात्र कर दिया कि उसने 30 हजार रुपये देने से मना कर दिया। उसने यह भी आरोप लगाया है कि ग्राम पंचायत के मजरा लज्जू नगला में एक खेती बाड़ी एवं ट्रैक्टर और मकान होने के बाद भी उसको प्रधानमंत्री आवास दे दिया गया। जबकि उसे इस योजना से वंचित कर दिया गया। उसने 19 अप्रैल को एक शिकायती पत्र तहसील दिवस में दिया था। जिसकी जांच में वह पात्र पाया गया, लेकिन उसे प्रधानमंत्री आवास योजना से वंचित कर दिया गया है। उसने खंड विकास अधिकारी से प्रधान एवं सचिव की जांच करा कर उसे प्रधानमंत्री आवास दिलाए जाने की मांग की है।

निपुण परीक्षा में हो सौ फीसदी उपस्थिति

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

समीक्षा बैठक करते जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह। ● अमृत विचार

अमृत विचार : जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में बेसिक शिक्षा विभाग के कार्यों एवं योजनाओं की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट स्थित बिस्मिल सभागार में की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने निपुण परीक्षा की समीक्षा करते हुए सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए कि परीक्षा में बच्चों की उपस्थिति 100 प्रतिशत सुनिश्चित कराई जाएं।

जिलाधिकारी ने ऑपरेशन कायाकल्प के अंतर्गत विद्यालयों में दिव्यांगजन शौचालय, बालक-बालिका शौचालय, मूत्रालय, टायलीकरण, रसोई घर, बाउंड्री वॉल सहित अन्य संबंधित अपूर्ण पैरामीटर को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जर्जर भवनों की ध्वस्तीकरण और नीलामी की कार्रवाई जल्द पूरी की जाए तथा यह सुनिश्चित किया जाए कि ऐसे भवनों में किसी भी स्थिति में पढ़ाई न कराई जाए। बैठक में डायट प्रिंसिपल के अनुपस्थित रहने पर जिलाधिकारी ने स्पष्टीकरण तलब करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को स्पष्ट किया कि विद्यालयों में पुस्तकों का वितरण 100 प्रतिशत होना चाहिए। यदि वितरण में लापरवाही पाई गई तो संबंधित खंड शिक्षा अधिकारी और प्रधानाचार्य के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। अपार आईडी निर्माण की समीक्षा के दौरान जलालाबाद, कलान और सदर क्षेत्र में अधिक पेंडिंग होने पर जिलाधिकारी ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए कि खंड शिक्षा अधिकारियों को लक्ष्य निर्धारित कर अगली बैठक तक कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही जिलाधिकारी ने विद्यालयों में फल वितरण और न्यूट्रिशन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अपराजिता सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक हरिवंश कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी दिव्या गुप्ता सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

- डायट प्रिंसिपल की गैरहाजिरी पर मांगा स्पष्टीकरण तलब

सीएचसी के सपने अधूरे, 18 साल से इंतजार

संवाददाता, कलान

- जमीन तलाश में उलझा मामला इलाज को भटक रहे क्षेत्रवासी
- सरकारी फैसले के बाद भी नहीं मिली जमीन
- अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की अनदेखी से बढ़ी परेशानी

अमृत विचार: कलान में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बनाए जाने का सपना 18 साल से अधूरा पड़ा है। प्रदेश सरकार की ओर से वर्ष 2007 में सीएचसी बनाए जाने का फैसला लिया गया था, लेकिन इसके बाद भी स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन जमीन तक चिन्हित नहीं कर पाया। निर्माण कार्य शुरू होना तो दूर, मामला वर्षों से ठंडे बस्ते में पड़ा हुआ है।

जानकारी के अनुसार शासन से आदेश जिला अधिकारी के पास पहुंचा था, जिसके बाद तत्कालीन उप जिला अधिकारी विनोद कुमार को अस्पताल निर्माण के लिए जमीन चयन का प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए गए थे। कुछ समय तक तहसील प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की ओर से प्रयास किए गए, लेकिन जमीन का चयन नहीं हो सका। इसके बाद मामला धीरे-धीरे ठंडे बस्ते में चला गया और आज तक कोई निर्णायक कदम नहीं उठाया गया। सीएचसी न होने के कारण क्षेत्रवासियों को इलाज के लिए शाहजहांपुर के अलावा बदायूं और बरेली जैसे पड़ोसी जिलों में जाना पड़ता है। इससे न केवल समय की बर्बादी होती है, बल्कि इलाज पर अतिरिक्त धन भी खर्च करना पड़ता है। कई बार समय पर उपचार न मिलने से मरीजों की परेशानी और बढ़ जाती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण जनहित से जुड़ा विषय है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी और जनप्रतिनिधि इस ओर गंभीरता नहीं दिखा रहे हैं। वर्षों से मांग उठाए जाने के बावजूद समस्या जस की तस बनी हुई है, जिससे क्षेत्रवासियों की उम्मीदें अब टूटती नजर आ रही हैं।

जनप्रतिनिधियों को ध्यान देना चाहिए

कलान में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की अत्यंत आवश्यकता है। इस मांग को पूरा कराने के लिए सांसद और विधायक को पहल करनी चाहिए, तभी शायद काम आगे बढ़ सके। – कौशल गुप्ता

सीएचसी न होने के कारण इलाज के लिए दूसरे जिलों में जाना पड़ता है, जिसमें अधिक समय और धन खर्च होता है। समय पर सही इलाज भी नहीं मिल पाता। –आदित्य सिंह हनी

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण जनहित का कार्य है। इस समस्या के समाधान के लिए अधिकारियों के साथ जनप्रतिनिधियों को भी गंभीरता दिखानी चाहिए। – डॉ. मोहित मिश्रा

यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि स्वास्थ्य विभाग ने जमीन तलाशने में ही 18 साल गुजार दिए। सीएचसी कब बनेगा, इसका जवाब किसी अफसर या नेता के पास नहीं है। – रोहित गुप्ता

सीएचसी के लिए कई स्थानों पर जमीन देखी गई थी। फिलहाल इस संबंध में कोई नई जानकारी नहीं है। प्रयास है कि जल्द ही सीएचसी का निर्माण हो सके।
– डॉ. आर्येंद्र यादव, प्रभारी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कलान

लोगों को योग से दे रहे स्वस्थ रहने का मंत्र

शाहजहांपुर, अमृत विचार : कड़ाके की ठंड में रामचंद्र मिशन के प्रशिक्षक और स्वयंसेवक ग्रामीण अंचलों में पहुंचकर आध्यात्मिक जागरण का दीप जलाकर सहज मार्ग साधना पद्धति हार्टफुलनेस मेडीटेशन के बारे में जानकारी दे रहे हैं। टीम ने गुरुवार को जिले के सिंधौली और कांट विकास खंड के दर्जनों गांवों में दस्तक दी। हार्टफुलनेस मेडीटेशन करने के बाद तमाम ग्रामीणों का कहना है कि इन कार्यक्रमों से उन्हें न केवल मानसिक शांति मिली है, बल्कि जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण भी विकसित हुआ है। अभियान को सफल बनाने में आभा श्रीवास्तव, दीक्षा, जया श्रीवास्तव, यतिंद्र कुमार, महेश पाल, देवतोश श्रीवास्तव, भगवान सिंह, तनु सैनी, दीपक, अचिंत्य आदि योगदान दे रहे हे।

भाकियू के दो संगठनों ने एक-दूसरे पर लगाए आरोप

संवाददाता, पुवायां

अमृत विचार : जमीन के विवाद को लेकर किसान यूनियन के दो गुटों के कार्यकर्ताओं के बीच गुरुवार को जमकर हंगामा हुआ। पहले कोतवाली में नोंक-झोंक हुई, इसके बाद सीओ कार्यालय गेट पर दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए, जहां नारेबाजी के बीच हाथापाई की नौबत आ गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया। दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

मामला बड़ागांव चौकी क्षेत्र के लालपुर निवासी हरिपाल सिंह से जुड़ा है, जिन्होंने वर्ष 2021 में अपनी एक एकड़ भूमि अनंतापुर निवासी भाकियू भानु गुट के कार्यकर्ता महिपाल सिंह को बेची थी। एक वर्ष बाद महिपाल सिंह ने उक्त भूमि बरेली जिले के भुता थाना क्षेत्र के गांव डभरा निवासी सूरजभान की पत्नी मनीषा देवी को बेच दी। इसके बाद खरीदार पक्ष भूमि पर फसल करता रहा।आरोप है कि इस बार हरिपाल सिंह ने खेत जोतने से रोकने और धमकी देने की कोशिश की, जिस पर खरीदार पक्ष ने न्यायालय से स्टे आदेश प्राप्त कर लिया। गुरुवार सुबह भाकियू चढ़ूनी गुट के जिलाध्यक्ष भारत सिंह यादव व हरिपाल सिंह सैकड़ों समर्थकों के साथ खेत पर सरसों की फसल जोतने पहुंच गए। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों में विवाद बढ़ गया। पुलिस ने दोनों पक्षों को कोतवाली बुलाया, जहां भाकियू भानु गुट के जिलाध्यक्ष महेंद्र पाल सिंह यादव और भाकियू चढ़ूनी गुट के जिलाध्यक्ष भारत सिंह यादव के बीच तीखी नोंक-झोंक हो गई।

नवागत थाना प्रभारी ने संभाला कार्यभार

कलान, अमृत विचार: नवागत थाना प्रभारी शिवदीन वर्मा ने कार्यभार संभाल लिया है। उन्होंने सभी पुलिस का सहयोग करने की बात कही है। कलान इंस्पेक्टर प्रभाष चंद्र को पुलिस अधीक्षक ने हटा दिया है। उनके स्थान पर शिवदीन वर्मा को थाने की जिम्मेदारी सौंपी है।

- सीओ कार्यालय गेट पर जमकर की नारेबाजी

नवागत थाना प्रभारी ने कार्यभार संभालने के बाद कार्यालय, मालखाने व हवालात का निरीक्षण किया। पुलिस जवानों से परिचय प्राप्त करने के बाद क्षेत्र के बारे में जानकारी हासिल की। उन्होंने कहा कि क्षेत्र अमन चैन कायम रहना चाहिए। कानून के खिलाफ कोई भी काम नहीं होगा। शासन की मंशा अनुरूप सभी काम करेंगे।

एसपी ने छात्राओं को वितरित कीं साइकिलें

स्कूली छात्राओं के साथ एसपी व व्यापार मंडल पदाधिकारी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल की ओर से आयोजित कार्यक्रम में पुलिस कप्तान राजेश द्विवेदी द्वारा स्कूली छात्राओं को साइकिल का वितरण किया गया। कार्यक्रम में एसपी ग्रामीण, एसपी सिटी और सीओ सिटी ने उपस्थित होकर व्यापार मंडल के इस उपयोगी कार्य को गरिमा प्रदान की।

कार्यक्रम का निर्देशन वेद प्रकाश गुप्ता जिला अध्यक्ष, सचिन बाथम महानगर अध्यक्ष, सुरेंद्र सिंह सेठ प्रांतीय मंत्री और नारायण दास अग्रवाल प्रांतीय मंत्री ने किया। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को शिक्षा के प्रति प्रेरित करने और उनकी सुविधा को ध्यान में रखते हुए साइकिलें वितरित की गईं। इस अवसर पर महानगर महामंत्री अमित शर्मा, रेहान मिर्जा, अनमोल वर्मा, ज्ञानचंद्र, सरताज अली, जाने आलम, दिलशाद और सरताज खान का सहयोग रहा। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने व्यापार मंडल की इस पहल की सराहना की।

पोषण योजनाओं की समीक्षा में डीएम ने दिए सख्त निर्देश

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- एफआरएस से पोषाहार वितरण और पंजीकरण कार्य समय से पूरा करने पर जोर

अमृत विचार: जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग की जिला पोषण समिति और विभागीय कार्यों की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट स्थित बिस्मिल सभागार में की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने पोषण ट्रैकर पर पंजीकृत सभी लाभार्थियों का चेहरा प्रमाणीकरण एफआरएस एक सप्ताह के भीतर 100 प्रतिशत पूरा कराने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि एफआरएस के माध्यम से ही अनुपूरक पुष्टाहार का वितरण किया जाए। एफआरएस से पोषाहार वितरण में परियोजना भावलखेड़ा की प्रगति कम पाए जाने पर उन्होंने नाराजगी जताते हुए बाल विकास परियोजना अधिकारी भावलखेड़ा को स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी बाल विकास परियोजना अधिकारियों को बिना चेहरा प्रमाणीकरण के पोषाहार वितरण न करने के निर्देश दिए। बैठक में जिलाधिकारी ने पोषण ट्रैकर ऐप पर सभी लाभार्थियों का वजन और लंबाई फीड कराने, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा प्रतिदिन केंद्र खोलने तथा सभी लाभार्थियों की आभा आईडी और अपार आईडी एक सप्ताह में बनवाने के निर्देश दिए।

उर्स में सुनाईं शायरी और कविताएं

संवाददाता, तिलहर

मुशायरे में कलाम पेश करते शायर। ● अमृत विचार

अमृत विचार: नगर के प्रसिद्ध वली सैयद शाह शमसुद्दीन मियां के 191वें उर्स पर ऑल इंडिया मुशायरा-कवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। मुशायरे में शायरों और कवियों ने कलाम और कविताएं प्रस्तुत कर श्रोताओं को तालियों बजाने के लिए विवश कर दिया। इससे पूर्व आयोजित सम्मान समारोह में पत्रकारों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि प्रदीप कुमार गुप्ता, व्यापार मंडल अध्यक्ष हितेश गुप्ता, सौरभ गुप्ता, अरुण यादव और अतुल रस्तोगी को भी सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि ने कहा कि गद्दीनशीन इकबाल हुसैन उर्फ फूल मियां ने अपने पूर्वजों की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए नगर में गंगा-जमुनी तहजीब को जीवंत रखा है। उन्होंने कहा कि यह दरगाह आज भी हिंदू-मुस्लिम भाईचारे की प्रतीक है, जहां हर धर्म के लोग श्रद्धा के साथ जियारत करने आते हैं।

मुशायरे की अध्यक्षता शहर काजी अकरम हुसैन ने की, जबकि संचालन असरार नसीमी ने किया। मुशायरे में इरफान लखनवी, सलीम ताबिश, खालिद सुल्तानपुरी, आसिफ निगार, शिफा तिलहरी और पीलीभीत के शायर ने सांप्रदायिक सौहार्द और सामाजिक सरोकारों से जुड़ी रचनाएं पेश कीं। इसके अलावा मोहम्मद अल्वी, अफसर सिद्दीकी, बिलाल राज, अजय अवस्थी, ज्ञानेंद्र मोहन ज्ञान, फैसल फैज, शमशाद आतिफ, वाजिद हुसैन वाजिद सहित अनेक शायरों ने अपने कलाम से महफिल को सजाया।

न्यूज ब्रीफ

घर में घुसकर मां-बेटी को लाठी-डंडों से पीटा

कलान, अमृत विचार : ग्राम जखिया निवासी सरोजनी ने थाने पर प्रार्थना पत्र देकर बताया कि शुक्रवार सुबह गांव के ही कुछ लोग घर में घुस आए और उसके साथ मारपीट करने लगे। मां को पिटता देख बेटी उसे बचाने आई तो आरोपियों ने उसे भी लाठी डंडों से पीट दिया। उसने बताया है कि आरोपियों का पीटने के बाद भी ईंट पत्थर घर पर फेंकने का तांडव जारी रहा। पीड़िता ने थाना प्रभारी को जांच कर कठोर कार्रवाई किए जाने मांग की है।

पुण्यतिथि पर याद किए गए पूर्व सांसद

जैतीपुर, अमृत विचार : खेड़ा बझेड़ा निवासी स्व सुरेन्द्र विक्रम सिंह की पुण्य तिथि पर परिजनों ने उन्हें याद कर पुष्पांजलि अर्पित कर याद किया |सुरेंद्र विक्रम सिंह विधानसभा खेड़ा बझेड़ा से चार बार विधायक रहे तथा एक बार शाहजहांपुर से सांसद रहे। उनके बेटे योगेंद्र विक्रम सिंह ने बताया कि लोग उनके पिता की सादगी और व्यवहार की आज भी सराहना करते हैं। पुराने लोगों का लगाव आज भी उनके नाम से है।

12वीं तक के सभी बोर्ड के विद्यालय 5 तक बंद

शाहजहांपुर, अमृत विचार : जिले में पड़ रही कड़ाके की ठंड को देखते हुए जिलाधिकारी ने जिले में 12वीं तक के सभी बोर्ड के विद्यालयों को पांच जनवरी तक बंद करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही माध्यमिक व बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने इसके लिए आदेश जारी कर दिए हैं।

आधार कार्ड मशीन चोरी की सूचना से हड़कंप

जैतीपुर, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के एक गांव से गुरुवार रात चार पहिया वाहन में रखी आधार कार्ड बनाने की मशीन और डिवाइस के चोरी होने की सूचना से हड़कंप मच गया। मामले को लेकर चर्चा रही कि अज्ञात चोर वाहन से मशीन और डिवाइस ले गए हैं। पुलिस ने आधार कार्ड बनाने की मशीन और डिवाइस को बरामद कर कुछ लोगों को हिरासत में लिया है और उनसे नवादा मोड़ पुलिस चौकी पर पूछताछ की जा रही है। वहीं इस संबंध में नवादा मोड़ चौकी प्रभारी इतेश तोमर ने बताया कि आधार कार्ड बनाने वाली मशीन चोरी नहीं हुई है, बल्कि किसी के द्वारा उठा कर ले जाई गई थी, जो बाद में खेत में पड़ी मिली है। मामले की जांच की जा रही है।

एक सप्ताह से बंद था दरवाजा, क्षत-विक्षत मिला शव

अजय के परिजनों ने अनहोनी की आशंका जताई तो पुलिस को बुलाकर दरवाजा खटखटाया, दीवार के सहारे घर में घुसे युवक ने खोला गेट

संवाददाता, खुटार

अमृत विचार : नगर के मोहल्ला गांधीनगर में एक सप्ताह से घर में दरवाजा बंद करके रह रहे अजय कुमार मिश्रा (45) का शव संदिग्ध हालात में शुक्रवार दोपहर बाद करीब चार बजे बरामद हुआ है। घर के बरामदे में जमीन पर अजय कुमार मिश्रा का शव पड़ा मिला है। जो बुरी तरह से क्षत-विक्षत है। परिजनों ने किसी पर कोई आरोप नहीं लगाया है। पुलिस ने परिजनों से पूछताछ करने के बाद शव पोस्टमार्टम भेजा है।

नगर के मोहल्ला गांधीनगर निवासी अजय कुमार मिश्रा घर में अकेले रहते थे। इनके पड़ोस में उनके सगे भाई अनिल कुमार मिश्रा, अमरीश कुमार मिश्रा सहित परिवार रहता है। अनिल मिश्रा ने बताया कि कुछ दिनों से उनका छोटा भाई अजय कुमार मिश्रा घर के बाहर दिखाई नहीं दे रहा था और न ही घर में कुछ चहल पहल सुनाई दी। घर के मेन गेट का दरवाजा अंदर से बंद था। ऐसे में करीब एक सप्ताह बीत गया। शुक्रवार दोपहर बाद करीब चार बजे भाई अनिल कुमार मिश्रा, अमरीश कुमार मिश्रा घर की तरफ पहुंचे और बाहर से दरवाजा खटखटाया और आवाज दी। बावजूद इसके घर के अंदर से कोई जवाब नहीं आया तो अनहोनी की आशंका हुई। इस बीच मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई।

थानाध्यक्ष सुभाष चंद्र पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पहले परिजनों से पूछताछ की। बाद में पुलिसकर्मियों ने भी बाहर से दरवाजा खटखटाकर खुलवाने का प्रयास किया। फिर मोहल्ले के ही एक युवक को दीवार से घर के अंदर दाखिल किया और दरवाजा खोला गया। पुलिस को घर के अंदर बरामदे में जमीन पर अजय कुमार मिश्रा का शव बरामद हुआ। घर में काफी अंधेरा था और शव क्षत विक्षत था। चर्चा है कि एक सप्ताह से घर में शव पड़ा रहने से बिल्ली या चूहों ने शरीर के अंगों का मांस खा लिया। इससे शरीर क्षत विक्षत है। उधर, पुलिस ने परिजनों से पूछताछ के बाद पंचनामा भरकर शव पोस्टमार्टम भेज दिया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

घटना की सूचना पर मौके पर लगी भीड़। ● अमृत विचार

रोते बिलखते मृतक के परिजन। ● अमृत विचार

> सूचना पर मौके पर पहुंचा था। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। किसी के द्वारा कोई तहरीर नहीं दी गई है। यदि तहरीर मिलती है तो जांच कर आगे की कार्यवाही की जाएगी।
>
> –**सुभाष चंद्र**, कार्यवाहक थानाध्यक्ष खुटार

सूचना पर पहुंची पुलिस ने परिजनों से की पूछताछ। ● अमृत विचार

दो दिन पूर्व भी दरवाजे पर दी थी आवाज

परिजनों ने बताया कि पड़ोस के रहने वालों ने भी छोटे भाई अजय कुमार मिश्रा के घर के दरवाजे पर आवाज दी थी। लेकिन घर से कोई आवाज नहीं आई थी। तो लोगों ने समझा की सो रहे होंगे। लेकिन शुक्रवार को फिर से आवाज देने पर जवाब नहीं आया तो अनहोनी की आशंका हुई।

मानसिक संतुलन ठीक नहीं था, मायके में रह रही पत्नी

अनिल कुमार मिश्रा ने बताया कि उसके छोटे भाई अजय कुमार मिश्रा की शादी हो चुकी थी। करीब पंद्रह साल से भाई की पत्नी अरुणेश देवी अपने मायके थाना कांट के गांव जशनपुर में रहती है। जबकि उनसे कोई मतलब नहीं है। उन्होंने बताया कि छोटे भाई का स्वास्थ्य ठीक नहीं रहता था। भाई का मानसिक स्वास्थ्य ठीक न होने के चलते पत्नी मायके में रहती है।

पहले पोस्टमार्टम से किया मना, पत्नी के चलते कराई कार्रवाई

घर के अंदर अजय कुमार मिश्रा का शव काफी क्षत विक्षत था और दुर्गंध उठने लगी थी। परिजनों ने पुलिस से पोस्टमार्टम कराने से साफ मना कर दिया था। लेकिन बाद में वह तैयार हो गए। इसके बाद अनिल कुमार मिश्रा ने पुलिस को पोस्टमार्टम कराने की तहरीर दी।

एसपी ने 10 प्रभारी निरीक्षकों के किए तबादले

शाहजहांपुर, अमृत विचार: एसपी राजेश द्विवेदी ने कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से दस प्रभारी निरीक्षकों के तबादले किए हैं। उन्होंने निरीक्षक राजेंद्र कुमार का प्रभारी निरीक्षक खुटार से प्रभारी निरीक्षक परौर, निरीक्षक अवधेश कुमार का प्रभारी विशेष जांच प्रकोष्ठ से प्रभारी निरीक्षक खुटार, निरीक्षक शिवदीन का प्रभारी आईजीआरएस से प्रभारी निरीक्षक कलान, निरीक्षक प्रिंस शर्मा का निरीक्षक अपराध मदनापुर से प्रभारी निरीक्षक जैतीपुर। इसी प्रकार निरीक्षक गौरव त्यागी का प्रभारी निरीक्षक से गैर जनपद स्थानांतरण होने पर पुलिस लाइन, निरीक्षक जुगुल किशोर का प्रभारी निरीक्षक कटरा से तिलहर, निरीक्षक राकेश कुमार का प्रभारी निरीक्षक तिलहर से प्रभारी विशेष जांच प्रकोष्ठ, निरीक्षक प्रभाष चंद्र का प्रभारी निरीक्षक कलान से प्रभारी आईजीआरएस, निरीक्षक अशोक कुमार सिंह का प्रभारी निरीक्षक परौर से अपराध शाखा ओर उप निरीक्षक श्यामवीर सिंह का पुलिस लाइन से प्रभारी निरीक्षक खुटार तबादला किया है।

राजेश द्विवेदी की पदोन्नति, एडीजी एवं डीआईजी ने कालर बैंड लगाया

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: बरेली जोन कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में अपर पुलिस महानिदेशक रमित शर्मा और बरेली परिक्षेत्र पुलिस उपमहानिरीक्षक अजय कुमार साहनी ने यहां के एसपी राजेश द्विवेदी को सिलेक्शन ग्रेड प्राप्त होने पर उनके कंधों पर रैंक प्रतीक चिन्ह एवं कालर बैंड लगाकर औपचारिक रुप से पदोन्नति प्रदान की गई। एडीजी और डीआईजी ने एसपी राजेश द्विवेदी को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई। उन्होंने कहा कि राजेश द्विवेदी ने अपने सेवाकाल के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने, अपराध नियंत्रण, जन सुरक्षा, अनुशासन एवं प्रशासनिक कार्यों में उत्कृष्ट प्रदान किया गया है तथा आमजन में पुलिस के प्रति विश्वास एवं सुदृढ़ हुआ है। उन्होंने आशा व्यक्त की है कि भविष्य में भी पूरी निष्ठा, कर्तव्य प्रणयता एवं पेशेवर दक्षता के साथ अपने दायित्वों का निर्वाहन करते हुए पुलिस विभाग की छवि को और सशक्त बनाएंगे। कार्यक्रम में अन्य वरिष्ठ अधिकारी आदि स्टाफ मौजूद रहा।

एसपी के कालर बैंड लगाते एडीजी और डीआईजी। ● अमृत विचार

बर्थ डे पार्टी में दबंग ने किया हंगामा

कलान, अमृत विचार : बर्थ डे पार्टी में एक दबंग ने अपने साथियों के साथ पहुंचकर हंगामा किया। पीड़ित ने तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। ग्राम बारा खुर्द निवासी अशोक शाक्य ने थाने पर दी तहरीर में बताया कि उसके बेटे का बर्थ डे था, जिसके लिए उसने विचोला में एक ढाबा बुक किया था। जिसमें गुरुवार रात 8 बजे अतिथियों को खाना खिलाना था। इसी बीच गांव का ही दबंग चार-पांच साथियों के साथ वहां आ धमका और गाली गलौज करते हुए झगड़ा करने लगा। पीड़ित ने बताया कि जब वह शिकायत करने चौकी पर गया तो आरोपी भी पहुंच गया और उसके साथ गाली- गलौज करते हुए हंगामा करने लगा। बताते हैं कि प्रधान पुत्र अशोक कुमार शाक्य उससे रंजिश मानता है, इसलिए पार्टी में हंगामा किया। उसने थाना प्रभारी को तहरीर देकर दबंग के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है।

हादसों में बस चालक और महिला की मौत, 3 घायल

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- रोजा में बस और ट्रक की टक्कर में चालक की मौत, सिंधौली में महिला ट्राली से दबकर मरी

अमृत विचार: जिले में अलग-अलग स्थानों पर सड़क दुर्घटनाओं में प्राइवेट बस चालक और महिला की मौत हो गयी। जबकि तीन लोग घायल हो गए। रोजा क्षेत्र में नई दिल्ली-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर अटसलिया ओवरब्रिज पर डबल डेकर बस और ट्रक की टक्कर से बस चालक की मौत हो गयी और तीन घायल हो गए। इधर सिंधौली क्षेत्र में घर के बाहर खड़ी महिला को ट्रैक्टर-ट्राली ने टक्कर मार दी, जिससे महिला की मौत हो गई।

डबल डेकर बस गुजरात के विभिन्न क्षेत्रों के श्रद्धालुओं को लेकर हरिद्वार गई थी। गुरुवार रात तीन बजे बस श्रद्धालुओं को लेकर हरिद्वार से अयोध्या जा रही थी। रोजा क्षेत्र में हाईवे पर अटसलिया ओवरब्रिज पर बस के आगे ट्रक चल रहा था। चालक ने ट्रक के अचानक ब्रेक लगा दिए, जिससे बस ट्रक में पीछे से जाकर घुस गई। इस दौरान बस में सो रहे श्रद्धालुओं की अचानक नींद खुल गई और अफरा-तफरी मच गई। लोग डर के कारण बस के अंदर से बाहर भागने लगे। राहगीरों ने रोजा थाना को सूचना दी। प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे ओर घायल चालक मुकेश और घायल श्रद्धालु कंचन, वीरा व सोलंकी को मेडिकल कालेज भेज दिया। जहां डाक्टर ने चालक मुकेश को मृत घोषित कर दिया। अन्य लोगों के मामूली चोट लगी थी। मृतक चालक गुजरात के जिला राजकोट का रहने वाला था। पुलिस ने उसके परिवार वालों को सूचना दी है। बस का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया था। पुलिस ने क्रेन बुलवाकर बस को निकालकर सड़क के किनारे करवाया। प्रभारी निरीक्षक ने श्रद्धालुओं के लिए अलाव की व्यवस्था कराई ओर उनको दूसरी बस से अयोध्या भेज दिया गया। उन्होंने बताया कि तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

इधर, सिंधौली क्षेत्र के गांव लधौला गांव निवासी संगपाल ने बताया कि उसकी मां 55 वर्षीय शिवना देवी गुरुवार की रात आठ बजे घर के बाहर खड़ी थी। इसी दौरान मिट्टी से भरी ट्रैक्टर-ट्राली ने उसकी मां को टक्कर मार दी, जिससे उसकी मां घायल हो गया। वह अपनी मां को रात में ही सीएचसी पर ले गया।

जहां डाक्टर ने शिवना देवी को मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर से परिवार में रोना पीटना मच गया। प्रभारी निरीक्षक रवीन्द्र सिंह ने बताया कि महिला की ट्रैक्टर-ट्राली से दबकर मौत हुई और तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

ई-रिक्शा व ईको की भिड़ंत, चालक घायल

परौर, अमृत विचार : क्षेत्र के अमृतापुर चौराहे पर ई-रिक्शा और ईको गाड़ी की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में ई-रिक्शा चालक रामकुमार शर्मा निवासी बहादुरगंज थाना कलान गंभीर रूप से घायल हो गया। बताया गया कि मिर्जापुर की ओर से आ रही तेज रफ्तार ईको ने ई-रिक्शा को टक्कर मार दी, जिससे ईको गाड़ी सड़क किनारे गड्ढे में जा गिरी। सूचना पर पहुंची डायल 112 और परौर पुलिस ने घायल को एम्बुलेंस से नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया। हादसे में ई-रिक्शा के परखच्चे उड़ गए, जबकि ईको गाड़ी भी क्षतिग्रस्त हो गई।

दो दुकानों से सामान उठा ले गए चोर

चोरी के बाद बिखरा पड़ा सामान। ● अमृत विचार

तिलहर, अमृत विचार: क्षेत्र के ग्राम डभौरा में अज्ञात चोरों ने जूते-चप्पल और कपड़ों की दो दुकानों को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये की चोरी की अंजाम दिया। चोरी की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जानकारी एकत्र की।

व्यापारी अहमद हुसैन ने बताया कि चोर उनकी दुकान की लोहे की चादर काटकर करीब 90 हजार रुपये के जूते, 40 हजार रुपये के बैग और 30 हजार रुपये के अंडरगारमेंट्स चोरी कर ले गए। वहीं दूसरी दुकान के व्यापारी किरण प्रजापति ने बताया कि उनकी दुकान से लगभग एक लाख रुपये के कपड़े और 2000 रुपये की नकदी चोर उठा ले गए।

तिलहर-निगोही संपर्क मार्ग की रेलवे क्रॉसिंग से करीब 150 मीटर आगे हुई इन वारदातों के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस पर रात में गश्त न करने के आरोप लगाए हैं। कोतवाल राकेश कुमार ने बताया कि अज्ञात चोर दो-तीन खोखा की चादर काटकर कुछ सामान ले गए हैं। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की जा रही है। तहरीर मिलने पर प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अंग्रेजी शराब की दुकान से 32 हजार रुपये चोरी

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- चोरों ने शटर के ताले तोड़े, चोर कैमरे में हो गया कैद

अमृत विचार: नए साल में सुभाषनगर के स्मार्ट रोड पर अंग्रेजी शराब की दुकान के शटर के ताले तोड़ कर चोर गल्ले में रखे में 32 हजार रुपये ले गए। शराब की दुकान में सीसीटीवी कैमरे में चोर कैद हो गया है। कैमरे में 22 मिनट का वीडियों है। पुलिस मौके पर गई और जांच की।

सदर बाजार थाना क्षेत्र के मोहल्ला सुभाषनगर कालोनी निवासी रजनीश सिंह के पिता ब्रजपाल सिंह के नाम सुभाषनगर के समार्ट रोड पर अंग्रेजी शराब की कंपोजिट दुकान है। गुरुवार रात 10 बजे वह दुकान में ताला लगाकर घर चले गए। चोरों ने शटर के ताले सरिया डालकर तोड़ दिए। चोर काउंटर की दराज में रखे 32 हजार रुपये ले गए और शटर कर गए। वह सुबह दुकान खोलने के लिए गए तो देखा कि शटर के ताले टूटे पड़े थे। उन्होंने देखा कि दुकान के काउंटर की दराज खुली थी और सामान बिखरा था। उन्होंने डायल 112 को सूचना दी। डायल 112 के सिपाहीं मौके पर पहुंचे और देखने के बाद सदर बाजार पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने दुकान पर जांच करने के बाद सीसीटीवी कैमरे चेक किए। कैमरे में एक युवक दिखायी दे रहा है, जो शटर के ताले तोड़ रहा और दुकान के अंदर रुपये निकालकर जेब में रख रहा है। इससे पहले गदियाना में प्रधानाचार्य के घर नकदी समेत लाखों का जेवर चोरी हुए थे। इस चोरी का भी खुलासा नहीं हुआ। प्रभारी निरीक्षक ने बताया तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

महिला बंदियों को गर्म कपड़े बांटे

शाहजहांपुर, अमृत विचार: जिला कारागार में संकल्प जनसेवा संस्थान पलेलगंज की ओर से महिला बंदियों को ठंड से राहत पहुंचाने के उद्देश्य से गर्म कपड़े बांटे गए। इसके अलावा साथ रहने वाले बच्चों को बिस्कुट और गर्म कपड़े वितरित किए गए। इस दौरान संस्थान की अध्यक्ष प्रीति गुप्ता, रम्मन गुप्ता, संगीता यादव, रिचा गुप्ता, पंकज टंडन, अजय मिश्रा, राजभूषण जौहरी और पूनम मिश्रा ने सहभागिता की। इस अवसर पर जेल अधीक्षक जेपी तिवारी, प्रभारी कारापाल अनिल कुमार विश्वकर्मा, उप-कारापाल और अन्य कार्मिक मौजूद रहे। जेल अधीक्षक ने समाजसेवियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि जरूरतमंदों की सेवा सच्ची मानवता का प्रतीक है और ऐसे कार्य समाज को सकारात्मक दिशा देते हैं।

जानकारी अपडेट करने में फेल हो रहा बीओबी का एप

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

> शायद कोई तकनीकी खामी होगी। अगर एप से डिटेल अपडेट नहीं हो पा रही तो ग्राहक होम ब्रांच जाकर जानकारी अपडेट करा सकते हैं।
>
> –**अंजू गुप्ता**, मैनेजर बैंक ऑफ बड़ौदा

अमृत विचार: बैंक ऑफ बड़ौदा का बीओबी वर्ल्ड एप इन दिनों ठीक से काम नहीं कर रहा है, जिससे ग्राहकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। एप के जरिए ग्राहक ईमेल आईडी अपडेट करने का प्रयास करते हैं, तो सिस्टम की ओर से एक पासकोड ईमेल पर भेजा जाता है, जिसे एप में दर्ज करने के लिए केवल एक मिनट का समय मिलता है। लेकिन यह पासकोड एक मिनट के भीतर ईमेल पर पहुंच ही नहीं रहा है, जिससे प्रक्रिया बार-बार असफल हो रही है।

ग्राहकों का कहना है कि डिजिटल बैंकिंग को बढ़ावा देने की बात तो की जा रही है, लेकिन हकीकत में एप की तकनीकी खामियां उनकी परेशानी बढ़ा रही हैं। कई लोगों ने बैंक ऑफ बड़ौदा की विकास भवन शाखा में इस समस्या को लेकर शिकायत की है, लेकिन अभी तक समाधान नहीं हो है। शहर के बैंक कर्मचारी होम ब्रांच में जाकर ही समस्या के समाधान की बात कहकर ग्राहकों को टाल रहे हैं। दूसरे जिले या कस्बे में रहने वाले ग्राहकों के लिए यह समस्या और भी गंभीर है, क्योंकि उनके लिए स्थानीय शाखा या होम ब्रांच में पहुंचना आसान नहीं है। दूसरी ओर विकास भवन शाखा पहुंचे विशाल, आनंद और अभिषेक ने बताया कि अगर एप से कोई कार्य नहीं हो सकता तो यह झुनझुना ग्राहकों के हाथों में थमाया ही क्यों गया है। ग्राहकों ने एप की खामियों को दूर करने की मांग की है।

युवक ने पेड़ पर गमछे से फंदा लगाकर दी जान

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: कस्बा कांट में मदनापुर रोड पर भट्ठे के निकट एक युवक ने पेड़ पर गमछे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। वह ईट भट्ठे पर मजदूरी करता था। वह पत्नी से कहकर निकला कि आटा लेकर आ रहे हैं।

मृतक अवनीश।

कांट थाना क्षेत्र के मोहल्ला गढ़ी पश्चिमी निवासी अवनीश कुमार (22) ईट भट्ठे पर मजदूरी करता था। गुरुवार शाम घर पर आया और पत्नी को 200 रुपये दिए और कहा कि आटा लेकर आ रहे है। वह खुद 300 रुपये लेकर चला गया। उसका शव शाम छह बजे मदनापुर रोड पर पेड़ से गमछे से लटका मिला। खबर मिलने पर परिवार वाले मौके पर पहुंच गए। परिवार वालों ने कांट थाने में सूचना दी। पुलिस ने शव को नीचे उतार लिया। मृतक के भाई अवधेश ने बताया कि उसके भाई अवनीश की किसी से रंजिश नहीं थी। उसने स्वयं फंदा लगाकर आत्महत्या की है। उसका पत्नी से कभी-कभी विवाद हो जाता था। अवनीश की दो साल पहले शादी रजनी से हुई थी। वह ईट भट्ठे पर मजदूरी करके परिवार का पालन पोषण करता था। उसका छह माह का बेटा दिव्यांशू है। मौत की खबर से परिवार में रोना पीटना मच गया। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि परिवार वालों ने रंजिश से इंकार किया और बताया कि उसने स्वयं फांसी लगाकर जान दी है।

नहाते समय फिसलकर गिरी वृद्धा की मौत

पुवायां, अमृत विचार: क्षेत्र के एक गांव में नहाने के दौरान फिसलकर गिरने से 65 वर्षीय वृद्धा की मौत हो गई। परिजनों के अनुसार गनेशी देवी घर में नहा रही थीं, तभी अचानक पैर फिसल गया और वह गिर पड़ीं। गंभीर चोट लगने के कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के समय मकान में कोई सदस्य नहीं था। मृतका के चार बेटे हैं, जिनमें से दो बेटे रोज़गार के सिलसिले में नेपाल में काम करने गए हुए थे, जबकि एक बेटा गोरखपुर में था। घर के पास दूसरे मकान में रहने वाला छोटा बेटा जितेंद्र (32) ही था, जानकारी होने पर परिजन महिला को शाहजहांपुर अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिवार के सदस्यों के बाहर होने के कारण अंतिम संस्कार में देरी हुई। सभी बेटों के पहुंचने के बाद 2 जनवरी को गनेशी देवी का अंतिम संस्कार किया गया।

वंदे भारत एक्सप्रेस व त्रिवेणी समेत कई ट्रेनों का समय बदला

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: रेल प्रशासन ने नई समय सारणी के अनुसार के वंदे भारत एक्सप्रेस, श्रमजीवी एक्सप्रेस, सियालदहा एक्सप्रेस, चंडीगढ़ एक्सप्रेस समेत डाउन व अप लाइन की 58 ट्रेनों के पुरानी समय सारणी के अनुसार समय बदला गया है। किसी ट्रेन का पांच मिनट, किसी का आठ मिनट बदला गया है। यात्रियों की वंदे भारत एक्सप्रेस समेत कई ट्रेनें छूट गयी है। इधर रेल प्रशासन ने पूछताछ कार्यालय और रिजर्वेशन काउंटर पर नई समय सारणी चस्पा कर दी है।

स्थानीय रेलवे स्टेशन डाउन व अप लाइन 58 ट्रेनों का स्टापेज है। रेल प्रशासन ने अधिकांश ट्रेनों के पुराने समय सारणी के अनुसार नई समय सारणी में समय बदल दिया है। डाउन और अप लाइन की जननायक एक्सप्रेस, सियालदहा एक्सप्रेस, राज्यरानी एक्सप्रेस, वंदेभारत एक्सप्रेस, जनता एक्सप्रेस, बेगमपुरा एक्सप्रेस, सद्भावना एक्सप्रेस, श्रमजीवी एक्सप्रेस, गुवाहाटी एक्सप्रेस, मुगलसराए एक्सप्रेस, त्रिवेणी एक्सप्रेस, पूरबिया एक्सप्रेस, राप्ती गंगा एक्सप्रेस, बाघ एक्सप्रेस, शहीद एक्सप्रेस, चंडीगढ़ एक्सप्रेस, नौचंदी एक्सप्रेस, नई दिल्ली-लखनऊ एक्सप्रेस, काठ गोदाम एक्सप्रेस, दून एक्सप्रेस आदि ट्रेनों के समय परिवर्तन किया गया है। इन ट्रेनों में तीन मिनट से दस मिनट का समय बदला गया है। जबकि मोबाइल के नेट पर पुराना समय दिखा रहा है। कई यात्रियों की डाउन लाइन की वंदे भारत एक्सप्रेस आदि ट्रेन छूट गई। यात्रियों ने पूछताछ कार्यालय पर शिकायत की है।

सड़कों पर मवेशियों से राहगीर परेशान

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : महानगर की सड़कों पर मवेशियों से राहगीर बेहद परेशान हैं। हर समय मोहल्ले और गलियों में कुत्तों और सांड के हमले का लोगों को डर सताता रहता है। इस संबंध में नगर निगम की ओर से दावे किए जाते हैं मगर हकीकत इससे बर-अक्स है।

महानगर में सड़कों पर से गुजरते हुए मोहल्लों और गलियों में राहगीरों का रास्ता रोक कर आवारा पशु खड़े रहते हैं। पूरी सड़क को ये मवेशी घेर लेते हैं। जिससे सड़क से गुजरने वाले वाहन चालक और पैदल चलने वसले राहगीर ठिठक कर रह जाते हैं। अगर उन रास्तों पर मंदिर या स्कूल है तो स्थिति काफी डरावनी हो जाती है।

महानगर के कई मोहल्लों में कुत्तों ने अपना आतंक मचा रखा है। जब भी कोई इनके पास से गुजरता है तो कुत्ते उन पर हमला कर जख्मी कर देते हैं। कुत्ते के हमले से कई लोग जख्मी होकर अपना इलाज करा रहे हैं। जलालनगर क्षेत्र में सड़क पर राहगीर इन मवेशियों से परेशान हैं। कभी उन पर सांड तो कभी उन पर कुत्ते हमला कर देते हैं। जलालनगर में एक वृद्ध को सांड ने जमीन पर पटक कर मार डाला था। इस घटना से लोग आज भी सहमे हुए हैं।

मंदिर जाने वाली महिलाएं भी परेशान : क्षेत्र के कई कूड़ा डालने वाली गाड़ियां हैं मगर लोग कूड़ा सड़क पर डाल देते हैं। जिस कारण गाय व अन्य जानवर कूड़े में भोजन आदि के लिए कूड़ा कड़कट सड़क पर फैला देते हैं। इन्हीं कूड़े के ढेरों पर गाय व अन्य मवेशी विचरण करते रहते हैं। क्षेत्र के राम नरेश ने बताया कि मोहल्ले में सांड व कुत्तों के कारण हम लोग भयभीत रहते हैं। उन्होंने नगर निगम के अधिकारियों से आवारा जानवरों से बचाने और समस्या के समाधान की मांग की है। इन जानवरों के कारण मंदिर जाने वाली महिलाएं भी परेशान और डरी रहती हैं।

महानगर की सड़कों पर रास्ते में खड़े सांड व कुत्ते। ● अमृत विचार

स्कूल जाने वाले रास्तों पर खड़े रहते हैं मवेशी

जलालनगर में स्कूल जाने वाले रास्तों पर अधिकांश मवेशी खड़े रहते हैं। स्कूल के आसपास रहने वाले छोटे बच्चों को स्कूल जाने में डर लगता है। इस बारे में स्कूल प्रबंधक कई बार नगर निगम को अवगत करा चुके हैं। मगर समस्या का कोई समाधान नहीं हुआ है। सबसे ज्यादा खतरा कुत्तों से रहता है।

बरेली न्यूरो एण्ड स्पाईन सुपर स्पेशलिटी सेंटर

डा. मोहित गुप्ता

M.Ch., Neurosurgery (AIIMS)
Senior Consultant Neurosurgeon
मस्तिष्क, रीढ़ एवं नस रोग विशेषज्ञ
Reg. No. UPMCI 65389
समय - प्रातः 10 से 12:30 बजे तक
एवं सायं 6 से 8:30 बजे तक

सुविधायें

ब्रेन हैमरेज | स्लिप डिस्क
ब्रेन ट्यूमर | मिर्गी का दौरा
गर्दन दर्द (सर्वाइकल)
रीढ़ की चोट, टी.बी
सिर दर्द, माइग्रेन
कमर दर्द, कंधों में दर्द
पीठ दर्द, रीढ़ की गांठ
सिर की चोट (हेड इंजरी)
हाथ पैरों में झनझनाहट
फालिज (लकवा)
नसों का दर्द
सियाटिका (कमर में पैरों का दर्द)
दिमागी में पानी व खून जमना
दिमाग, रीढ़ एवं नस सम्बन्धित सभी बीमारियों का इलाज एवं ऑपरेशन

Bareilly Neuro and Spine Super Speciality Centre
Google Maps Location
सी-427, डिवाइन अस्पताल के सामने, के.के. अस्पताल रोड, राजेन्द्र नगर, बरेली
7417389433, 7017678157
9897287601, 8191879754

निजी अस्पताल में ऑपरेशन के बाद महिला की मौत, हंगामा

गलत ऑपरेशन का आरोप, जबरन सरकारी अस्पताल कर दिया था रेफर

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : कांट क्षेत्र की एक गर्भवती महिला की प्राइवेट अस्पताल में ऑपरेशन के बाद हालत बिगड़ गई। कुछ ही देर बाद महिला की मौत हो गई। परिजनों ने प्राइवेट अस्पताल के डॉक्टर और स्टाफ गलत ऑपरेशन करने का आरोप लगाया, बताया महिला की हालत जब अधिक गंभीर हो गई तो राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। इस दौरान परिवार वालों ने प्राइवेट अस्पताल के डॉक्टर के खिलाफ हंगामा किया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर परिजनों को शांत कराया।

कांट थाना क्षेत्र के गांव टाडा पर्वतपुर निवासी 32 वर्षीय लक्ष्मी देवी को प्रसव पीड़ा होने पर 29 दिसंबर को परिवार वालों ने कांट सीएचसी पर भर्ती कराया था। डॉक्टर ने मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया था। इसी बीच आशा ने एक प्राइवेट अस्पताल को सूचना दी। प्राइवेट अस्पताल के डाक्टर ने अपनी कार सीएचसी भेजकर निजी अस्पताल में बुलवा लिया। 30 दिसंबर को डॉक्टर ने ऑपरेशन और ब्लड चढ़वाने के लिए पैसे लिए। डॉक्टर ने पैसे लेने के बाद महिला का ऑपरेशन कर दिया और महिला ने बेटी को जन्म दिया। महिला की आप्रेशन के बाद तबीयत बिगड़ गई। डॉक्टर ने महिला को जबरन मेडिकल कॉलेज के ले जाने की सलाह दी। आरोप है कि डॉक्टर ने अपनी गाड़ी से महिला को मेडिकल कॉलेज भिजवा दिया। महिला को मेडिकल कॉलेज में खून चढ़ाया गया। महिला का इलाज चल रहा था, इस बीच शुक्रवार सुबह उसकी मौत हो गई। इस दौरान परिवार वालों ने कांट के प्राइवेट अस्पताल के खिलाफ हंगामा किया। अस्पताल पुलिस चौकी ने कार्रवाई का आश्वासन देकर शांत कराया। इधर कांट पुलिस मेडिकल कालेज पहुंची। पुलिस ने महिला शव का पंचनामा भरके पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी और पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत का कारण स्पष्ट होगा।

मेडिकल कॉलेज के बाहर मृतका के परिजन। ● अमृत विचार

● डॉक्टर पर इलाज में लापरवाही का आरोप

आरोप प्राइवेट डॉक्टर ने खून नहीं चढ़ाया

किशनपाल ने बताया कि उसकी पत्नी लक्ष्मी को एक आशा सीएचसी कांट से कांट में स्थित प्राइवेट अस्पताल ले गयी। उसने मेडिकल कॉलेज ले जाने से मना कर दिया था। आरोप है कि डॉक्टर ने ऑपरेशन के नाम पर 40 हजार रुपये और ब्लड चढ़वाने के नाम साढ़े आठ हजार रुपये ले लिए थे। आरोप है कि बिना खून चढ़ाए ऑपरेशन कर दिया। महिला की हालत अधिक खराब हो गयी तो अपनी कार से मेडिकल कालेज भिजवा दिया। आरोप है कि डॉक्टर की लापरवाही से मौत हुई है।

वरुण-अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखंड अस्पताल ने लगाया स्वास्थ्य मेला

दरगाह परिसर में लगे स्वास्थ्य मेले में मरीजों की जांच करती टीम।

● शिविर में 385 मरीजों ने पंजीकरण कराया, 15 मरीजों में मोतियाबिंद पाया गया

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : वरुण -अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखंड अस्पताल बंथरा की ओर से शुक्रवार को तिलहर में शाह शम्सुद्दीन मियां के सालाना उर्स पर दरगाह परिसर में मुफ़्त स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया।

मेले का आरंभ दरगाह के सज्जादानशीन इकबाल हुसैन उर्फ फूल मियां ने फीता काटकर किया। शिविर में 385 मरीजों ने पंजीकरण कराया। जिनमें 15 मरीजों में मोतियाबिंद पाया गया। जिनका ऑपरेशन वरुण -अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखंड अस्पताल, बंथरा में किया जाएगा। शिविर में 167 मरीजों की निःशुल्क ब्लड शुगर की जांच की गई। लगभग 249 मरीजों की ब्लड प्रेशर एवं 39 मरीजों की निःशुल्क दिल की जांच (ईसीजी) निशुल्क की गई। सभी मरीजों को निःशुल्क दवाइयों का वितरण भी किया गया। एमआरआई व सीटी स्कैन एवं अन्य जांचों के डिस्काउंट कूपन भी वितरित किए गए। निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखंड अस्पताल बंथरा शाहजहांपुर के सामान्य रोग विभाग, नेत्र रोग विभाग, हड्डी रोग विभाग, नाक कान एवम् गला रोग एवं चर्म रोग विभाग के डॉक्टर डॉ. राजेश वर्मा, डॉ.अभिषेक, डॉ. ओमकार, डॉ. स्तुति, डॉ निकिता एवं मेडिकल कॉलेज के पीआरओ रईसुद्दीन व अतुल गंगवार पैरामेडिकल स्टाफ आदि मौजूद रहे।

तीन तमंचे के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

बरेली, अमृत विचार : इज्जतनगर पुलिस ने दो आरोपियों को तीन तमंचे और चार कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। दोनों शाहजहांपुर से जिले में सप्लाई करने के लिए आए थे। इज्जतनगर थाना प्रभारी बिजेंद्र सिंह ने बताया कि पुलिस टीम रोजाना की तरह गश्त कर रही थी कि विलयधाम पुल के नीचे शाहजहांपुर जाने वाले सर्विस रोड पर दोनों की शक के आधार पर तलाशी ली गई तो उनके पास से तीन तमंचे बरामद हुए। जिसके बाद दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान ग्राम सहतेपुर थाना निगोही शाहजहांपुर निवासी राम प्रताप और गुड्डू के रूप हुई है।

बिहार से लौटे कलाकारों को किया सम्मानित

● गगनिका सांस्कृतिक समिति के नाटक 'हमारे बापू' का बिहार में हुआ आयोजन

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

गगनिका सांस्कृतिक समिति के नाटक 'हमारे बापू' के कलाकारों की टीम पुरस्कारों के साथ। ● अमृत विचार

अमृत विचार : डेहरी ऑन सोन/ डालमियांनगर (बिहार) में अभिनव कला संगम द्वारा आयोजित 34वीं बहुभाषीय अखिल भारतीय नाट्य प्रतियोगिता में शाहजहांपुर के रंगकर्मियों के लिए उपलब्धियों से भरी साबित हुई। देश के विभिन्न राज्यों से आई 28 सशक्त नाट्य प्रस्तुतियों के बीच गगनिका सांस्कृतिक समिति ने अपने हुनर, अनुशासन और रचनात्मक ऊर्जा से एक स्वर्णिम उपलब्धि दर्ज की।

राजेश कुमार की संवेदनशील लेखनी तथा कप्तान सिंह 'कर्णधार' के सधे, संतुलित और प्रभावशाली निर्देशन में मंचित नाटक ''हमारे बापू'' को जूरी ने सर्वश्रेष्ठ द्वितीय नाटक के पुरस्कार से सम्मानित किया।

मो. फाजिल खान को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता, कप्तान कर्णधार को श्रेष्ठ चरित्र अभिनेता का सम्मान मिला। धृतिका कर्णधार को श्रेष्ठ बाल कलाकार व अभ्युदय कर्णधार को भी उत्कृष्ट अभिनय के लिए डेहरी विधायक राजीव रंजन सिंह उर्फ सोनू सिंह ने विशेष रूप से मेडल पहनाकर सम्मानित किया। प्रतियोगिता के समापन के बाद डेहरी ऑन सोन में आयोजित भव्य रंगयात्रा ने इस नाट्य उत्सव को जन-जन तक पहुंचाया।

प्रतियोगिता में विजयी होकर लौटी टीम के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नवनीत त्रिपाठी, डॉ. आनंद प्रकाश मिश्रा, प्रदीप त्रिपाठी एवं रामकुमार ने कलाकारों को सर्टिफिकेट और ट्रॉफी प्रदान कर गगनिका सांस्कृतिक समिति को सफलता पर बधाई दी। नाटक 'हमारे बापू' के कलाकारों में शशि भूषण जौहरी, रीता जौहरी, मो. फाजिल खान, कप्तान सिंह, सुलोचना कार्की, दुष्यंत श्रीवास्तव, अनुराग शर्मा, संजीव राठौर, फैजान अहमद, धृतिका कर्णधार, अभ्युदय कर्णधार, चित्राली कर्णधार, राज भूषण जौहरी, निशा जौहरी, नितिन, सुनील बाबू आदि थे।

Lifelines MEDICAL OF BAREILLY
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005

बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ

● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें :-
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा।
TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आंख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी स्कैन द्वारा पर्दे की जांच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जांच व उपचार
8077344353
समय : प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री आपरेशन की सुविधा
100000 से अधिक आंखों के आपरेशन का अनुभव

डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT REFRATIVE & GLAUCOMA SURGERON
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : ■ घबराहट ■ छाती में दर्द या भारीपन ■ सांस फूलना ■ पैरों में सूजन ■ हाई ब्लडप्रेशर ■ हाई कोलेस्ट्रोल ■ डाइबिटीज (शुगर) ■ सीने या पेट में जलन या दर्द ■ हार्ट अटैक ■ हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE DR. NITIN AGARWAL'S HEART CLINIC
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ
डा. दीक्षा गंगवार
एम.बी.बी.एस., डी.जी.ओ. (गोल्ड मेडलिस्ट)
(के.जी.एम.यू. लखनऊ)
निःशुल्क परामर्श हेतु संपर्क करें
+91 78952 78992
समय : प्रातः 9 से 10 बजे तक, सायं 4 से 5 बजे तक

पता : स्व. केसर सिंह गंगवार कार्यालय, अशर्फी बैंकट हाल, 100 फुटा रोड, बरेली

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSL) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाईन 9837549348, 9897838286

सप्तशक्ति संगम कार्यक्रम का किया आयोजन

जलालाबाद, अमृत विचार: नगर स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में शुक्रवार को सप्तशक्ति संगम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्राथमिक विद्यालय बझेड़ा की प्रधानाध्यापिका सीता त्रिवेदी रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता बेसिक शिक्षा विभाग की अध्यापिका माधुरी सिंह ने की, जबकि वक्ता के रूप में सुनैना गुप्ता मौजूद रहीं। सभी अतिथियों ने मां शारदे के समक्ष दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की अध्यापिका रूबी ने किया। मुख्य अतिथि सीता त्रिवेदी ने कुटुंब प्रबोधन एवं पर्यावरण विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए उपस्थित माताओं और बहनों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने परिवारिक संस्कारों और पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम में कुल 257 महिलाओं की उपस्थिति रही। इस दौरान विद्यालय की अध्यापिका बबली ने प्रश्नोत्तरी के माध्यम से माताओं और बहनों से सहभागिता कराई। नगर की मातृशक्ति ने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य सतीश दीक्षित ने सभी अतिथियों को उपहार देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में रूबी, पूनम, ज्योति, अंशिका, पल्लवी, आरती, तान्या, पूजा, बबली, सपना, पारुल, रेनू, प्रियंका सहित अन्य माताएं और बहनें उपस्थित रहीं।

जेसीआई ने लोगों को चाय बिस्किट और गर्म कपड़े बांटे

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

● जेसीआई ने दिया सुभाष टावर पर स्वच्छता का संदेश

अमृत विचार: जेसीआई शाहजहांपुर ने नए साल का आरंभ संस्था की पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ चाय और बिस्किट बांटकर किया। इसके साथ ही इस वर्ष पड़ रही कड़ाके की ठंड को देखते हुए संस्था के नए अध्यक्ष नवनीश कटियार के निर्देशानुसार पुराने और गर्म कपड़ों का भी वितरण किया गया।

संस्था के सदस्य नितेश गुप्ता ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी नए साल की शुरुआत भीषण ठंड के दौरान जरूरतमंदों को चाय पिलाकर की गई। नए साल के मौके पर संस्था ने समाज सेवा की भावना को आगे बढ़ाते हुए जरूरतमंदों की मदद की। सेवा कार्यक्रम के तहत शाहजहांपुर के सुभाष टावर पर स्वच्छता का संदेश देते हुए चाय और बिस्किट वितरित किए गए। इस दौरान संस्था के सदस्यों ने लोगों से साफ-सफाई बनाए रखने और समाज के कमजोर वर्गों की सहायता के लिए आगे आने की अपील भी की। इस अवसर पर आईपीपी कामेश वर्मा, अध्यक्ष नवनीश कटियार, सचिव सचिन अग्रवाल, संयुक्त सचिव अमित वर्मा, कोषाध्यक्ष अमन मलिक, कार्यक्रम निर्देशक अभिनव ओमर, अंकित गुप्ता, सचिन बाथम, अमित शर्मा, भुवन बंसल, मयंक गर्ग, अभिषेक जयसवाल सहित अन्य ने सहयोग किया।

अस्मित बने एबीवीपी के प्रांत कार्यकारिणी सदस्य

खुटार, अमृत विचार: अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की ओर से जिला बदायूं में 66वां प्रांत अधिवेशन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक और प्रांत अध्यक्ष सौरभ सेंगर समेत कई पदाधिकारी पहुंचे। जहां खुटार के गांव सलनहा निवासी अनिल कुमार पटेल के बेटे अस्मित पटेल को प्रांत कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया है। अस्मित पटेल ने बताया कि वह कस्बा पुवायां में राणा पब्लिक स्कूल में कक्षा 11 का छात्र है। 28 से 30 दिसंबर तक बदायूं जिले में एबीवीपी प्रांत अधिवेशन का आयोजन किया गया था। जिसमें उनका नाम प्रांत कार्यकारिणी सदस्य में शामिल किया गया है। जबकि अन्य छात्राओं को भी जिम्मेदारी दी गई है।

अस्मित पटेल।

नव वर्ष पर किया हवन में दी गईं आहुतियां

नव वर्ष 2026 के अवसर पर आयोजित हवन यज्ञ में सहभागिता करते लोग।

संवाददाता, कांट

अमृत विचार: नव वर्ष 2026 की शुरुआत पर मन, तन और वातावरण की शुद्धि तथा जनमानस के हित की कामना के साथ नगर में हवन यज्ञ का आयोजन किया गया। यज्ञ के माध्यम से नए संकल्पों, सकारात्मक ऊर्जा और सुख-समृद्धि के साथ नववर्ष के स्वागत की भावना व्यक्त की गई तथा ईश्वरीय आशीर्वाद की कामना की गई। हवन यज्ञ में अंकित वर्मा पार्षद प्रत्याशी भाजपा, शुभ प्रताप राठौर, सोनू यादव, शोभित राठौर, अभिषेक राठौर, सचिन सोनी, नीरज वर्मा, राममूर्ति वर्मा, अतुल, कार्तिक, सक्षम, सूरज यादव, शोभित यादव, अमित महाजन और कमल सहित अन्य लोगों का योगदान रहा। धार्मिक अनुष्ठान पंडित राज शुक्ला द्वारा संपन्न कराया गया।

बैठक में मान्यता प्रक्रिया पर हुई चर्चा

शाहजहांपुर, अमृत विचार: जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में गन्ना किसान डिग्री कॉलेज पुवायां की प्रबंधन समिति की बैठक कलेक्ट्रेट स्थित वीसी कक्ष में आयोजित की गई।

बैठक में प्रस्तावित बीएससी एग्रीकल्चर की कक्षाओं के संचालन के लिए मान्यता प्रक्रिया, भवन निर्माण की प्रगति तथा कॉलेज में प्राचार्य और प्रवक्ताओं की भर्ती प्रक्रिया की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में जिला विद्यालय निरीक्षक ने अवगत कराया कि प्राचार्य और प्रवक्ताओं की भर्ती प्रक्रिया प्रगति पर है। जिलाधिकारी ने कॉलेज से संबंधित कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूर्ण कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिए कि कॉलेज की भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराकर कृषि कार्य के लिए लॉन्ग टर्म पर दिया जाए, जिससे भूमि का समुचित उपयोग सुनिश्चित हो सके।

न्यूज ब्रीफ

संगीत कला केंद्र पर हुआ सुंदरकांड, किया भजन कीर्तन

बदायूं, अमृत विचार : कस्बा वजीरगंज स्थित संगीत कला केंद्र पर नए साल के उपलक्ष्य में सुंदरकांड का आयोजन किया गया। साथ ही भजन कीर्तन किया गया। जिसमें भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे। सुंदरकांड के उपरांत प्रसाद का वितरण किया। संगीत कला केंद्र पर बच्चों ने सुंदर ढंग से संगीत के माध्यम से सुंदरकांड का पाठ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मंडल अध्यक्ष भाजपा राघव सिंह चौहान, जिला पंचायत सदस्य जयपाल सिंह दिवाकर सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। उन्होंने बच्चों के द्वारा प्रस्तुत किए गए कार्यक्रम की सराहना की। इस मौके पर समाजसेवी दीपेश वार्ष्णेय, रोहित वंशीधर, रजनी सिंह बागी सहित अन्य लोग भी उपस्थित रहे।

चोरी की योजना बनाते चार लोग गिरफ्तार

बदायूं, अमृत विचार : कादरचौक पुलिस ने एक युवक को तमंचा, दो कारतूस और तीन चाकू के साथ चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। शुक्रवार को पुलिस ने गांव राजीव नगर स्थित पानी की टंकी के पास से अलापुर थाना क्षेत्र के नगर ककराला के घास बाजार निवासी अफजाल पुत्र सिदाकतुल्ला उर्फ अच्छन, गांव धनूपुरा के मुकेश पुत्र गनपत, शंकर पुत्र बाबूरा, विजय प्रताप पुत्र गोपी को पकड़ा। वह लोग चोरी की योजना बना रहे थे। चारों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके जेल भेजा गया है। अफजाल पर पहले भी चोरी, मुकेश पर बिहार में चोरी, शंकर पर चोरी समेत तीन और विजय प्रताप पर आबकारी अधिनियम, चोरी, आर्म्स एक्ट, एनडीपीएस एक्ट, गुंडा एक्ट, दुष्कर्म समेत 10 मामले दर्ज हैं। थानाध्यक्ष विक्रम सिंह ने बताया कि चोरी की योजना बनाते चार लोगों को पकड़कर जेल भेजा गया है।

जिला अस्पताल में जलाया अलाव

बदायूं, अमृत विचार : ठंड का प्रकोप झेल रहे जिला अस्पताल में लोगों को अलाव का सहारा लेना पड़ रहा है। सुबह से शाम तक अलाव जलाया जा रहा है। जहां पर अस्पताल कर्मचारी और अन्य लोग अलाव से हाथ सेंक रहे हैं। पिछले काफी दिनों से भारी गलन हो रही है। जिससे आम जनमानस परेशान हैं। नगर पालिका प्रशासन द्वारा शहर में कुछ स्थानों पर अलाव जलाए जा रहे हैं। जिला अस्पताल में भी पालिका प्रशासन की ओर से प्रतिदिन अलाव के लिए लकड़ी डाली जा रही है। अलाव जला कर मरीज और उनके तीमारदार तथा कर्मचारियों को राहत दी जा रही है।

जिले के किसान बनेंगे उद्यमी स्थापित करेंगे ऑयल यूनिट

यूनिट स्थापना करने पर मिलेगा 9.90 लाख तक का अनुदान

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : परंपरागत खेती के साथ किसान अब उद्यमी बन सकेंगे। उद्योग स्थापित करने के लिए प्रदेश सरकार किसानों को प्रोत्साहित कर रही है। एफपीओ से जुड़े किसान उद्यमी भी बन सकते हैं। वह अपनी ऑयल फैक्ट्री (ऑयल एक्सट्रैक्शन यूनिट) लगाकर न केवल अपनी आमदनी बढ़ा सकेंगे, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार भी देने में सक्षम होगी। ऑयल यूनिट स्थापित करने वाले किसानों को प्रदेश सरकार 9.90 लाख रुपये का अनुदान देगी। कृषि विभाग द्वारा इच्छुक किसानों से ऑनलाइन आवेदन मांगे गए हैं। यह आवेदन 9 जनवरी तक हो सकेंगे।

उप कृषि निदेशक ने बताया कि ऑयल एक्सट्रैक्शन यूनिट योजना नेशनल मिशन ऑन एडिबल

● कृषि विभाग ने इच्छुक किसानों से 9 जनवरी तक मांगे आवेदन

ऑयल के तहत प्रदेश सरकार द्वारा संचालित हैं। योजना के तहत एफपीओ और सहकारी समितियों के जरिए किसान अपनी भूमि पर 10 टन क्षमता वाला ऑयल प्लांट स्थापित कर सकते हैं। यूनिट स्थापित करने के लिए प्रदेश सरकार कृषि विभाग के माध्यम से किसानों को अनुदान देगी।

उप कृषि निदेशक ने बताया कि अगर कोई किसान एक यूनिट की स्थापना करता है तो प्रोजेक्ट लागत का 33 प्रतिशत या अधिकतम 9 लाख 90 हजार रुपये तक का अनुदान दिया जाएगा। बताया कि वर्ष 2025-26 के तहत कृषि विभाग के पोर्टल, वेबसाइट पर किसान अपना पंजीकरण करा सकते हैं।

ई-लॉटरी के माध्यम से किया जाएगा चयन

उप कृषि निदेशक मनोज कुमार ने बताया कि ऑयल एक्सट्रैक्शन यूनिट स्थापित करने के लिए एफपीओ से जुड़े इच्छुक किसान विभाग के पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उप कृषि निदेशक ने बताया कि यदि निर्धारित लक्ष्य से अधिक आवेदन प्राप्त होते हैं, तो जनपद स्तरीय गठित समिति के समक्ष ऑनलाइन ई-लॉटरी के माध्यम से लाभार्थियों का चयन किया जाएगा।

छुट्टा गोवंश ले जाने पर हंगामा और मारपीट

विजय नगला, अमृत विचार : कुछ लोगों को छुट्टा गोवंश लेकर जाते देखने पर ग्रामीणों ने शोर मचाते हुए हंगामा किया। शिकायत मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। गोवंश ले जा रहे लोगों को पकड़कर थाने ले गई। जहां पूछताछ करने के बाद उन्हें छोड़ दिया गया।

गंगा एक्सप्रेस वे पर थाना बिनावर क्षेत्र में आधा दर्जन लोग छुट्टा गोवंश लेकर गांव ब्यौर की ओर जा रहे थे। ग्रामीण उनके सामने आ गए। गोवंश लेकर जाने का विरोध किया। दोनों पक्ष में मारपीट शुरू हो गई। किसी ने पुलिस को सूचना दे दी। पुलिस मौके पर पहुंचे। आधा दर्जन लोगों को पकड़कर थाने ले गई। पूछताछ में उन्होंने बताया कि वह लोग मूसाझाग थाना क्षेत्र के गांव बजर मैरी निवासी हैं। छुट्टा गोवंश खेत में खड़ी फसल बर्बाद कर रहे हैं। जिसके चलते वह लोग गोवंश लेकर ब्यौर की गौशाला जा रहे थे। थाना प्रभारी राजेंद्र सिंह ने बताया कि अपनी फसलों को बचाव के लिए कुछ किसान छुट्टा गोवंश पकड़कर गोशाला ला रहे। उन्हें थाने लाकर पूछताछ की गई। जहां से उन्हें छोड़ दिया गया है।

शादी के बाद राशन कार्ड में नाम के लिए नहीं करनी होगी भागदौड़

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : शादी के बाद बेटी का नाम राशन कार्ड से कटवाने की आवश्यकता नहीं होगी। न ही इसके लिए भागदौड़ करनी होगी। राशन कार्ड में दर्ज यूनिट ऑनलाइन उसके ससुराल वाले राशन कार्ड में ट्रांसफर की जा सकेगी। इसके लिए ऑफ लाइन आवेदन जिला पूर्ति कार्यालय और तहसील के आपूर्ति कार्यालय में जमा किया जा सकेगा। पूर्ति निरीक्षक द्वारा लॉगिन करने पर यूनिट ससुराल वाले राशन कार्ड में स्वतः ही जुड़ जाएगा। नई व्यवस्था के तहत अब तक 12 नवविवाहिता बहुओं के नाम ससुराल वाले कार्ड से जोड़े जा चुके हैं।

शासन ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 के तहत आच्छादित युवतियों व बेटियों का विवाह हो जाने की स्थिति नाम कटने की समस्या को प्राथमिकता के आधार पर लिया है। अब ससुराल के राशन कार्ड

● पूर्ति निरीक्षक के लॉगिंग करते ही ससुराल के राशन कार्ड में जुड़ जाएगा नाम

यूनिट ट्रांसफर करने के लिए शासन की ओर से नई व्यवस्था शुरू की गई है। विभाग की वेबसाइट के पब्लिक डोमेन में यूनिट ट्रांसफर करने के उपलब्ध विकल्प दिए गए हैं। इनका उपयोग कर नाम ट्रांसफर किया जा सकता है। हाल के दिनों में करीब 12 के नाम दूसरी जगह ट्रांसफर किए गए हैं।
– सतीश चंद्र मिश्रा, जिला पूर्ति अधिकारी

में उनका यूनिट स्थानांतरित करने के लिए विभागीय वेबसाइट के पब्लिक डोमेन में ट्रांसफर का विकल्प उपलब्ध करा दिया गया है। जिले के समस्त राशन कार्डधारक अपने परिवार के राशन कार्ड में अंकित बेटी का विवाह होने पर बेटी का नाम व यूनिट ससुराल में बने कार्ड में सम्मिलित करा सकेंगे। नई व्यवस्था शुरू होने से पूर्व तक बेटी की शादी के बाद राशन कार्ड में दर्ज नाम ट्रांसफर किए जाने का नियम नहीं। ट्रांसफर प्रक्रिया न होने की वजह से परिजन को राशन डीलर या फिर पूर्ति कार्यालय में जानकारी देने के बाद नाम राशन कार्ड से काटा जाता था। उसके बाद ससुराल में नाम दर्ज कराने के लिए उसी प्रक्रिया से गुजरना पड़ता था। जब कहीं जाकर ससुराल के राशन कार्ड में नाम दर्ज होता था। लेकिन अब परिजनों को इतनी भागदौड़ करने की आवश्यकता नहीं हैं। बेटी की शादी होने के बाद उसका नाम राशन कार्ड से हटवाने और ससुराल में ट्रांसफर कराने के लिए पूर्ति विभाग की वेबसाइट के पब्लिक डोमेन में यूनिट ट्रांसफर करने के उपलब्ध विकल्प का प्रयोग कर सकते हैं।

इससे ऑनलाइन यूनिट ट्रांसफर हो जाएगी। इसके साथ ही विवाहिता यूनिट के ट्रांसफर के लिए ऑफलाइन आवेदन पत्र जिला पूर्ति कार्यालय एवं समस्त तहसीलों में स्थित आपूर्ति कार्यालय में भी जमा किया जा सकता है।

6 मार्च को होगा निर्वाचक नामावलियों का अंतिम प्रकाशन

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : जिला निर्वाचन अधिकारी अवनीश राय ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय कक्ष में विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण एवं खण्ड शिक्षक निर्वाचक नामावलियों की तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान डीएम ने अधिकारियों को निर्वाचन कार्यों को निष्पक्ष पारदर्शी से पूर्ण कराने के आदेश दिए।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि 0 जनवरी को 18 वर्ष पूर्ण कर चुके युवाओं का मतदाताओं का नाम सूची से जोड़ा जाए। कहा कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम अन्तर्गत निर्वाचक नामावली का आलेख्य प्रकाशन छह जनवरी को किया जाएगा। दावे एवं आपत्तियां 6 फरवरी तक दाखिल किए जा सकेंगे। प्राप्त दावे और आपत्तियों का निस्तारण 27 फरवरी तक होगा।

अधिकारियों को निर्देश देते डीएम।

● डीएम ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ की बैठक

इसके बाद निर्वाचक नामावली का अंतिम प्रकाशन 6 मार्च को किया जाएगा। डीएम ने बैठक में उपस्थित राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को खण्ड शिक्षक निर्वाचन नामावलियों का कार्यक्रम के बारें में जानकारी देते हुए बताया कि निर्वाचक नामावलियों का अंतिम प्रकाशन छह जनवरी को होगा। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व वैभव शर्मा सहित अन्य सम्बंधित अधिकारी व राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

ठंड कर रही बीमार, बढ़ रही मरीजों की संख्या

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

● जिला अस्पताल में 24 घंटे में 18 श्वास रोगियों को किया भर्ती

● 488 मरीजों में 200 से अधिक बुखार और खांसी के मिले

अमृत विचार : कड़ाके की ठंड ने बुखार के मरीजों की संख्या बढ़ा दी है। साथ ही श्वास रोगियों को गंभीर खतरा पैदा हो गया है। 24 घंटे में 18 श्वास रोगियों को भर्ती कराया गया है। पिछले एक महीने में 25 प्रतिशत मरीजों की संख्या बढ़ी है। चिकित्सकों ने श्वास रोगियों को ठंड में घर से बाहर न निकलने की सलाह दी है। साथ ही गर्म पानी लेने और गर्म कपड़े पहनने की हिदायत दी है।

पिछले कई दिनों से ठंड का प्रकोप दिनों दिन बढ़ता जा रहा है जिससे सर्दी और बुखार के मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है। जिला अस्पताल में शुक्रवार को करीब 488 मरीजों ने पर्चे बनवाए। जिसमें से 200 से अधिक मरीज बुखार और खांसी के थे, जबकि 87 मरीज श्वास रोगी देखे गए। अन्य मरीजों में दाद खाज और कमजोरी के थे। फिजिशियन डॉ. शिव मोहन कमल ने बताया कि ठंड का मौसम श्वास के मरीजों को भारी नुकसान पहुंचा रहा है। बताया कि आज 87 मरीज श्वास के देखे गए इनमें से 11 मरीजों की हालत बेहद नाजुक थी इसलिए उनको भर्ती कराना पड़ा। बताया कि ठंड में कोल्ड एलर्जी होती है। ठंड में श्वास नली ठीक से काम नहीं करती है इसलिए उन्हें श्वास लेने में भारी परेशानी होती है। ऐसे मरीजों को सलाह देते हुए उन्होंने कहा कि

श्वास के मरीजों को इस समय बेहद सावधानी वरतनी चाहिए। उन्हें गर्म पानी पीना चाहिए। गर्म कपड़े और गर्म खाना ही खाना चाहिए। यदि जरूरी न हो तो घर से बाहर न निकलें। यदि समस्या है तो डॉक्टर को तुरंत दिखाएं। स्थिति गंभीर होने पर भर्ती भी हो सकते हैं जिससे चिकित्सकों के समक्ष उनकी देख रख की जा सके। उन्होंने बताया कि ठंड से सर्दी खांसी से परेशानी होती है। समय पर दवा न लेने पर बुखार भी आता है जिसके बाद समस्या और बढ़ जाती है। ठंड के मौसम में अधिकांश मरीज बुखार और श्वास के होते हैं। इस समय वैसे अन्य मरीजों की संख्या कम है। श्वास के मरीजों की संख्या को देखते हुए दो जिला अस्पताल प्रशासन ने दो वार्ड तैयार कराए गए हैं जिसमें केबल श्वास के मरीज ही भर्ती किए जा रहे हैं। ठंड के मौसम को देखते हुए दोनों वार्ड में हीटर लगाए गए हैं। जिससे श्वास के मरीजों को ठंड से राहत मिल सके। अस्पताल प्रशासन की ओर से दोनों वार्ड में 24 बेड तैयार कराए गए हैं।

श्वास के मरीजों को देखते डॉ. एसएम कमल। ● अमृत विचार

एक्स-रे रिपोर्ट में श्वास नली में सिकुड़न मिली

श्वास के मरीजों का एक्सरे कराया जा रहा है जिसकी रिपोर्ट देने के बाद ही दवा दी जा रही है। शुक्रवार को पांच मरीजों का एक्सरे कराया गया जिसमें श्वास नली में सिकुड़न होने का पता चला इन सभी मरीजों को भर्ती किया गया है। सर्द मौसम में श्वास के मरीज को बिना देखे दवा नहीं दी जाती है। इस बीमारी में गलत दवा जल्द नुकसान पहुंचाती है इसलिए श्वास के मरीज डॉक्टर की सलाह पर ही दवा लें।

प्रॉपर्टी के विवाद में जान का खतरा बताकर दी तहरीर

उझानी, अमृत विचार : नगर उझानी के गद्दी टोला की कृष्णा कॉलोनी निवासी प्रॉपर्टी डीलर नवल किशोर ने दो प्रॉपर्टी डीलर समेत तीन लोगों से जान का खतरा बताते हुए पुलिस को तहरीर दी और जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत की। बताया कि उन्होंने कुछ समय पहले तक दो प्रॉपर्टी डीलर के साथ साझे में प्रॉपर्टी का काम शुरू किया था। लेनदेन को लेकर उन्होंने अपना अलग काम शुरू किया था। नगर के कुछ संभ्रांत लोगों ने लेनदेन का विवाद समाप्त कर दिया। इसके बाद भी वह लोग दुश्मनी मानने लगे हैं। नवल किशोर को कुछ ऑडियो मिलीं। जिसमें प्रॉपर्टी डीलर उनकी हत्या कराने की बात करते सुने हैं। वहीं 30 दिसंबर को वह लोग जान से मारने की धमकी देकर गए थे। कहा कि अगर उनके साथ कुछ भी गलत होता है तो इसके जिम्मेदार वह दोनों प्रॉपर्टी डीलर होंगे।

चेयरमैन के भांजे के खिलाफ रिपोर्ट

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

● सभासदों से अभद्रता पीटने और जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करने का आरोप

आरोपी सलीम।

अमृत विचार : फैजगंज बेहटा के वार्ड चार निवासी सभासद हरपाल दिवाकर ने फैजगंज बेहटा पुलिस को तहरीर देकर बताया कि नगर पंचायत में बहुत सारी अनियमितताएं व्याप्त हैं। उन्होंने नगर पंचायत के प्रशासन पर वित्तीय अनियमितताओं की शिकायत की थी।

31 दिसंबर को टीम जांच करने के लिए नगर पंचायत आई थी। टीम वार्ड तीन स्थित श्मशान की जांच कर रही थी। दोपहर लगभग ढाई बजे टीम खाना खाने के लिए मुड़िया धुरेकी चली गई थी। आरोप है कि चेयरमैन का भांजा वार्ड आठ निवासी सलीम ने हरपाल को धक्का देकर जमीन पर गिरा दिया। गिरेबान पकड़कर खींचा। घटना देखकर वार्ड एक निवासी पुष्पा देवी पत्नी नरेश कुमार उन्हें बचाने के लिए दौड़ीं तो सलीम ने दोनों को धक्का दिया।

हरपाल दिवाकर को लात से पीटना शुरू कर दिया। दोनों के साथ जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए गाली-गलौज की। वार्ड 11 निवासी भगवानदास और जुल्फिकार ने उन्हें सलीम से बचाया। सलीम ने गाली देते हुए जान से मारने की धमकी दी। सभासदों ने सलीम से अपनी जान का खतरा बताते हुए तहरीर दी। जिसके आधार पर अनुसूचित जाति/जनजाति नृशंसता निवारण अधिनियम समेत विभिन्न आरोप में रिपोर्ट दर्ज की गई है। जांच प्रभावित होने के डर से उन्हें घटना वाले दिन शिकायत नहीं की थी। बताया जा रहा है कि नगर पंचायत फैजगंज बेहटा का काम सलीम ही देखता है। कई सभासद इस बात का विरोध करके अधिकारियों शिकायत कर चुके हैं, लेकिन उसका हस्तक्षेप बंद नहीं हो रहा। सीओ बिसौली मामले की जांच करेंगे। फैजगंज बेहटा के थानाध्यक्ष राजकुमार सिंह ने बताया कि तहरीर प्राप्त होने के बाद रिपोर्ट दर्ज की गई है। आगे की जांच के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

टेंडर के बाद शुरू होगा मंदिर का निर्माण

उझानी, अमृत विचार : कस्बे के हनुमान गढ़ी मंदिर का वंदन योजना के तहत सौंदर्यीकरण और निर्माण कराया जाएगा। प्रदेश सरकार ने स्थानीय स्तर पर प्रस्ताव स्वीकार करते हुए इसकी स्वीकृति दे दी है।

पिछले साल अक्टूबर में सरकार ने 22 करोड़ 22 रुपये स्वीकृत किए थे।धनराशि मिल भी गई है, लेकिन उस समय मंदिर का निर्माण शुरू नहीं किया गया। इसके बाद तमाम तरह के आरोप लगने लगे। कस्बे के भदबारगंज स्थित रेलवे स्टेशन रोड पर यह मंदिर है इसकी देख रेख स्थानीय लोग करते हैं। इन्ही लोगों की पहल पर रुपये दिए गए हैं। अब 16 जनवरी को मंदिर निर्माण के लिए टेंडर किया जाएगा। सभासद अरुण अग्रवाल ने बताया टेंडर होने के बाद निर्माण कार्य शुरू करा दिया जाएगा।

किसी एक सीएचसी पर बनेगी डायलिसिस यूनिट

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

● शहर की निकटवर्ती सीएचसी को किया जाएगा चिन्हित

जिला अस्पताल की डायलिसिस यूनिट।

अमृत विचार : जिला अस्पताल के बाद अब किसी एक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर डायलिसिस यूनिट लगाने की तैयारी की जा रही है। यह यूनिट शहर के किसी निकटवर्ती सीएचसी पर लगाया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग जल्द ही कोई सीएचसी चिन्हित कर शासन को रिपोर्ट देगा।

जिला अस्पताल में 2023 में डायलिसिस यूनिट लगाया गया था। एक कंपनी डीसीडीसी ने जिला अस्पताल में सबसे पहले तीन बेड का यूनिट लगाया था। डायलिसिस यूनिट लगने के कुछ दिनों के बाद ही मरीजों को इसकी जानकारी हुई तो डायलिसिस कराने वाले मरीजों की संख्या बढ़ने लगी। स्थिति यह हो गयी कि मरीजों को 10-10 दिन बाद की तिथि डायलिसिस कराने को दी जाने लगी। मरीजों की लगातार संख्या बढ़ती गई।

पिछले तीन दिन पहले लखनऊ स्वास्थ्य निदेशालय में हुई बैठक में सीएमएस डॉ. अमित वाष्णेय ने भी हिस्सा लिया। बैठक में एडिशनल चीफ सेक्रेटरी ने बदायूं के जिला अस्पताल की व्यवस्थाओं पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि बदायूं में एक कैंसर यूनिट बनाया जाएगा जिसमें कैंसर के मरीजों को यहां पर इलाज मिलेगा। इसके साथ ही एक और डायलिसिस यूनिट लगाया जा सकता है। इसके लिए शहर के निकटवर्ती सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को चिन्हित करने को कहा गया। सीएमएस को इस बात के निर्देश दिए गए कि शहर व गांव से जुड़े सीएचसी को चिन्हित करें और उसकी रिपोर्ट शासन को भेजें जिससे उस पर विचार किया जा सके। बैठक में कहा गया कि डायलिसिस कराने वालों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से यह कदम उठाया जा रहा है। बैठक के बाद सीएमएस डॉ. अमित वार्ष्णेय ने बताया कि अब जिले में एक दूसरा डायलिसिस यूनिट लगाने की तैयारी की जा रही है। इसके लिए सीएचसी का चयन किया जाएगा।

डायलिसिस कराने को बरेली-आगरा जाने वाले मरीजों को करना पड़ता है परेशानी का सामना

जिले भर में केवल एक ही सरकारी डायलिसिस यूनिट जिला अस्पताल में है, जबकि राजकीय मेडिकल कालेज में भी अभी तक सुविधा नहीं है। शहर के एक निजी अस्पताल में डायलिसिस यूनिट है जहां मरीज से मोटा पैसा लेकर डायलिसिस कराया जाता है। इसलिए अधिकांश मरीज बरेली या आगरा डायलिसिस कराने जाते हैं। अब यहां पर दूसरा डायलिसिस यूनिट लगाने की तैयारी की जा रही है। जो जिले की स्वास्थ्य सेवाओं को एक बड़ी सौगात होगी।

पूर्व सैनिकों को गन्ना सट्टा में मिला आरक्षण

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

● शासन के निर्देश पर 20 प्रतिशत अतिरिक्त गन्ना खरीदेगा विभाग

अमृत विचार : शासन स्तर से पूर्व सैनिकों के परिवारों को गन्ना सट्टा की पर्ची के अतिरिक्त 20 प्रतिशत अधिक गन्ना खरीद करने का निर्देश दिया गया है। पूर्व सैनिकों के आश्रितों को इसका लाभ दिया जाएगा।

जिन किसानों के खेतों में गन्ना तैयार होता है वह किसान गन्ना समिति के सदस्य बनाए जाते हैं। जितना गन्ना होता है उतने रकबे का ही गन्ना सट्टा बनाया जाता है। गन्ना किसान अपने सट्टे के अनुसार ही गन्ना चीनी मिलों को बेच सकता है। इसके अतिरिक्त गन्ना नहीं बेच सकता है, लेकिन राज्य सरकार ने अब नियम लागू किया है कि जो पूर्व सैनिक हैं उनके परिवारों के लोग यदि गन्ना खेती करते हैं तो उनका गन्ना सट्टे से अलग 20 प्रतिशत अतिरिक्त खरीदा जाएगा। पूर्व सैनिकों के आश्रितों को भी यह लाभ को दिया जाएगा। राज्य सरकार के गन्ना मंत्रालय द्वारा जारी किए गए आदेश के बारे में जानकारी देते हुए शुक्रवार को जिला गन्ना अधिकारी अशर्फी लाल ने बताया कि पूर्व सैनिकों के परिवारों को गन्ना सट्टा से अतिरिक्त 20 प्रतिशत गन्ना बेचने की छूट दी गई है। इसकी जानकारी सभी आठों चीनी मिलों को दे दी गई है। पूर्व सैनिकों के परिवार के लोग ही इस नियम का लाभ उठा सकेंगे उनके नाम से कोई दूसरा व्यक्ति लाभ नहीं उठा पाएगा। इस बात को विशेष ध्यान रखा जाएगा। उन्होंने बताया कि इस समय किसान अपने सट्टे के अनुसार ही गन्ना बेच रहे हैं। लाभ लेने के लिए पूर्व सैनिक कल्याण बोर्ड द्वारा जारी प्रमाण पत्र मान्य होगा।

सर्राफा व्यापारियों से सीसी कैमरे लगाने की अपील

उसहैत, अमृत विचार : थाना थानाध्यक्ष देवेंद्र सिंह ने संभ्रांत नागरिकों के साथ पीस कमेटी की बैठक कर लोगों को सुरक्षा का अहसास कराया।

सभी लोगों से पुलिस का सहयोग करने की अपील की। सर्राफा व्यापारियों को अपनी दुकानों में सीसीटीवी कैमरे लगाने की अपील की। उन्होंने कहा सर्दी के मौसम में चोर व आपराधिक प्रवृत्ति के लोग सक्रिय हो जाते हैं। इसको लेकर पुलिस टीमें गठित की गई है। किसी भी हालत में अपराधियों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा बेवजह घूमने वालों व आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा। बैठक में महेश गुप्ता, महेंद्र सिंह, राजवीर सिंह प्रधान सोहिल गुप्ता, ध्यान पाल सिंह, गौरव गुप्ता, प्रधान सुरेंद्र सिंह, ओमेंद्र सिंह, राजू प्रधान पति देवेंद्र कुमार, प्रधान पति नबीजमा आदि मौजूद रहे।

गंगा घाटों पर रहेगी कड़ी सुरक्षा, तैनात रहेंगे मजिस्ट्रेट

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

● 3 जनवरी से शुरू हो रहा माघ स्नान, घाटों पर जुटेगी श्रद्धालुओं की भीड़

अमृत विचार : 3 जनवरी से माघ मेला शुरू हो रहा है। कछला सहित अन्य गंगा घाटों पर भारी संख्या में श्रद्धालु गंगा स्नान के लिए जुटेंगे। स्नान फरवरी तक जारी रहेगी। माघ मेला के दौरान गंगा स्नान पर्वों को शांतिपूर्ण और सुरक्षित ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन सतर्क हो गया है।

डीएम अवनीश राय ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से विभिन्न गंगा घाटों पर मजिस्ट्रेटों की तैनाती के आदेश जारी किए हैं। डीएम अवनीश कुमार राय ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि मेला के दौरान किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। प्रशासन के आदेशानुसार माघ मेले के दौरान पौष पूर्णिमा, मकर संक्रांति, मौनी अमावस्या, बसंत पंचमी, माघी पूर्णिमा व महाशिवरात्रि के अवसर पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के दृष्टिगत कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए मजिस्ट्रेटों को नामित किया है। कछला गंगा घाट, कासगंज की ओर कछला घाट, कछला पुल सहित अन्य प्रमुख घाटों पर संबंधित तहसीलदार, उपजिलाधिकारी एवं खंड विकास अधिकारियों को दायित्व सौंपा गया है। डीएम ने सभी नामित मजिस्ट्रेटों को आदेश दिया है कि वह अपने-अपने क्षेत्रांतर्गत गंगा घाटों पर निरंतर भ्रमणशील रहकर कानून-व्यवस्था, यातायात, स्वच्छता, भीड़ नियंत्रण एवं आपात स्थितियों पर विशेष सतर्कता बनाए रखें।

भूमि पर ठियाबंदी कर लगाई बाढ़

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

● चंदनपुर में वन विभाग ने खाली कराई थी 80 हेक्टेयर जमीन

● जमीन पर कदम रखने पर दी कार्रवाई करने की चेतावनी

अमृत विचार : चंदनपुर गांव में वन विभाग की जमीन को खाली कराने के बाद शुक्रवार को विभाग ने बाढ़ लगा कर ठियाबंदी कर दी। गांव के किसानों को चेतावनी दी है इसके अंदर घुसने पर कार्रवाई की जाएगी। वन विभाग ने अपने रकबे में पौधरोपण की तैयारी शुरू कर दी है।

थाना कादरचौक और उझानी के बीच में चंदनपुर गांव है। इस गांव में वन विभाग की 100 हेक्टेयर से अधिक जमीन है। इसमें से 80 प्रतिशत हिस्से पर स्थानीय किसानों का कब्जा था। किसान इस जमीन को जोत कर उस पर फसल तैयार करते थे। ग्रामीणों का कब्जा कई बार हटाने का प्रयास किया गया, लेकिन कब्जा नहीं हटाया जा सका। हर बार ग्रामीणों को जिला प्रशासन और पुलिस की मदद से खदेड़ दिया गया। पिछले सप्ताह वन विभाग ने अपनी जमीन पर कब्जा लेने को पुलिस प्रशासन की मदद ली जिसके बाद ही वन विभाग को सफलता मिल सकी। शुक्रवार को वन विभाग ने अपनी 80 हेक्टेयर भूमि पर ठियाबंदी कर दी उस पर बाढ़ लगा कर बाहरी लोगों का आवागमन बंद कर दिया। सीओ विकास कुमार वरुण ने बताया कि वन विभाग ने अपनी 80 हेक्टेयर जमीन को अब पौधरोपण के लिए तैयार करना शुरू कर दिया है। इस भूमि पर किसानों द्वारा बनायी गयी मेड़ो को ध्वस्त कर समतल कर दिया है। वन विभाग ने चंदनपुर गांव की अपनी जमीन की सुरक्षा के लिए दो कर्मचारियों को तैनात किया है जो हर समय वन सुरक्षा चौकी पर तैनात रहते हैं। वन विभाग के रेंजर और क्षेत्र के वन दरोगा उधर प्रतिदिन गश्त करते हैं जिससे स्थानीय लोगों को भय बना रहे। जमीन के अंदर घुसने पर भी रोक लगा दी गयी है। आस पास आने जाने वालों पर भी नजर रखी जा रही है। वन रेंज में जो पेड़ हैं उनकी रखवाली भी बढ़ा दी गई है। वन क्षेत्र से अवैध कटान रोकने को वन विभाग सक्रिय है।

कादरचौक क्षेत्र में पौधरोपण करने की तैयारी

कादरचौक क्षेत्र में भी वन विभाग की जमीन है उस पर पौधरोपण करने की तैयारी की जा रही है। करीब पांच एकड़ भूमि पर वन विभाग ने पिछले साल भी पौधरोपण किया था। इनमें से अधिकांश पौधे नष्ट हो गए। इस बार पौध रोपण के साथ उनकी देखरेख की जिम्मेदारी स्थानीय लोगों को दी जाएगी जिससे पौधे सुरक्षित रहें। गंगा किनारे के क्षेत्र में छुट्टा पशुओं से पौधों को बचाना एक बड़ी चुनौती है। इस पर वन विभाग अब सक्रिय हुआ है।

अम्बा हैल्थ क्लीनिक

डॉ.आर.एस.सिंह
B.A.M.S.
(आयुर्वेदाचार्य)
स्त्री-पुरुष रोग विशेषज्ञ
30 वर्षों से चिकित्सा का अनुभव प्राप्त
ISO.9001:2015 Certify Tredmark Clinic

★पतले-दुबले ★गाल पिचके ★कमजोर स्त्री-पुरुष ★मोटापा व वजन बढ़ाने के लिए
परामर्श लें।

चिकित्सा जानकारी
भूख न लगना, अपच, कब्ज, गैस बनना, खाने के बाद शौचालय जाना, बच्चों का शारीरिक विकास न होना, पुलिस व फोर्स आदि नौकरी में नाप तौल में कमी होना, बच्चों का बिस्तर गीला करना, मोटे पेट व थुल-थुले व्यक्ति का वजन कम करना, कील-मुंहासे, झाइयां, सफेद दागों व सावलापन हटाना, सुन्दर दिखाना, बालों का समय से पहले झड़ना, टूटना, सफेद होना एवं गंजापन होना, खूनी व वादी बवासीर आदि सभी बिमारियों का परामर्श लें।

किसी भी प्रकार का नशा जैसे
शराब, अफीम, गुटखा, सुल्फा, गांजा बीड़ी, सिगरेट आदि नसा छुड़ाने की रोगी को बिना लाये बिना बताये जानकारी प्राप्त करें।

स्त्री-पुरुष गुप्त समस्याएं
- स्वपन दोष, शीघ्रपतन, मर्दाना कमजोरी होना
- हस्तमैथुन, धात जाने से कमी होना
- इन्द्री का ढीलापन-छोटापन व पतलापन होना
- वीर्य में शुक्राणु का कम होना
- ल्यूकोरिया, बांझपन, बच्चेदानी में रसोली होना
- यौन अंगो का ढीलापन या इच्छा कम होना
- मासिक धर्म अनियमित होना या उम्र से पहले बन्द होना

वैवाहिक जीवन को सफल बनायें
अविकसित सीना को सुडौल आकर्षक बनायें

Sexually Transmitted Bacterial Disease
सुजाक, गिनोरिया, एड्स, यौन अंगो पर खुजली या छाले पड़ने पर तुरन्त डाक्टर से सम्पर्क करें

गलत फिल्में देखने व फोन पर बातें करने से या पेशाब में चिपचिपा पदार्थ निकलने पर तुरन्त सम्पर्क करें

डॉ. साहब
आपके विश्वास पर सभी बिमारियों को ठीक करने की कोशिश कर सकते हैं दावा या गारंटी नहीं दे सकते

मिलें सुबह 11 से सायं 5 बजे तक
दिनांक :-
21 दिसंबर 2025, रविवार
04 जनवरी 2026, रविवार
निकट बरेली कॉलेज, होटल मोती महल काली बाड़ी चौराहा, बरेली
9837069463
7599211076

विकास खंड कार्यालय परिसर में बनाया जाएगा कृषि एवं किसान डिजिटल सेंटर

आकांक्षात्मक योजना में शामिल हुआ विकासखंड सालारपुर

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : पूर्व राज्यमंत्री और सदर भाजपा विधायक महेश चंद्र गुप्ता ने विकास खंड सलारपुर क्षेत्र के किसानों के लिए बड़ी सौगात दिलाई है। उनके प्रस्ताव पर मुख्यमंत्री ने इस विकास खंड को आकांक्षात्मक विकास खंड योजना के अंतर्गत चयनित किया है। इसके तहत सालारपुर मुख्यालय पर कृषि और संबद्ध सेवाओं के विकास के लिए डेढ़ करोड़ रुपये की धनराशि भी स्वीकृत की है। इस धनराशि से डिजिटल सेंटर, किसानों के लिए सभागार और अतिथि ग्रह का निर्माण होगा। इसे कृषि एवं किसान डिजिटल सेंटर नाम दिया गया है।

विधानसभा क्षेत्र में सड़कों का जाल बिछाने के बाद पूर्व राज्य मंत्री महेश चंद्र गुप्ता ने किसानों को उनकी उपज का दुगना लाभ दिलाने के लिए प्रयास किए हैं। पिछले दिनों उन्होंने किसानों को आधुनिक कृषि संबंधी जानकारी दिलाने और उन्हें विभिन्न माध्यम से लाभ देने के लिए उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को पत्र दिया था। इसमें विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले विकासखंड सलारपुर को आकांक्षात्मक विकास खंड योजना में शामिल किए जाने का अनुरोध किया था। उनके प्रस्ताव पर मुख्यमंत्री ने हरी झंडी दी है। प्रदेश के 100 विकास खंडों का चयन आकांक्षात्मक विकास खंड के रूप में किया गया है। इसमें सालारपुर भी चयनित हो गया है। सदर विधायक ने कहा कि किसानों की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए प्रदेश स्तर से 150 लाख की धनराशि विकासखंड सालारपुर को कृषि एवं संबंधित सेवाओं के विकास के लिए दी गई है। धनराशि से विकासखंड सालारपुर परिसर में कृषि एवं डिजिटल सेंटर बनाया जाएगा। यहां किसानों के लिए सरकार की योजनाओं के अनुरूप बीज वितरण, गोदाम, किसानों की गोष्ठी करने के लिए सभागार, अतिथि गृह बनेगा। शासन से नामित ग्रामीण अभियंत्रण विभाग को कार्यवाही संस्था के रूप में जिम्मेदारी दी है। विधायक ने कहा कि परिसर में कृषि एवं डिजिटल सेंटर का निर्माण दो मंजिला होगा। इसमें भूतल पर बीज को रखने के लिए दो बड़े गोदाम, आने वाले किसानों के लिए शौचालय का निर्माण होगा। प्रथम तल पर किसानों की गोष्ठी के लिए आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित सभागार, अतिथि गृह, शौचालय का निर्माण कराया जाएगा। सेंटर बनने के बाद किसानों को बीज वितरण में सुलभता होगी। समय-समय पर कृषि विभाग और प्रशासन की ओर से गोष्ठियों का आयोजन करके किसानों को उन्नत कृषि के लिए जानकारी भी दी जाएगी। कहा कि यह बहुत महत्वपूर्ण है कि शासन ने सालारपुर विकास खंड को आकांक्षात्मक योजना के तहत चयनित किया है।

- डिप्टी सीएम को दिया था पत्र मुख्यमंत्री योगी की मुहर के बाद स्वीकृत किए डेढ़ करोड़

> इस योजना में विकासखंड सलारपुर क्षेत्र के चयनित होने से किसानों को हर तरह का लाभ मिलेगा। इससे उनकी आय में भी वृद्धि होगी, साथ ही क्षेत्र का विकास भी हो सकेगा। प्रयास है कि विधानसभा क्षेत्र आदर्श क्षेत्र के रूप में जानी जाए। विधानसभा को अपनी मां मानकर काम करा रहे हैं। विकास कार्य जारी रहेंगे।
>
> **- महेश चंद्र गुप्ता**, सदर विधायक

सिद्धार्थ के विवाह का प्रसंग सुन भाव-विभोर हुए श्रद्धालु

संवाददाता, बिल्सी

कथा में प्रसंग सुनातीं कथा वाचक।

अमृत विचार : तहसील बिल्सी क्षेत्र के गांव गोदी नगला में आयोजित तीन दिवसीय भगवान बुद्ध की कथा के दूसरे दिन कथावाचक रीना शाक्य ने भगवान बुद्ध के जीवन से जुड़े सिद्धार्थ के विवाह और हंस पर दया के प्रसंग को विस्तार से सुनाया।

बताया कि राजकुमार सिद्धार्थ का विवाह यशोधरा से हुआ लेकिन सांसारिक सुख-सुविधाओं के बीच भी उनके मन में करुणा और मानव कल्याण की भावना सदैव जागृत रही। कथावाचक ने हंस पर दया के प्रसंग का वर्णन करते हुए कहा कि घायल हंस को देखकर सिद्धार्थ का हृदय द्रवित हो उठा। उन्होंने हंस को मारने के बजाय उसकी रक्षा कर यह संदेश दिया कि जीवन की रक्षा सबसे बड़ा धर्म है। यह प्रसंग करुणा, अहिंसा और दया के भाव को दर्शाता है, जो आगे चलकर बुद्ध के उपदेशों का मूल आधार बना। कथा के दौरान श्रद्धालु शांति और करुणा के संदेशों से भाव-विभोर हो उठे। कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित लोगों ने बुद्ध वंदना के साथ कथा का श्रवण किया। आयोजकों ने बताया कि कथा के माध्यम से समाज में सद्भाव, भाईचारे और मानवता का संदेश दिया जा रहा है।

परिषदीय स्कूलों में 27 से होगा निपुण आकलन

स्कूलों में कक्षा एक व दो के बच्चों का किया जाएगा निपुण आकलन

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : परिषदीय स्कूलों में निपुण आकलन की तैयारी हो रही है। जिले में निपुण आकलन की शुरुआत 27 जनवरी से होगी, जो कि फरवरी तक जारी रहेगा। निपुण परिषदीय विद्यालयों में पढ़ने वाले कक्षा एक और दो के बच्चों की बुनियादी शैक्षिक दक्षताओं का आकलन अभियान के तहत किया जाएगा।

परिषदीय स्कूलों में निपुण आकलन अभियान की शुरुआत 4 दिसंबर से होनी थी, लेकिन जिले में चल रही एसआई प्रक्रिया के चलते अभियान को रोक दिया गया था। अब इसकी शुरुआत 27 जनवरी से होगी। निपुण आकलन अभियान के माध्यम से कक्षा एक और दो के बच्चों की बुनियादी शैक्षिक दक्षताओं को आंका जाएगा। बच्चों की भाषा और गणित की समझ को परखा जाएगा। अभियान के दौरान यह देखा जाएगा कि बच्चे अपनी कक्षा के अनुरूप सीखने का लक्ष्य हासिल कर पा रहे हैं या नहीं। इस कार्य में डीएलएड (डिप्लोमा इन एलीमेंट्री एजुकेशन) के प्रशिक्षुओं की अहम भूमिका रहेगी। प्रशिक्षु विद्यालयों में जाकर बच्चों का आकलन करेंगे और प्राप्त आंकड़ों को ऑनलाइन एप पर अपलोड करेंगे। इससे शासन स्तर पर बच्चों की शैक्षिक स्थिति की स्पष्ट जानकारी उपलब्ध हो सकेगी और कमजोर क्षेत्रों की पहचान की जा सकेगी। निपुण भारत मिशन के तहत अभियान की शुरुआत होनी है। इस आकलन का उद्देश्य प्राथमिक स्तर पर बच्चों को पढ़ने-लिखने और गणित की बुनियादी समझ में दक्ष बनाना है। आकलन के दौरान कक्षा एक के बच्चों की अक्षर पहचान, शब्द पढ़ने और सरल वाक्य समझने की क्षमता को परखा जाएगा। वहीं कक्षा दो के बच्चों की छोटे अनुच्छेद पढ़ने, प्रश्नों के उत्तर देने और सरल गणितीय गणनाओं की समझ का मूल्यांकन किया जाएगा।

- आकलन 27 जनवरी से डीएलएड प्रशिक्षु द्वारा एप पर किया जाएगा

> निपुण आकलन 4 दिसंबर से शुरू होना था, लेकिन एसआईआर कार्य के चलते इसे स्थगित कर दिया गया। अब इसकी शुरुआत 27 जनवरी से हो रही है। निपुण आकलन का उद्देश्य बच्चों के सीखने की स्थिति को समझकर शिक्षण प्रक्रिया में सुधार करना है।
>
> **- वीरेंद्र कुमार सिंह**, बीएसए

बच्चों से कराई जाएगी 20 और 100 के नोट की पहचान

गणित दक्षता में बच्चों से गिनती, जोड़-घटाव के साथ-साथ 20 रुपये से लेकर 100 रुपये तक के नोटों की पहचान भी कराई जाएगी। आकलन की पूरी प्रक्रिया निर्धारित मानकों के अनुसार होगी, ताकि निष्पक्ष और सही मूल्यांकन किया जा सके।

एसएसपी को मिला सेलेक्शन ग्रेड, एडीजी ने लगाया कॉलर बैंड

बदायूं, अमृत विचार : एसएसपी डॉ. बृजेश कुमार सिंह को सेलेक्शन ग्रेड प्राप्त होने पर बरेली के जोन कार्यालय में पिपिंग सेरेमनी का आयोजन किया गया। एडीजी बरेली जोन रमित शर्मा और आईजी अजय कुमार साहनी ने रैंक प्रतीक चिंह्न और कॉलर बैंड लगाकर प्रोन्नति की बधाई दी। एडीजी ने कहा कि सेलेक्शन ग्रेड प्राप्त होना उनकी कर्तव्यनिष्ठा, उत्कृष्ट सेवा और अनुशासन का प्रतीक है। कहा कि एसएसपी के नेतृत्व में बदायूं में अपराध नियंत्रण व जनसुरक्षा का कार्य प्रभावी रूप से किया जा रहा है। इसे भविष्य में भी जारी रखने को कहा। इस दौरान पुलिस के कई अधिकारी मौजूद रहे।

एसएसपी को कॉलर बैंड लगाते एडीजी।

स्काउट को दिया विभिन्न तरह का प्रशिक्षण

गंगाधर पाठक बाल विद्या मंदिर में आपदा प्रबंधन की ट्रेनिंग देते पूर्व जिला ट्रेनिंग कमिश्नर संजीव कुमार शर्मा। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : गंगाधर पाठक बाल विद्या मंदिर में भारत स्काउट एवं गाइड संस्था ने शिविर के दूसरे दिन खोज के चिन्हों की सहायता से ऐतिहासिक, धार्मिक, दर्शनीय तीर्थ स्थलों की हाईक की। प्राथमिक चिकित्सा, गांठें बंधन, तंबू निर्माण, गैजेट्स ट्रेनिंग दी गई। स्काउट शिक्षक गौरव सिंह व वेदराम के नेतृत्व में स्काउट-गाइड ने माक ड्रिल का अभ्यास किया। उन्होंने कहा कि विपत्तियों में जीवन की सुरक्षा के लिए तैयार रहें। लोगों की सहायता करें।

पूर्व जिला ट्रेनिंग कमिश्नर संजीव कुमार शर्मा ने कहा कि युवा आपातकालीन स्थिति में धैर्य न खोएं और हिम्मत से काम लें। खुद को तैयार रखें, अफवाहों पर ध्यान न दें। केवल आधिकारिक सूचना स्रोतों पर भरोसा करें। मोबाइल फोन पूरी तरह चार्ज रखें। मॉक ड्रिल का अभ्यास बार-बार करें। प्रधानाचार्य सुरभित पाठक ने कहा कि स्काउटिंग युवाओं में देशभक्ति का जज्बा पैदा करती है। कम संसाधनों में सुव्यवस्थित जीवन जीना सिखाती है। वरिष्ठ शिक्षक अनुराग पाठक ने स्काउट ध्वज फहराकर हाईक स्थल का पौराणिक इतिहास बताया। खोज के चिन्हों की सहायता से हाईक ऐतिहासिक सिद्ध बाबा मंदिर पहुंची। वहां बच्चों को आग में फंसे लोगों को निकालने, डूबते हुओं को बचाने, टैंट बनाने, भोजन बनाने के अलावा डाक्टरी गांठ, रीफ नाट, शीट बैंड, फिशरमैन नाट, चेयर नाट का अभ्यास कराया। गैजेट्स, माक ड्रिल, स्काउट गाइड को युद्ध के दौरान कैसे बचें, लोगों को सुरक्षित स्थानों तक कैसे पहुंचाएं और क्या करें और क्या न करें आदि की ट्रेनिंग दी गई। विमल पाठक, रत्नेश शर्मा, अनुराग पाठक, राजवीर सिंह, सुरजीत कुमार आदि मौजूद रहे।

- गंगाधर पाठक बाल विद्या मंदिर में चल रहा तीन दिवसीय शिविर

मुजरिया चौराहे पर जिपं सदस्य ने जलवाया अलाव

बदायूं, अमृत विचार : कड़ाके की ठंड में प्रशासन द्वारा अलाव की व्यवस्था न होने पर जिला पंचायत सदस्य ने अलाव जलवाया। मुजरिया चौराहे पर ठंड को देखते हुए जिला पंचायत सदस्य राजेश कुमार सिंह ने शुक्रवार को अलाव जलाकर क्षेत्र वासियों को राहत दी है।जिला प्रशासन और पंचायत प्रशासन से अलाव लगवाने की ग्रामीणों द्वारा गुहार लगाई गई थी, लेकिन कोई पर्याप्त व्यवस्था न होने पर जिला पंचायत सदस्य ने चौराहे पर अलाव की व्यवस्था कराते हुए प्रतिदिन अलाव लगाए की बात कही। अशोक कुमार, आशीष सोलंकी, पिंटू,ओंकार, योगेश तोमर, सहित तमाम क्षेत्रवासियों ने सराहना की।

हैंड होल्डिंग पोर्टेबल एक्स-रे मशीन मिली

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को शासन से एक हैंड होल्डिंग पोर्टेबल एक्स-रे मशीन जिला क्षय रोग केंद्रको उपलब्ध कराई गई। सीएमओ ने मशीन शुरू करते हुए इसे जिले के लोगों को बड़ी सौगात बताया।

सीएमओ डॉ. रामेश्वर मिश्रा ने बताया कि इस मशीन से जिला जेल में सभी बंदियों का एक्स रे किया जाएगा। हैंड होल्डिंग पोर्टेबल एक्स-रे मशीन से टीबी मरीजों का अब आसानी से पता लगाया जा सकता है। सुगमता से उनका टीबी का इलाज शुरू हो सकेगा। हैंड होल्डिंग पोर्टेबल एक्स-रे मशीन का शुक्रवार को डॉ. रामेश्वर मिश्रा मुख्य चिकित्सा अधिकारी राजेंद्र कुमार व जेल अधीक्षक ने संयुक्त रूप से फीता काटकर आरंभ किया। सर्वप्रथम जिला जेल में सभी बंदियों का एक्स रे करने के लिए व बलगम की सीबी नाट मशीन से जांच करने के लिए स्वास्थ्य कैंप का रोस्टर बनाया गया, जो 8 जनवरी तक चलेगा। एक्स-रे एवं सीबी नेट मशीन से जो टीबी के मरीज डायग्नोज किए जाएंगे उनका जेल के अंदर ही तुरंत टी बी का इलाज शुरू कर दिया जाएगा। उनका आधार कार्ड एवं बैंक का खाता लेकर निश्चय पोर्टल पर अपडेट किया जाएगा जिससे मरीजों को मिलने वाली 1000 प्रति महीने की धनराशि डीबीटी के माध्यम से उनके खातों में हस्तांतरित की जा सके। जिला जेल में 20 मरीजों की जांच एवं एक्स रे किए गए। जिला जेल में कैंप में जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. विनेश कुमार, जेल अधीक्षक राजेंद्र कुमार, जेलर रनंजय सिंह जिला कार्यक्रम प्रबंधक कमलेश शर्मा, एक्स-रे टेक्नीशियन संध्या दिवाकर लैब टेक्नीशियन ज्योति टी वी एचवी अनुज कुमार, गोपाल सिंह जेल फार्मासिस्ट आदि उपस्थित रहे।

हैंड होल्डिंग पोर्टेबल एक्स-रे मशीन शुरु करते सीएमओ।

- शासन से मिली एक मशीन, जेल में बंदियों की होगी जांच

बैठक में की आठवां वेतन आयोग को लेकर चर्चा

बैठक में चर्चा में चर्चा करते सेवानिवृत्त कर्मचारी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन की बैठक कोषागार के पेंशनर्स भवन में शुक्रवार को हुई। इसमें पेंशनर्स के देयकों व आठवें वेतन आयोग समेत पुरानी पेंशन को लेकर चर्चा की गई।

मुख्य अतिथि प्रान्तीय कर्मचारी नेता कवि माधव मिश्र ने कहा कि सरकार आठवें वेतन आयोग को लागू करने की बात कह रही है, लेकिन पेंशनर्स के हितों की रक्षा के लिए सुप्रीम कोर्ट के आदेश 1982 के अनुपालन में ही लागू किया जाएगा। यह स्पष्ट नहीं है। भारत सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि पेंशनरों को पूर्ण लाभांश दिया जाएगा। अगले माह दो फरवरी को बैठक हागी। बैठक में ब्रिजेश चौहान, राजेश कुमार जौहरी, प्रमोद कुमार शर्मा, ऊफ हुसैन सिद्दीकी सहित अन्य सेवानिवृत्त कर्मचारी उपस्थित रहे।

दो मोहल्लों में घंटों गुल रही बिजली

बदायूं, अमृत विचार : शहर के मोहल्ला जालंधरी सराय और मीरा सराय में शुक्रवार को सुबह दो घंटे तक बिजली गुल रही। इससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। स्थानीय लोगों ने बताया कि सुबह आई बजे के बाद अचानक बिजली गुल हो गई। इससे घरों में पानी का संकट पैदा हो गया। 10 बजे सप्लाई शुरू हुई तो लोगों ने राहत की सांस ली।

जालंधरी सराय और मीरा सराय में अक्सर घंटों को बिजली गुल हो जाती है। रात को भी बिजली गुल होती है, लेकिन विभाग के कर्मचारी और अधिकारी कभी उपभोक्ताओं को फोन रिसीव नहीं करते हैं जिससे लोगों को बिजली गुल होने का कारण पता नहीं चल पाता है। उपभोक्ताओं की शिकायत है कि इस मामले में कई बार शिकायत भी की गयी मगर किसी ने ध्यान नहीं दिया।

वृद्धाश्रम में बांटे कंबल

गांव बांस बरौलिया स्थित वृद्धाश्रम में बुजुर्गों को कंबल देते नायब तहसीलदार।

बिल्सी, अमृत विचार : नायब तहसीलदार बदन सिंह यादव ने शुक्रवार को गांव बांस बरौलिया स्थित वृद्धाश्रम में बुजुर्गों को कंबल वितरित किए।

कड़ाके की ठंड को देखते हुए प्रशासन की ओर से यह पहल की गई। जिससे आश्रम में निवासरत वृद्धजनों को सर्दी से राहत मिल सके। नायब तहसीलदार ने आश्रम परिसर में पहुंचकर बुजुर्गों से उनका हालचाल जाना और उनकी आवश्यकताओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने आश्रम प्रबंधन से भी व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए साफ-सफाई, स्वास्थ्य और भोजन की व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। इस दौरान बुजुर्गों ने प्रशासन द्वारा की गई मदद के लिए आभार जताया। नायब तहसीलदार ने कहा कि शासन-प्रशासन बुजुर्गों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है और जरूरतमंदों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। ठंड के मौसम में कोई भी बुजुर्ग असुविधा में न रहे, इसके लिए आगे भी इस तरह के प्रयास जारी रहेंगे। तहसीलदार प्रभा सिंह, नैंसी सक्सेना, वेदव्यास शर्मा, डा.शिव गौड़. पन्नालाल, रामकिशोर शर्मा, सचिन शर्मा रहे।

सेवानिवृत्त कर्मचारी संघ ने आशा वर्कर्स के आंदोलन को दिया समर्थन

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : आशा कर्मियों की हड़ताल और धरना-प्रदर्शन शुक्रवार को 19वें दिन भी मालवीय आवास गृह पर जारी रहा। सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर्स के जिलाध्यक्ष माधव मिश्रा ने पदाधिकारियों संग धरनास्थल पहुंचकर आशा कर्मियों के आंदोलन को समर्थन दिया। आशा वर्कर्स की मांगों को सही बताया ।

शुक्रवार को मालवीय आवास गृह पर आशा कर्मियों को समर्थन देते हुए जिलाध्यक्ष माधव मिश्रा ने कहा सरकार की दोहरी नीति बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सरकार को एकमुश्त वेतन देना होगा और आशा कर्मियों की अन्य मांगों को भी पूरा करना होगा। अन्यथा आशा कर्मियों के संघर्ष में उनका संगठन भी शामिल होगा। जिलाध्यक्ष जौली वैश्य ने 1 जनवरी को कानपुर देहात के राजपुर में आशा कर्मियों से मुलाकात के समय उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के बयान की निंदा करते हुए कहा कि केशव प्रसाद मौर्य की टिप्पणी प्रदेश की सभी कामकाजी महिलाओं का अपमान करने वाली है। उन्होंने कहा कि उनकी 2000 रुपये की बेहद शर्मनाक प्रोत्साहन राशि में भी राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की नौकरशाही जबरन वसूली कर लेती है और 1.5 लाख करोड़ का पिछले 5 वर्ष में विभिन्न प्रोत्साहन राशियों का घोटाला कर लिया गया हैं। सरकार के संरक्षण के बिना यह लूट और घोटाला सम्भव नहीं है। उन्होंने कहा कि इस तरह की बदजुबानी करने वाले उप मुख्यमंत्री को इस मौके पर सीमा, दुर्गा, जगवती, सोनिया, हेमलता, लंगश्री आदि मौजूद रही।

आशा कर्मियों को समर्थन पत्र देते संघ के माधव मिश्र व अन्य। ● अमृत विचार

छात्राओं को साइबर अपराध के प्रति किया जागरूक

संवाददाता, बिल्सी

अमृत विचार : क्षेत्र के एनए इंटर कॉलेज में शुक्रवार को मिशन शक्ति अभियान के तहत जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में मिशन शक्ति प्रभारी उपनिरीक्षक रचना देशवाल के नेतृत्व में महिला कांस्टेबल सोनिया, कांस्टेबल मुकेश, विपिन व नागेंद्र की टीम ने छात्र-छात्राओं को साइबर अपराध से बचाव और महिला सुरक्षा से संबंधित जानकारी दी।

मिशन शक्ति प्रभारी ने छात्र-छात्राओं से कहा कि मोबाइल फोन का प्रयोग करते समय विशेष सावधानी बरतें। किसी भी अपरिचित लिंक को क्लिक न करें, क्योंकि इससे साइबर ठगी का खतरा रहता है। उन्होंने बताया कि अगर किसी भी प्रकार का साइबर अपराध होता है तो तुरंत हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं। कार्यक्रम में हेमेंद्र पाल सिंह, मुन्नालाल शाक्य, मुकेश कुमार, नीलम वर्मा, रविंद्र सिंह, मोहम्मद हसीन, राजेश कुमार आदि मौजूद रहे।

कॉलेज में छात्राओं को जानकारी देतीं उपनिरीक्षक रचना देशवाल। ● अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

थाने के बाहर खड़े ट्रक से गन्ना उतारकर ले गए लोग

बदायूं, अमृत विचार : उसावां पुलिस ने गन्ना लदे ट्रक को पकड़ा और थाने के सामने खड़ा कर दिया। कुछ लोग पहुंचे और ट्रक से गन्ना उतारकर ले गए। ट्रक से हादसा होने की वजह से पुलिस ने ट्रक पकड़ा था। शुरू में कुछ लोग ही गन्ना की फांदी उतार रहे थे लेकिन पुलिस के कुछ न कहने पर भीड़ जुट गई। पुलिस को इसकी भनक तक नहीं लगी जबकि इसका वीडियो सोशल साइट्स पर वायरल हुआ है। लोग आधा ट्रक गन्ना उतारकर ले गए।

राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती नवजात की मौत

बदायूं, अमृत विचार : राजकीय मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान एक नवजात की मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। नवजात बरेली के थाना भोजीपुरा क्षेत्र के गांव अगरास के पास लावारिस हालत में मिला था। चाइल्ड लाइन नवजात को बरेली के जिला अस्पताल ले गई थी। जहां उसकी हालत में सुधार नहीं हुआ तो मेडिकल कॉलेज ले जाकर भर्ती कराया था। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

जेसीबी से गड्ढा खुदवाकर नंदी को दफन कराया

बदायूं, अमृत विचार : कस्बा अलापुर में एक नंदी की मौत हो गई। शिव तांडव सनातन कल्याण संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सिंधु महासंघ के राष्ट्रीय सचिव ने जेसीबी से गड्ढा खुदवाकर दफन कराया। कस्बे में नंदी कई दिनों से बीमार था। कुछ लोगों ने उपचार भी कराया, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका। अंत में नंदी की मौत हो गई।

सूचना मिलने पर शिव तांडव सनातन कल्याण संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल त्रिवेदी अपनी टीम के साथ पहुंचे। उन्होंने जेसीबी से नंदी के शव को उठा कर बाहर दफन कराया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में गोवंश की दुर्दशा हो रही है। कहा कि यदि गोवंश के रखरखाव की व्यवसथा नहीं की गई तो वह मुख्यमंत्री आवास पर अनशन पर बैठेंगे। इस दौरान जिला अध्यक्ष युवा मोर्चा विश्व हिंदू महासंघ सनी, मनोज, राज भारद्वाज, अतुल त्रिवेदी कृष्ण त्रिवेदी, वीरेंद्र भारद्वाज सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

सर्द हवा के साथ हुई बूंदाबांदी ने बढ़ाई ठंड

आसमान में छाए घने बादलों ने जनजीवन किया अस्त-व्यस्त, न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : जनपद में शीतलहर का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। देर रात हुई हल्की बूंदाबांदी के बाद सर्दी में इजाफा हो गया। ठंड और गलन में अधिक बढ़ गई। जिससे जनजीवन प्रभावित बना हुआ है। सर्दी का प्रकोप निर्माण कार्य बंद पड़े हैं। कार्य बंद होने की वजह से दिहाड़ी मजदूरों के सामने रोजी रोटी का संकट खड़ा हो गया है। शुक्रवार को आसमान में काले बादल छाए रहे। धूप के दर्शन नहीं हुए। सड़कों पर भी सन्नाटे वाली स्थिति बनी रही। जरूरी काम वाले लोग ही सड़कों पर दिखाई दिए। मौसम सर्द होने पर न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस पर बना हुआ है। अधिकतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। कृषि विभाग के अनुसार अभी बारिश की संभावना बनी हुई है।

गुरुवार की देर रात बूंदाबांदी हुई। जिसका असर शुक्रवार दिखाई दिया। शुक्रवार की सुबह शहर सहित आसपास के क्षेत्र में घना कोहरा छा गया। कोहरे के कारण दृश्यता काफी कम हो गई, जिससे शहर और हाईवे पर वाहनों की गति धीमी पड़ गई। सुबह के समय सरकारी कार्यालय जाने वाले कर्मचारियों और राहगीरों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा। ठंडी हवाओं और नमी के कारण गलन बनी रही। दिन भर सूरज के दर्शन नहीं हुए। सर्द हवाएं सिरहन पैदा करती रहीं। ठंड अधिक होने की वजह से अन्य दिनों की अपेक्षा सड़कों पर सन्नाटे वाली स्थिति बनी रही। कामकाजी लोग ही सड़कों पर दिखाई दे रहे थे। चौराहों और मोहल्लों में लोग अलाव के सहारे बैठे रहे। शाम होते ही कोहरा छाने लगा। जिसकी वजह से बाजार भी जल्द ही बंद हो गया। ठंड का प्रकोप अधिक होने पर कृषि विभाग के अधिकारी और विशेषज्ञों ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दे रहे हैं। गर्म कपड़े पहनने, सुबह-शाम अनावश्यक रूप से बाहर निकलने से बचने और स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखने को कहा जा रहा है। लगातार बढ़ती ठंड के चलते जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। सड़कों पर चहल-पहल कम दिखाई दे रही है और लोग केवल मजबूरी में ही घरों से बाहर निकल रहे हैं। ठंड से बचाव के लिए अलाव, हीटर और गर्म कपड़ों का सहारा लिया जा रहा है। सबसे अधिक परेशानी बुजुर्गों, बच्चों और बीमार लोगों को हो रही है। शीतलहर के साथ-साथ प्रदूषण भी लोगों के लिए बड़ी मुसीबत बना हुआ है। हवा में नमी और कम गति के चलते प्रदूषक तत्व वातावरण में जमे हुए हैं, जिससे वायु गुणवत्ता में कोई खास सुधार नहीं हो पा रहा है। ठंड और प्रदूषण का यह दोहरा असर स्वास्थ्य के लिए खतरा बन रहा है। जिले में प्रदूषण का स्तर हल्की बारिश से कुछ हद तक कम हुआ है। अभी वायु की गुणवत्ता 129 पर बनी हुई है। जिससे बुजुर्गों और बच्चों को सांस लेने में दिक्कत हो रही है।

भीषण ठंड में बच्चे को गर्म कपड़ों में लपेटकर गोद में ले जाता व्यक्ति। ● अमृत विचार

ठंड दूर करने के लिए अलाव के सहारे बैठे लोग। ● अमृत विचार

तापमान में और गिरावट के आसार

जिला कृषि अधिकारी मनोज रावत ने बताया कि शुक्रवार को अधिकतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ है। न्यूनतम तापमान भी 7 डिग्री सेल्सियस पर आ गया है। अगले दो दिनों तक न्यूनतम तापमान में और गिरावट दर्ज होने की संभावना है। मौसम के मिजाज में फिलहाल किसी बड़े बदलाव की संभावना दिखाई नहीं दे रही है।

सुरक्षा को लेकर पुलिस ने कस्बे में किया फ्लैग मार्च

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- होटलों, ढाबों और रेस्टोरेंट में संदिग्ध लोगों से की पूछताछ

अमृत विचार : कानून व्यवस्था को लेकर बिसौली कोतवाली पुलिस ने कस्बे में फ्लैग मार्च किया। इंस्पेक्टर राजेंद्र सिंह पुंडीर के नेतृत्व में पुलिस बल ने सड़कों पर उतरकर पैदल गश्त की। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने असामाजिक तत्वों को सख्त संदेश भी दिया की शांति भंग करने की कोशिश किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

भ्रमण के दौरान बिसौली पुलिस ने होटलों, ढाबों और रेस्टोरेंट में पहुंचकर लोगों से पूछताछ की। संदिग्ध व्यक्तियों व वाहनों की सघन तलाशी ली।

इस दौरान कोतवाली प्रभारी ने लोगों को शराब पीकर वाहन न चलाने और यातायात नियमों का पालन करने की अपील की। फ्लैग मार्च में इंस्पेक्टर सहसंर वीर सिंह, राम मेहर सिंह, जबर अली, पूजा तोमर आदि उपस्थित रहे।

कस्बे में भ्रमण करती थाना बिसौली पुलिस। ● अमृत विचार

आंवला रोड पर 60 पोल लगाए

संवाददाता, कुंवर गांव

- विकास कार्यों का सदर विधायक ने किया लोकार्पण
- 20 महिलाओं और बुजुर्गों को बांटे कंबल

अमृत विचार : सदर विधायक महेश चंद्र गुप्ता के प्रयास के चलते कुंवर गांव को आदर्श नगर पंचायत का दर्जा मिला था। पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर विकास योजना के तहत यहां कई तरह के विकास किए हैं। सदर विधायक ने शुक्रवार को विकास कार्यों का लोकार्पण किया।

नगर में हुए विकास कार्यों में 10वां स्थल निर्माण, अंत्येष्टि स्थल निर्माण व नगर में बिजली पोल स्ट्रीट लाइटों का निर्माण आदि विकास कार्यों का शुक्रवार को लोकार्पण किया। लगभग 55 लाख रुपये की लागत से नगर में आंवला-बदायूं रोड पर 60 पोल लगाए गए हैं। जिन पर लाइट की व्यवस्था की गई है।

विधायक ने कहा कि बदायूं से कुंवर गांव मार्ग तक बिजली के 60 पोल लगाए गए हैं। इससे रात को लोगों को रोशनी मिलेगी। पूरी सड़क पर लाइट की व्यवस्था रहेगी। सड़क हादसे व अन्य घटनाएं नहीं होंगी। ठंड के प्रकोप को देखते हुए सदर विधायक ने महिलाओं बुजुर्गों को 200 कंबल वितरित किए। कंबल पाकर लोगों के चेहरे खिल उठे। इस मौके पर नगर पालिका अध्यक्ष ज्योति रानी, उनके पति अरविंद रावत, किसनवीर, पूर्व मंडल उपाध्यक्ष अनिल ठाकुर, सोवरन राजपूत, मंडल अध्यक्ष नौरंगपाल राजपूत, अजय सक्सेना, लिपिक नितिन सक्सेना, सहित नगर पंचायत के कर्मचारी मौजूद रहे।

कुंवरगांव में विकास कार्यों का लोकार्पण करते सदर विधायक। ● अमृत विचार

पति को आत्महत्या के लिए उकसाने में पत्नी गिरफ्तार

संभल, अमृत विचार: ग्राम देहपा निवासी विपिन कुमार का शव घर में ही फंदे पर लटका मिला था। विपिन के पिता वीर सिंह पुलिस को तहरीर देकर बताया था कि विपिन और उसकी पत्नी मोनिका के बीच आए दिन कहासुनी और विवाद होता रहता था। बहू ने अपने भाइयों को बुलाकर उसके पुत्र के साथ मारपीट की और उसका अपमान किया। इससे वह मानसिक रूप से काफी परेशान था। प्रभारी निरीक्षक संजीव कुमार बालियान ने बताया कि जांच के दौरान इस बात की पुष्टि हुई कि मोनिका ने विपिन को अपमानित कर आत्महत्या के लिए उकसाया था। शुक्रवार को सूचना के बाद पुलिस ने मोनिका को ग्राम रमपुरा बस स्टैंड से गिरफ्तार कर लिया । गिरफ्तारी करने वाली टीम में थाना नखासा के प्रभारी निरीक्षक संजीव कुमार बालियान, उपनिरीक्षक नरेंद्र कुमार आदि मौजूद रहे।

कांग्रेसियों ने किया भूख हड़ताल का समर्थन

संवाददाता, ओरछी

भूख हड़ताल कर रहे ग्रामीणों से बात करते कांग्रेस जिलाध्यक्ष अजीत यादव।

- पक्के मार्ग को लेकर ग्रामीणों की भूख हड़ताल जारी

अमृत विचार : तहसील बिसौली के गांव ढोरनपुर में पक्के मार्ग को लेकर ग्रामीणों की भूख हड़ताल जारी है। शुक्रवार को कांग्रेस ने ग्रामीणों का समर्थन किया है। कांग्रेस के जिलाध्यक्ष अजीत यादव ग्रामीणों के पास पहुंचे। कहा कि ग्रामीणों की समस्या के लिए कांग्रेस पार्टी हमेशा उनके साथ हैं। ग्रामीणों की समस्या को लेकर डीएम से वार्ता की जाएगी।

जिलाध्यक्ष ने कहा कि भाजपा सरकार ग्रामीण विकास में विफल साबित हुई है। केंद्र व राज्य सरकार मिलकर भी गांव की दो किमी सड़क का निर्माण नहीं करा पा रही है जबकि पांच गांवों के लगभग 20 हजार से ज्यादा ग्रामीण इस सड़क से परेशान हैं। ग्रामीणों ने पिछले दिनों चले आंदोलन के दौरान प्रशासन से मिले कागजात भी दिखाए। जिसके अनुसार लोक निर्माण विभाग ढोरनपुर के 1800 मीटर इस मार्ग के निर्माण का प्राक्कलन तैयार करके शासन को भेज चुका है। जिसकी स्वीकृति के लिए डीएम ने प्रमुख सचिव को पत्र भेजा था। शासन से स्वीकृति न मिलने से सड़क का निर्माण नहीं हो पा रहा है। जिलाध्यक्ष ने कहा कि भूख हड़ताल कर रहे ग्रामीणों का जीवन खतरे में है। सरकार को इस मार्ग के निर्माण की स्वीकृति तत्काल देनी चाहिए।

कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष डॉ. सुशीला कोरी ने कहा की ग्रामीणों की भूख हड़ताल जायज है। ग्रामीण पिछले साल भी इस सड़क को बनाने के लिए आंदोलन कर चुके हैं लेकिन भाजपा सरकार इस सड़क को बनाना नहीं चाहती। कांग्रेस जिला महासचिव अब्दुल रहमान ने कहा कि ग्रामीणों के आंदोलन के साथ कांग्रेस पूरी ताकत से खड़ी है। जरूरत पड़ेगी तो कांग्रेसी ग्रामीणों के साथ भूख हड़ताल पर बैठेंगे। कांग्रेस के सोशल मीडिया सेल के जिलाध्यक्ष नवनीत यादव साथ रहे।

गोशाला में अनियमितताओं की डिप्टी सीएम से शिकायत

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : ब्लॉक उसावां क्षेत्र के गांव टिकरी पुख्ता स्थित अस्थाई गोशाला में क्षमता से अधिक गोवंश रखे जाने और वित्तीय अनियमितताओं का आरोप प्रधान ने लगाया है। ग्राम प्रधान ने उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को पत्र भेजकर जांच कराए जाने की मांग की है।

ग्राम प्रधान का आरोप है कि गोशाला की क्षमता 120 गोवंश की है, लेकिन वर्तमान में यहां 185 गोवंश रखे गए हैं। गोवंशों की संख्या अधिक होने की वजह से उनका ठीक से भरण पोषण भी नहीं हो रहा है। गोशाला संचालन जन कल्याण सेवा समिति के दानवीर यादव कर रहे है, लेकिन कार्यदायी संस्था गोशाला का ठीक से संचालन नहीं कर पा रही है। प्रधान का आरोप है कि 21 अक्टूबर से 25 नवंबर 2025 तक गोशाला में 105 गोवंश संरक्षित थे। इसके बाद 27 नवंबर को ग्रामीणों के विरोध पर 80 और गोवंश लाए गए, जिससे कुल संख्या 185 हो गई। गोशाला का संचालन कर रही समिति द्वारा

टिकरी पुख्ता गोशाला। ● अमृत विचार

- गोशाला में गोवंश की क्षमता 120, वर्तमान में है 185

21 अक्टूबर से 20 नवंबर तक के लिए 185 गोवंशों के भरण-पोषण की मांग को संस्तुति करा ली गई थी। आरोप है कि भरण पोषण के लिए मिली एक माह की राशि का दुरुपयोग कर लिया गया। शिकायत पशु चिकित्साधिकारी डॉ. संजीव कुमार सिंह ने आरोपों को निराधार बताया है। पशु चिकित्सक का कहना है कि उन पर झूठे आरोप लगाए जा रहे हैं। जांच होने पर सब कुछ सामने आ जाएगा।

फसल की रखवाली करने गए किसान का खेत में मिला शव

संवाददाता, उस्मानपुर

अमृत विचार : छुट्टा गोवंश से फसल की रखवाली करने गए किसान का शव खेत पर पड़ा मिला। जानकारी पर परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

जरीफनगर थाना क्षेत्र के गांव शादीपुर निवासी छोटे लाल (45) पुत्र हप्पू सिंह गुरुवार की रात फसल की रखवाली करने के लिए खेत पर गए थे। अगले दिन सुबह वह घर नहीं पहुंचे तो परिजनों को चिंता हुई। वह तलाशने के लिए खेत पर पहुंचे। जहां छोटे लाल का शव उधैती थाना क्षेत्र के गांव शाहनगर पटपरागंज निवासी अवधेश शर्मा के खेत में पड़ा मिला। सूचना मिलने पर जरीफनगर और उधैती के थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

किसान का शव मिलने पर जानकारी करते पुलिसकर्मी। ● अमृत विचार

- जरीफनगर थाना क्षेत्र के गांव शादीपुर का मामला

दबतोरी से दिल्ली तक शुरू हुई रोडवेज बस सेवा

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : दबतोरी से दिल्ली के लिए परिवहन निगम की ओर से रोडवेज बस सेवा शुरू की है। शुक्रवार को एआरएम राजेश पाठक ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बस का संचालन शुरू होने से व्यापारी वर्ग के लोगों ने खुशी जाहिर की है।

दबतोरी से दिल्ली तक रोडवेज बस का संचालन न होने की वजह से ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को दिक्कत होती थी। जिसमें व्यापारी वर्ग के लोगों को अधिक परेशानी होती थी। रोडवेज के अभाव में उन्हें प्राइवेट, डग्गामार बसों का सहारा लेना पड़ता था। ग्रामीणों द्वारा दिल्ली के लिए रोडवेज बस का संचालन किए जाने को लेकर मांग करते हुए सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक से मांग की जा रही थी। ग्रामीणों की मांग पर एआरएम ने दबतोरी से दिल्ली आनंद विहार के लिए रोडवेज बस का संचालन शुरू कराया है। शुक्रवार को एआरएम ने बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। एआरएम राजेश पाठक ने बताया कि रोडवेज बस बदायूं से दोपहर 1:00 बजे चलकर बिसौली होते हुए तीन बजे दबतोरी पहुंचेगी। दबतोरी से 3:30 बजे आनंद विहार के लिए रवाना हो जाएगी। बस चंदौसी, संभल, गजरौला होती हुई आनंद विहार तक जाएगी। बताया कि बस का संचालन नियमित रहेगा। जिसका किराया 20 प्रतिशत कम होगा।

दरोगा से गाली-गलौज करने के मामले में सिपाही निलंबित

संवाददाता, विजय नगला

- दारोगा ने एसएसपी से की थी शिकायत, सीओ सिटी ने थाने जाकर की थी जांच

अमृत विचार : नशे में धुत सिपाही के थाने में दारोगा से गाली-गलौज और हंगामा करने के मामले की जांच शुरू कर दी गई है। शुक्रवार को सीओ सिटी रजनीश कुमार उपाध्यक्ष ने बिनावर थाना पहुंचकर जांच की। प्रथम दृष्टया दोषी पाए जान पर सिपाही को निलंबित किया गया है।

बुधवार रात थाना बिनावर मे तैनात दरोगा सत्यपाल सिंह ने एसएसपी को शिकायत पत्र देकर बताया था कि रात लगभग 11 बजे वह थाने पर ड्यूटी पर तैनात थे। दो पक्ष शिकायत लेकर थाने पहुंचे। इसी दौरान थाने पर तैनात सिपाही आ गया। वह शराब के नशे में धुत था। उसने थाने पर मौजूद फरियादियों को पकड़कर हवालात में डालना शुरू कर दिया। दारोगा ने ऐसा करने से मना किया। कहा कि पहले दोनों पक्ष बात सुनने दो। इसी बीच सिपाही आग बबूला हो गया। वह दारोगा के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट करने पर आमादा हो गया। कहा कि उसका स्थानांतरण सहसवान हो गया है, लेकिन उसे कोई हटा नहीं सकता। पुलिसकर्मियों ने बीच बचाव कराया था। दारोगा ने थाना प्रभारी और एसएसपी से शिकायत की थी। जिसपर शुक्रवार सीओ सिटी ने थाने पहुंचकर जांच की। दारोगा और अन्य पुलिसकर्मियों से जानकारी की और एसएसपी का रिपोर्ट सौंपी। जिसके बाद अनुशासनहीनता के आरोपी सिपाही त्रिवेश कुमार गंगवार को एसएसपी डॉ. बृजेश कुमार सिंह ने तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है।

बजरंग दल ने फूंका बांग्लादेश का पुतला

उसावां, अमृत विचार : थाना उसावां क्षेत्र में बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने मुरादाबाद-फर्रुखाबाद राजमार्ग पर प्रदर्शन करके बांग्लादेश के प्रधानमंत्री का पुतला फूंका। बांग्लादेश मुर्दाबाद के नारे लगाए। जो बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे कथित अत्याचारों और हत्याओं के विरोध में किया गया। कहा कि बांग्लादेश में दीपू दास की हत्या और फिर अन्य हिंदू की हत्या की घटना चिंता का विषय है। राष्ट्रीय बजरंग दल के जिला उपाध्यक्ष रितिक हिंदू ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं की लगातार हत्याएं हो रही हैं। सरकार से निवेदन किया कि वह बांग्लादेश में रह रहे हिंदुओं को सुरक्षा प्रदान करने और उन्हें बचाने के लिए आवश्यक कदम उठाए। अतुल बजरंगी, रितिक बजरंगी, रतन गुप्ता, जय नंदन यादव, सुनील बजरंगी, प्रदीप यादव, अंकित तोमर, हरकेश गुप्ता, विजय गुप्ता और शिवांग गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

4.67 लाख की धांधली पर ग्राम प्रधान के अधिकार सीज

संवाददाता, बहजोई

अमृत विचार : ग्राम पंचायत में विकास कार्यों में 4 लाख 67 हजार की धांधली पाई गई। जिसको लेकर डीएम ने ग्राम प्रधान को नोटिस जारी किया था। नोटिस का जवाब सही न देने पर डीएम ने कल रुख अपनाते हुए ग्राम प्रधान के वित्तीय व प्रशासनिक अधिकार सीज कर दिए हैं। अंतिम रिपोर्ट के लिए एडीएम न्यायिक के नेतृत्व में जांच समिति गठित की है।

पंवासा विकासखंड के गांव की ग्राम पंचायत मुजाहिदपुर में विकास कार्यों में धांधली करने को लेकर ग्रामीणों ने डीएम से शिकायत की थी। डीएम ने तीन सदस्य जांच समिति गठित की थी। जांच समिति ने जांच में 4 लाख 67 हजार 608 रुपए का गलत भुगतान करने की अनियमितता पाई गई। जिसको लेकर डीएम ने ग्राम प्रधान माया देवी को कारण बताओ नोटिस जारी किया था जिसका उत्तर ग्राम प्रधान ने संतोषजनक नहीं दिया। इसके बाद डीएम ने ग्राम प्रधान के वित्तीय एवं प्रशासनिक अधिकारों को प्रतिबंधित कर दिया।

अंतिम जांच के लिए एडीएम न्यायिक, उपनिदेशक कृषि, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग की जांच समिति बनाई। वहीं जांच समिति को अंतिम रिपोर्ट देने के लिए निर्देश दिए हैं। डीपीआरओ चेतेंद्र कुमार ने बताया कि पंवासा विकासखंड की ग्राम पंचायत में विकास कार्यों में चार लाख 6लाख 67 हजार 608 रुपए की वित्तीय अनियमितता पाई गई है। जिसको लेकर ग्राम प्रधान के प्रशासनिक व वित्तीय अधिकार चीज कर दिए गए हैं।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें

9756905552, 8445507002

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा हाई स्कूल वर्ष 2014 अनुक्रमांक 1115577 का अंक सह प्रमाण पत्र वास्तव में कहीं खो गया है। काफी तलाशने के बाद अभी तक नहीं मिला। **शिखा बी पुत्री श्री अब्दुल ताहिर निवासी बरखेड़ा कला पीलीभीत**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा हाई स्कूल 2022 का अंक पत्र अनुक्रमांक 1220838464 एवं इंटरमीडिएट 2024 का अंक पत्र अनुक्रमांक 2245704161 वास्तव में कहीं खो गया है। **सुष्मिता सिंह पुत्री रविराम सिंह निवासी नवीन नगर जलालाबाद शाहजहांपुर।**

CHANGE OF NAME

I, No 2607513F Rank HAV Name Chandan Singh of 21 Madras is hereby state that my daughter name as per my army records is Palavi Singh which was wrongly mentioned in my army records. The correct name of my daughter is Pallavi Singh instead of Palavi Singh. I am presently residing at Vill Dashrajpatti,Maharajganj Post Budhanpur-Teh Azamgarh- Dist. Uttar Pradfesh-State PIN 276137. The both name Palavi Singh and Pallavi Singh pertain to one and the same person and same is mentioned as per aadhar card, School, cert Birth and updated in affidavit declaration date 30 Dec 2025. Advocate and Notary Keshav Ram Tiwari, Shahjahanpur (UP)

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा यूपी बोर्ड हाईस्कूल अनुक्रमांक 0855205 वर्ष 2008 और इंटरमीडिएट अनुक्रमांक 0441834 वर्ष 2010 के अंकपत्र और प्रमाण पत्र वास्तव में कहीं खो गए हैं। **श्वेता बाजपेई पुत्री विजय कुमार बाजपेई निवासी श्याम कन्हैया कॉलोनी गोला गोकर्णनाथ खीरी**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

आवश्यकता है

- कंप्यूटर ऑपरेटर (MS ऑफिस अनिवार्य, Corel Draw अनुभवी को वरीयता)
- नर्स ANM/GNM (Male) ● आयुर्वेदिक परिचारिका
- पंचकर्म थेरेपिस्ट/असिस्टेंट (Male, Female)
- आयुर्वेदिक मेडिकल स्टोर पर कार्य हेतु अनुभवी लड़के/लड़की
- रसोइया ● वार्ड बॉय
- हॉस्टल वार्डन फीमेल
- कैंटीन सुपरवाइजर/मेस सुपरवाइजर

रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल

सेक्टर-7, रामगंगा नगर योजना डोहरा रोड, बरेली

मो. +91-8077808309, 9837357497

न्यूज ब्रीफ

जूडो के ट्रायल में केवल एक ही छात्रा पहुंची

बरेली, अमृत विचार : बरेली कॉलेज में शुक्रवार को रुहेलखंड विश्वविद्यालय की अंतर महाविद्यालयीय पुरुष और जूडो प्रतियोगिता के ट्रायल हुए। जूडो के ट्रायल देने कॉलेज में सिर्फ एक ही छात्रा पहुंची। जूडो प्रतियोगिता का आयोजन विश्वविद्यालय परिसर में शनिवार को होना है।

बरेली कॉलेज में हॉकी के ट्रायल कल

बरेली, अमृत विचार : रुहेलखंड विश्वविद्यालय की महिला हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन 6 जनवरी को ठाकुर रोशन सिंह संघटक महाविद्यालय नवादा दरोबस्त कटरा शाहजहांपुर में किया जाएगा। इसमें भाग लेने के लिए बरेली कॉलेज की टीम का चयन 4 जनवरी को ट्रायल के माध्यम से किया जाएगा। क्रीड़ा सचिव विवेक डागर ने बताया कि सभी खिलाड़ियों को ट्रायल में भाग लेना अनिवार्य है। ट्रायल के समय आवश्यक दस्तावेज लाना भी अनिवार्य है।

हॉकी की सब-जूनियर बालिका टीम चयनित

बरेली अमृत विचार : खेल निदेशालय की ओर से प्रदेश स्तरीय समन्वय सब-जूनियर बालिका हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन 7 से 12 जनवरी तक मेरठ में किया जाएगा। प्रतियोगिता के लिए बरेली की जिला टीम का चयन स्पोर्ट्स स्टेडियम में शुक्रवार को ट्रायल के माध्यम से किया गया। टीम में अंशिका गोले, रागिनी कश्यप, प्रियांशी, भेष्टी, वैष्णवी कश्यप, समीक्षा, गुंजन का चयन किया गया। बरेली मंडल की टीम का चयन सोमवार किया जाएगा।

माफी मांगते हुए बोले थे श्याम बिहारी, अब लेट नहीं आऊंगा ...

बैठक में हंसी मजाक में सहयोगी विधायक डॉ. डीसी वर्मा ने फरीदपुर विधायक से कहा था, यार तुम लेट आते हो, डांट मेरी पड़ती है

कार्यालय संवाददाता, बरेली

सर्किट हाउस में आयोजित बैठक में जनप्रतिनिधि और अधिकारी। ● अमृत विचार

अमृत विचार : सर्किट हाउस में आयोजित बैठक में हंसी मजाक की ऐसी बातें भी हुईं, जो वहां मौजूद रहने वाले जनप्रतिनिधियों को डॉ. श्याम बिहारी लाल के बारे में लंबे समय तक याद दिलाती रहेंगी।

दरअसल, कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह की ओर से प्रस्तावित विकास कार्यों और कानून व्यवस्था के संबंध में बुलाई गई बैठक में फरीदपुर विधायक डॉ श्याम बिहारी लाल कुछ देर से पहुंचे थे। सभी जनप्रतिनिधि उनके आने का इंतजार कर रहे थे। वह करीब 12.30 बजे सर्किट हाउस में बैठक में पहुंचे थे। बैठक में पहुंचते ही सबसे पहले उनके सहयोगी मीरगंज विधायक डॉ. डीसी वर्मा ने कहा, यार तुम लेट आते हो, डांट मेरी पड़ती है, इस पर विधायक डॉ श्याम बिहारी लाल ने मजाकिया अंदाज में डॉ डीसी वर्मा को भाई साहब कहते हुए कहा कि वादा करता हूं अब बैठक में लेट नहीं आऊंगा, इस बात पर कैबिनेट मंत्री धर्मपाल हंसकर रह गए। बैठक में हंसी मजाक के यह वे पल थे, जिनमें सभी खुलकर हंसे, लेकिन किसी को ऐसा आभास नहीं था कि इस बैठक के बाद ऐसा कुछ हो जाएगा कि जो इन पलों की हमेशा याद दिलाएगा। पुलिस प्रशासनिक अफसरों के साथ बैठक हुई, करीब पौने दो बजे भोजन हुआ। भोजन पंडाल में भी डॉ डीसी वर्मा ने डॉ श्याम बिहारी लाल को लेकर मंत्री धर्मपाल से कहा कि विधानसभा में मेरी और डॉ. श्याम बिहारी की सीट अगल-बगल है।

डॉ श्याम बिहारी को हार्ट अटैक आने से बेखबर रहे तमाम नेता : बरेली : सर्किट हाउस में भोजन के दौरान वनमंत्री डॉ अरुण कुमार सहित कई विधायक और भाजपा के पदाधिकारी सर्किट हाउस से चले आए थे। इस वजह से बैठक में मौजूद रहे तमाम जनप्रतिनिधि और कई पुलिस प्रशासनिक अधिकारी भी विधायक डॉ श्याम बिहारी लाल को हार्ट अटैक आने से काफी देरर तक बेखबर थे। भोजन के बाद कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी अपने गंतव्य के लिए निकल गए थे। 3 बजे के बाद विधायक को हार्ट अटैक आने की सूचना जनप्रतिनिधियों को मिली तब सब अस्पताल की तरफ दौड़े। हॉस्पिटल में सांसद छत्रपाल गंगवार, भाजपा जिलाध्यक्ष आंवला आदेश प्रताप सिंह आदि जनप्रतिनिधियों के अलावा जिलाधिकारी अविनाश सिंह, एसएसपी अनुराग आर्य सहित कई अधिकारी पहुंच गए थे।

विधायक ने बैठक में उठाए थे मुद्दे : बैठक के दौरान विधायक प्रो. श्याम बिहारी लाल ने अहिच्छत्र क्षेत्र के गुलड़िया गौरी शंकर मंदिर, पचौमी के मंदिर को पर्यटन में जोड़ने के साथ नाथ कॉरिडोर को लेकर कई सुझाव दिए। बताते हैं कि उन्होंने कहा कि बरेली में पर्यटन की दृष्टि से कोई बुकलेट बननी चाहिए। उसमें प्राचीन शिव मंदिरों के साथ ही प्राचीन अहिच्छत्र औरअन्य मंदिरों को भी शामिल करें, कई सुझावों की सराहना भी की गयी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बोले- पार्टी को अपूरणीय क्षति हुई है

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने एक्स हैंडल पर त्रिशूल एयरफोर्स में डॉ श्याम बिहारी लाल के साथ वाला एक फोटो शेयर करते हुए लिखा है कि फरीदपुर के विधायक डॉ. श्याम बिहारी लाल जी के निधन से अत्यंत दुख हुआ। वे जनहित में समर्पित भाजपा के एक कर्मठ नेता थे, जिनके जाने से पार्टी को अपूरणीय क्षति हुई है। शोक की इस घड़ी में उनके परिजनों और समर्थकों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। ओम शांति!

मुख्यमंत्री ने एक्स हैंडल पर लिखा- आकस्मिक निधन अत्यंत दुःखद है

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा है कि फरीदपुर विधानसभा क्षेत्र से माननीय विधायक डॉ. श्याम बिहारी लाल जी का आकस्मिक निधन अत्यंत दु:खद है। विनम्र श्रद्धांजलि। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान एवं शोकाकुल परिजनों को यह अथाह दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। वहीं, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने एक्स पर लिखा, फरीदपुर विधानसभा क्षेत्र से विधायक डॉ. श्याम बिहारी लाल जी के आकस्मिक निधन का समाचार अत्यंत दु:खद है।

प्रो. श्याम बिहारी का जाना विवि के लिए भारी क्षति

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : फरीदपुर के भाजपा विधायक एवं रुहेलखंड विश्वविद्यालय के प्राचीन इतिहास एवं संस्कृति विभाग के अध्यक्ष प्रो. श्याम बिहारी लाल का जाना विश्वविद्यालय के भारी क्षति है। वह विश्वविद्यालय में 25 साल से कार्यरत थे। उनके निधन से विश्वविद्यालय के अधिकारियों, शिक्षकों और कर्मचारियों में शोक की लहर दौड़ गई है। मीडिया प्रभारी डॉ. अमित सिंह ने बताया कि शोक सभा का आयोजन शनिवार को प्रशासनिक भवन में किया जाएगा।

प्रो. श्याम बिहारी ने इतिहास विभाग में सन 2000 में ज्वाइन किया था और जून 2028 तक उनका कार्यकाल रहना था। विश्वविद्यालय में पदभार ग्रहण करने से पहले वह पलिया, सोनभद्र और बीसलपुर में राजकीय डिग्री कॉलेज में शिक्षक रहे। विश्वविद्यालय में कार्यकाल के दौरान कई अहम पदों पर जिम्मेदारी निभाई। वर्तमान में प्राचीन इतिहास एवं संस्कृति विभाग में विभागाध्यक्ष बनने से पहले दो बार संकायाध्यक्ष भी रह चुके थे। विश्वविद्यालय की कार्य परिषद और विद्या परिषद के भी सदस्य की जिम्मेदारी निभाने वाले श्याम बिहारी लाल पांचाल संग्रहालय के संयोजक भी रहे। पूर्व में बीडीए छात्रावास के वार्डन भी रहे। वह अवैतनिक पुस्तकालय अध्यक्ष भी थे। इसके अलावा कई समितियों में भी शामिल थे। वह पहले विश्वविद्यालय परिसर में ही कुलसचिव के सामने बनी प्रोफेसर कॉलोनी में रहते थे। करीब डेढ़ साल पहले सुरेश शर्मा नगर के पास निजी आवास में रहने लगे थे।

> प्रो. श्याम बिहारी का जाना व्यक्तिगत और विश्वविद्यालय के बड़ी क्षति है। वह अपने विभाग, विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के बीच अत्यंत लोकप्रिय थे। उनके आकस्मिक निधन पर वह और विश्वविद्यालय परिवार अपनी शोक संवेदना व्यक्त करता हैं। दुख की इस घड़ी में ईश्वर परिवार को इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति दे ऐसी प्रार्थना करते हैं।
>
> -**डॉ. अमित सिंह**, मीडिया प्रभारी

> प्रो. श्याम बिहारी से मेरा शिक्षा के समय से जुड़ाव रहा है। वह उनके साथ पढ़े हैं, हालांकि विभाग अलग-अलग था। वह बहुत ही हंसमुख मिजाज थे। उन्हें कभी घमंड नहीं रहा, जबकि वह एक क्षेत्र के विधायक थे। उनका जाना व्यक्तिगत और विश्वविद्यालय के लिए बड़ी क्षति है।
>
> -**प्रो. आलोक** श्रीवास्तव

> विभाग में साथ होने की वजह से प्रो. श्याम बिहारी से मेरा 25 साल से रिश्ता रहा है। वह पूर्व संकायाध्यक्ष भी रह चुके थे। वह काफी मिलनसार थे। उनके साथ कई यादें जुड़ी हुई हैं। उनका स्वभाव काफी अच्छा था। उनका जाना काफी दुखदायी है। विभाग के साथ विश्वविद्यालय परिवार के लिए बड़ी क्षति है।
>
> -**प्रो. विजय बहादुर**, संकायाध्यक्ष

किसान सहकारी चीनी मिल्स लि0, सम्पूर्णानगर-खीरी

अल्प-कालीन निविदा सूचना

केवल अनुभवी ठेकेदारों से इस मिल समिति में अल्प-कालीन निविदा दिनांक 08.01.2026 तक आमंत्रित की जाती है।

क्रम0 सं0	कार्य का विवरण	धरोहर धनराशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य
1	मिल गेट से ए.डी. ब्लॉक तक इंटर लॉकिंग टाइल द्वारा सड़क का निर्माण कार्य।	रू0 20000/-	रू0 590/-
2	गोदाम संख्या 2, 3, 4 के क्षतिग्रस्त प्लास्टर एवं मारम्मत का कार्य।	रू0 18000/-	रू0 590/-

उक्त कार्यों की नियम व शर्तें निविदा प्रपत्र पर अंकित हैं निविदा प्रपत्र किसी भी कार्य दिवस में मिल में धरोहर धनराशि एवं निविदा प्रपत्र मूल्य जमा करने के उपरान्त मिल कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है तथा अधोहस्ताक्षरी को किसी एक अथवा समस्त निविदाओं को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार सर्व सुरक्षित होगा।

प्रधान प्रबन्धक

कार्यालय नगर पालिका परिषद-बदायूं

पत्रांक: 1104/27-60/2025-26 दिनांक: 01.01.2026

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

समस्त पंजीकृत ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि 15वां वित्त आयोग मद वर्ष 2023-24 में बुनियादी अनुदान की प्रथम व द्वितीय किश्त/अवस्थापना विकास निधि/निर्दिष्ट अनुदान की प्रथम व द्वितीय/राज्य वित्त आयोग/ पालिका निधि मद में प्राप्त स्वीकृति के कुल 25 कार्य की निविदायें ई-टेण्डर वेबसाइट www.etender.up.nic.in पर दिनांक 03.01.2026 को समय 10 बजे से दिनांक 23.01.2026 को समय 05 बजे तक उपलब्ध रहेगी। जोकि कार्यालय समय में दिनांक 24.01.2026 का प्रात: 11 बजे सक्षम समिति के द्वारा खोली जायेगी। E-Tender Technical and Financial bid से सम्बन्धित समस्त शर्तो व विवरण की जानकारी ई-टेण्डर वेबसाइट www.etender.up.nic.in पर की देखी जा सकती है।

विनय कुमार मणि त्रिपाठी, अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद, बदायूं — **फात्मा रज़ा**, अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद, बदायूं

कार्यालय नगर पंचायत गुलड़िया भिण्डारा-पीलीभीत

पत्रांक: 115/न.पं.मु.मि./2025-26 दिनांक: 02.01.2026

(पुनः ई-निविदा सूचना)

समस्त ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय आदर्श नगर पंचायत योजना के अन्तर्गत शासनादेश सं.- 1940/9-8-2025-1681633 नगर विकास अनुभाग-8 लखनऊ दिनांक- 28 अगस्त 2025 के रूप में नगर पंचायत गुलड़िया भिण्डारा पीलीभीत को वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु प्राप्त धनराशि से अवस्थापना सुविधाओं तथा पेयजल, सैपटेज मैनेजमेन्ट, सड़क साइड पटरी, जल निकासी, फुटपाथ, सार्वजनिक शौचालयों, तालाब संरक्षण एवं सौन्दर्यकरण, चौराहों का निर्माण, खेल मैदान का निर्माण/सुधार सामुदायिक केन्द्र, गौशाला का निर्माण आदि सार्वजनिक सुविधाओं का सृजन कर नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण सुविधाओं को प्रदान करने तथा नगर को समेकित एवं नियोजिक विकास को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से पंडित दीनदयाल उपाध्याय आदर्श नगर पंचायत योजना हेतु निर्माण कार्य की निविदा आमंत्रित की जाती है। जिसके लिये ई-निविदा प्रपत्र/कार्य का विवरण/शर्ते उ.प्र. की ई-प्रक्योरमेंट की वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

हरिपाल (अधिशासी अधिकारी), नगर पंचायत गुलड़िया भिण्डारा पीलीभीत — **निशांत प्रताप सिंह (अध्यक्ष)**, नगर पंचायत गुलड़िया भिण्डारा पीलीभीत

फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र से ठेका हथियाने की कोशिश नाकाम

बरेली, अमृत विचार : नगर निगम ने फर्जीवाड़े की साजिश को बेनकाब कर पीडब्ल्यूडी में ठेका हथियाने की कोशिश नाकाम कर दी है। विभागीय जांच में खुलासा हुआ बरेली की डीए एसोसिएट्स फर्म ने लोक निर्माण विभाग बदायूं के निर्माण खंड की निविदा में अपने अनुभव के तौर पर नगर निगम का तीन मार्च 2023 को जारी फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र अपलोड किया था। सत्यापन में पाया गया जिस कार्य का अनुभव इसमें दिखाया गया है, वह न तो निगम से मंजूर था और न ही एजेंसी ने कभी इस पर काम किया। यही नहीं, एजेंसी ने अधिकारी के फर्जी हस्ताक्षर बनाकर इस दस्तावेज को तैयार किया। नगर निगम में इसे गंभीर आपराधिक कृत्य माना और कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए ठेकेदार से पांच दिन में जवाब मांगा है। एक्सईएन राजीव कुमार राठी ने बताया कि बदायूं के पीडब्ल्यूडी निर्माण खंड के एक्सईएन ने पिछले दिनों निविदा आमंत्रित की थी।

दलित नाबालिग का अपहरण कर निर्वस्त्र कर पीटा, वीडियो वायरल, एफआईआर

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- किशोर की मां ने पांच आरोपियों के खिलाफ दर्ज कराई रिपोर्ट
- कैंट थाना पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू की

अमृत विचार : कैंट थाना क्षेत्र में दबंगों ने नाबालिग दलित को उसके घर के पास से अपहरण कर लिया। इसके बाद चनेहटा रोड के किनारे तालाब के पास ले जाकर निर्वस्त्र कर बुरी तरह से पिटाई की। मारपीट के दौरान आरोपियों ने तमंचे और चाकू के बल नाबालिग को निर्वस्त्र कर दिया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। नाबालिग की मां ने पांच दबंगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

थाना क्षेत्र के सदर बाजार स्थित वाल्मीकि मोहल्ले के रहने वाली महिला ने बताया उसके पति मजदूरी करते हैं। जबकि, वह एक प्राइवेट स्कूल में काम करती है। नाबालिग की मां ने पुलिस को बताया कि 31 दिसंबर की रात उसका 16 वर्षीय बेटा घर के पास टहल रहा था। आरोप है कि आहिर मोहल्ला का रहने वाला मुकुल यादव, सुभाष यादव उर्फ एडी, सुल्तान, आयुष और बासु उसके घर के पास पहुंचे। जहां बेटे को जबरन बाइक पर बिठा कर अपने साथ चनेहटा रोड स्थित बने तालाब के पास ले गए। तमंचे और चाकू के दम पर नाबालिग युवक को बुरी तरह से पीटा गया। आरोपियों ने मारपीट कर उसको निर्वस्त्र कर दोबारा से उसकी पिटाई लगाई और घटनाक्रम का पूरा वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।

इस दौरान नाबालिग किसी तरह अपना नेकर आरोपियों से छीनकर मौके से भागकर अपनी जान बचाया। घर पहुंचकर परिजनों को जानकारी दी। पीड़ित की मां की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। चर्चा है कि नाबालिग की मुकुल यादव से कुछ दिन पहले ही इंस्टाग्राम पर किसी बात को लेकर मामूली कहासुनी हुई थी। इस पर मुकुल यादव ने उसे 15 जनवरी तक जान से मारने की धमकी दी थी। इसके बाद से ही दबंग नाबालिग की तलाश कर रहे थे।

चैंबर में घुसकर अधिवक्ता पर की थी फायरिंग

नाबालिग दलित युवक को निर्वस्त्र कर पीटने और उसकी वीडियो बनाने के मामले का आरोपी सुल्तान बीते साल जनवरी माह में कचहरी में पहुंचकर अधिवक्ता राजाराम सोलंकी पर फायर कर दिया था। पहला फायर मिस होने पर दूसरा फायर किया गया था। जो दीवार में जाकर लगा था। आरोपी तीसरा फायर करना चाह रहा था। इस दौरान अधिवक्ताओं ने उसे दबोच लिया था। इसके बाद वकीलों ने पीटकर कोतवाली पुलिस के हवाले कर दिया था।

फिल्मी स्टाइल में मुठभेड़ घायल गो-तस्कर गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : इज्जतनगर पुलिस ने थाना क्षेत्र स्थित सहारा ग्राउंड में फिल्मी स्टाइल में गो-तस्कर को मुठभेड़ में घायल होने के बाद मौके से गिरफ्तार कर लिया। उधर अंधेरे का फायदा उठा कर उसका साथी भागने में सफल रहा। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मोहल्ला कस्सावान, कस्बा फरीदपुर निवासी फैजान के रूप में हुई। पुलिस फरार आरोपी पीरबहोड़ा निवासी आसिफ की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है। पुलिस ने बदमाश को गिरफ्तार करने का एक वीडियो भी जारी किया है, जिसमें कुछ पुलिसकर्मी दौड़ते हुए बदमाश को पकड़ रहे हैं।

इज्जतनगर थाना प्रभारी बिजेन्द्र सिंह ने बताया कि शुक्रवार सुबह 7:40 बजे पुलिस की एक टीम शांति व्यवस्था के मद्देनजर संदिग्ध वाहनों का चेकिंग कर रही थी। ग्राम मुड़िया अहमदनगर से सैदपुर चुन्नीलाल की तरफ जाने वाले रास्ते पर टीम पहुंची थी कि सैदपुर बाग पुलिस बूथ की तरफ से एक स्कूटी पर सवार दो व्यक्ति आते हुए दिखाई दिए। दोनों पुलिस टीम को देखकर सहारा ग्राउंड की तरफ मुड़कर भागने का प्रयास करने लगे। शक होने पर पुलिस ने पीछा किया तो हड़बड़ाहट में स्कूटी सहित गिर गए। इस बीच खुद को घिरता देख तमंचा निकाल कर पुलिस पर फायरिंग करना शुरू कर दी, जिससे मुख्य आरक्षी धनीश घायल हो गए। पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई में गोली चलाई जो फैजान के पैर में जा घुसी, जबकि, उसका साथी आसिफ मौके से भागने में सफल रहा। पुलिस ने आरोपियों पर हत्या के प्रयास की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की है। पुलिस ने एक तमंचा, दो खोखा कारतूस, दो जिंदा कारतूस बरामद किया।

> पुलिस पर फायरिंग करने वाले बदमाश को मुठभेड़ में गिरफ्तार किया गया है, जबकि उसका साथी मौके से फरार हो गया है। जिसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।
>
> -**मोहम्मद अकमल खान**, एसपी ट्रैफिक

सेवानिवृत्त सैनिक से 9.8 लाख की ठगी

बरेली, अमृत विचार : फरीदपुर थाना क्षेत्र निवासी सेवानिवृत्त फौजी को महिला साइबर ठग ने सैन्य अधिकारी बताकर 9.8 लाख रुपये ठग लिए। साइबर ठग ने फोन कर इलाज के बहाने ठगी की और अपना मोबाइल फोन बंद कर लिया। पीड़ित की तहरीर पर साइबर क्राइम पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। फरीदपुर की ताज कालोनी, बुखारा रोड निवासी राम प्रताप के मुताबिक वह सेवानिवृत्त सैनिक हैं। आरोप है कि कुछ दिनों पहले उनके मोबाइल फोन पर एक महिला ने फोन किया। फोन उठते ही उसने खुद को अधिक मुसीबत में और बीमार होने का ड्रामा किया। इतना ही नहीं प्रभाव में लेने के लिए उसने खुद को सेना में तैनात अधिकारी बताया। उसके झांसे में आकर उन्होंने उसके बताए गए बैंक खातों में अलग-अलग कर 9.8 लाख रुपये भेज दिए। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

बरेली कॉलेज में परीक्षा के बीच बजे पटाखे और हूटर

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : जिम्मेदारी पद की मर्यादा सिखाती है, लेकिन बरेली कॉलेज में शुक्रवार को इसका ठीक उलटा नजारा देखने को मिला। अधिवेशन के बाद एबीवीपी के प्रांत मंत्री बनकर पहली बार बरेली कॉलेज लौटे आनंद कठेरिया के स्वागत में समर्थकों ने कॉलेज में परीक्षा के दौरान पटाखे बजाकर और हूटर की तेज आवाज से अनुशासन की धज्जियां उड़ा दीं। वही, प्रॉक्टोरियल बोर्ड इस सबको तमाशबीन बन कर देखता रहा।

बरेली कॉलेज में शुक्रवार को विश्वविद्यालय की सेमेस्टर परीक्षाएं नियमित चल रही थी। इसी दौरान एबीवीपी के कार्यकर्ता और आनंद कठेरिया अपने समर्थकों के साथ बड़ी संख्या में कॉलेज परिसर में पहुंचे। कॉलेज पहुंच कर स्वामी विवेकानंद की मूर्ति पर माल्यार्पण किया। इसके बाद एबीवीपी कार्यकर्ता ने गाड़ियों को कॉलेज परिसर में काफीले के रूप में निकालते हुए गाड़ियों के हूटर बजाए। वहीं, प्रॉक्टोरियल बोर्ड के सदस्यों के सामने ही पटाखे चलाए। कॉलेज परिसर हूटर और पटाखों की आवाज से गूंज उठा। परीक्षा कक्षों तक शोर पहुंचने से छात्रों का ध्यान भंग हुआ और कई छात्र असहज होते दिखे। कॉलेज प्रशासन की ओर से परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार के शोर-शराबे पर रोक के स्पष्ट निर्देश हैं। इसके बावजूद एबीवीपी के प्रांत मंत्री का स्वागत जुलूस बेधड़क परीक्षा कक्षों के पास से गुजरा।

परीक्षा देकर निकल रहे कुछ छात्रों ने खुलकर नाराजगी जताते हुए कहा कि एक ओर हमसे अनुशासन और समयबद्धता की अपेक्षा की जाती है, दूसरी ओर राजनीतिक स्वागत में नियमों को ताक पर रख दिया जाता है। वहीं, प्रोक्ट्रोरियल बोर्ड के सदस्य वाहनों के हूटर बजाने और पटाखों को फोड़ने से रोकने की बजाय तमाशबीन बने देखते रहे।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
बरेली वृत लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक : 12394/453सी0(ई0टेण्डर)-3/2025-26 दिनांकः 23.12.2025

ऑन-लाइन निविदा आमंत्रण सूचना

1-महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बरेली वृत, लो0नि0वि0, बरेली के द्वारा निर्माण खण्ड-1 लो0नि0वि0, बरेली के कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार लो0नि0वि0 में पंजीकृत ठेकेदारों/फर्मो से मदवार दरों पर ई-निविदा दिनांक 07.01.2026 से दिनांक 22.01.2026 की मध्यान्ह 12.00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। निविदा की तकनीकी बिड दिनांक 22.01.2026 को अपरान्ह 12.30 बजे ऑन-लाइन खोला जाना प्रस्तावित किया गया हैः-

क्र0 सं0.	कार्य का नाम	खण्ड का नाम	अनुमानित लागत (रू0 लाख में)	05 वर्षीय अनुरक्षण की लागत (रू0लाख)	कुल लागत (रू0लाख)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	कार्य पूर्ण करने अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य((निविदा शुल्क+ स्टेशनरी+ जी0एस0टी	ठेकेदारो की पात्रता श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
01	वित्तीय वर्ष 2025-26 मे आंवला रेलवे पोषक मार्ग (अ0जि0मा0) में चौडीकरण एव सुदृढीकरण का कार्य। (05 वर्ष के अनुरक्षण सहित)	निर्माण खण्ड-1, लो0नि0वि0,बरेली	794.30	19.86	814.16	16.29	09 माह	2725.00	ए (मार्ग कार्य)

2- निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

UP - 243389 दिनांकः 01/01/2026 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(राजीव अग्रवाल) अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड-1,लो0नि0वि0,बरेली — (प्रकाश चन्द्र) अधीक्षण अभियन्ता बरेली वृत, लो0नि0वि0,बरेली

फुटबॉल : अरमान क्लब ने 5-2 से जीता फाइनल मुकाबला

संवाददाता, सम्पूर्णानगर

जीत के बाद ट्रॉफी दिखाते खिलाड़ी। ● अमृत विचार

- लियो स्पोर्ट्स क्लब और अरमान क्लब के बीच खेला गया फाइनल मुकाबला

अमृत विचारः नव वर्ष के अवसर पर नशा मुक्ति अभियान के तहत क्षेत्र के जूनियर खिलाड़ियों द्वारा कस्बे के आदर्श केन ग्रोवर स्कूल मैदान में एक दिवसीय डे-नाइट फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता की शुरुआत दिन में हुई, जो शाम होते-होते लाइट की व्यवस्था के साथ डे-नाइट मुकाबलों में तब्दील हो गई। फाइनल मुकाबला लियो स्पोर्ट्स क्लब और अरमान क्लब के बीच खेला गया, जिसमें अरमान क्लब ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए 5-2 से जीत दर्ज कर प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम किया।

पहला मैच टीचर्स कॉलोनी और लियो स्पोर्ट्स क्लब के बीच खेला गया। पहले हाफ में लियो स्पोर्ट्स क्लब 2-1 से आगे रही, लेकिन दूसरे हाफ में टीचर्स कॉलोनी के खिलाड़ी सिद्धार्थ ने दो और विशाल ने एक गोल दागकर मैच 3-2 से अपने नाम कर लिया। इस दौरान युवा जनहित सेवा समिति के अध्यक्ष आलोक प्रताप सिंह और मनीष शर्मा ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साह बढ़ाया। गुरुवार देर शाम सेमीफाइनल मुकाबला टीचर्स कॉलोनी और लियो स्पोर्ट्स क्लब के बीच खेला गया, जिसमें लियो स्पोर्ट्स क्लब के खिलाड़ी रियान ने एकमात्र गोल कर अपनी टीम को 1-0 से जीत दिलाई और फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल मुकाबला लियो स्पोर्ट्स क्लब और अरमान क्लब के बीच खेला गया, जिसमें अरमान क्लब ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए 5-2 से जीत दर्ज कर प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम किया।

मुख्य अतिथि के युवा जनहित सेवा समिति के अध्यक्ष आलोक प्रताप सिंह और पूर्व खिलाड़ी संजय शर्मा मौजूद रहे। अतिथियों ने जूनियर खिलाड़ियों द्वारा आयोजित प्रतियोगिता की सराहना करते हुए कहा कि आज के समय में बच्चों को मोबाइल और नशे की लत से दूर रखने के लिए खेल, व्यायाम और शिक्षा की ओर प्रेरित करना बेहद जरूरी है। उन्होंने युवाओं से नशा और ऑनलाइन गेमिंग से दूरी बनाने की अपील की।

विजेता और उपविजेता टीमों को अतिथियों ने मेडल और शील्ड देकर सम्मानित किया। इस दौरान संजय शर्मा, मनीष शर्मा, अतुल शर्मा, छोटे लाल, नरेश, दुर्गेश सहित आफताब, अरमान और बड़ी संख्या में खेल प्रेमी मौजूद रहे।

बसही टीम ने कमेटी को हराकर फाइनल में बनाई जगह

संपूर्णानगर, अमृत विचार : डॉ. भीमराव अंबेडकर क्रिकेट टूर्नामेंट के छठे दिन शुक्रवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में बसही कॉलोनी क्रिकेट टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टूर्नामेंट कमेटी की टीम को पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया। मैच के मुख्य निर्णायक देवेंद्र सिंह रहे। टॉस जीतकर बसही टीम ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। इसके बाद निर्धारित 12 ओवरों में बसही टीम ने 118 रन का लक्ष्य खड़ा किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी कमेटी की टीम बसही गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी और पूरी टीम मात्र 72 रन ही बना पाई। इस तरह बसही टीम ने सेमीफाइनल मुकाबला जीतकर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। खिलाड़ियों के शानदार खेल से मैदान पर मौजूद दर्शकों में खासा उत्साह देखने को मिला। सेमीफाइनल मैच के मुख्य अतिथि खजुरिया व्यापार मंडल के अध्यक्ष ऋषिकेश सिंह ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया और खेल भावना के साथ बेहतर प्रदर्शन की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान केके सिंह, संजय गुप्ता, विश्वनाथ पाल, रियाज अली, प्रदीप कुमार राजन, मोंटी सिंह, अंकित, पूर्व कप्तान अतुल शर्मा, आर्मी मैन तिलक राज, अजय गुप्ता, आलोक सिंह सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

विधायक के निधन पर जताया शोक

अमृत विचार, लखनऊ : विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना ने बरेली की फरीदपुर विधानसभा सीट से विधायक प्रो. श्याम बिहारी लाल के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि प्रो. श्याम बिहारी लाल दो बार विधानसभा सदस्य निर्वाचित होकर जनसेवा में सक्रिय रहे। उनकी सरलता, सौम्य व्यवहार और कर्मठता के कारण वे जनमानस में विशेष सम्मान रखते थे। उनका निधन प्रदेश की राजनीति और सामाजिक जीवन के लिए अपूरणीय क्षति है। उधर, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी एवं प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने भी गहरा शोक व्यक्त किया। पंकज चौधरी ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को श्रीचरणों में स्थान देने तथा शोकाकुल परिजनों को संबल प्रदान करने की प्रार्थना की।

एमकेएसवाई के लिए धनराशि स्वीकृति

अमृत विचार, लखनऊ : महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना (एमकेएसवाई) के अंतर्गत केंद्र सरकार से जारी केंद्रांश धनराशि के सापेक्ष राज्यांश की धनराशि कुल मिलाकर 9 करोड़ 99 लाख 60 हजार रुपये की स्वीकृति प्रदान की गयी है। इस सम्बन्ध में आवश्यक शासनादेश ग्राम्य विकास विभाग द्वारा जारी कर दिया गया है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की ओर से सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि स्वीकृत धनराशि का व्यय निर्धारित दिशा-निर्देशों व गाइडलाइन के अनुरूप समय से किया जाय, इसमें किसी प्रकार की शिथिलिता क्षम्य नहीं होगी।

मदरसा बोर्ड की वार्षिक परीक्षाएं 9 फरवरी से

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. मदरसा बोर्ड की वार्षिक परीक्षाएं 9 फरवरी से 14 फरवरी तक होंगी। बोर्ड ने अरबी फारसी मुंशी-मौलवी (सेकेण्डरी) और आलिम (सीनियर सेकेण्डरी) की बोर्ड परीक्षा का शेड्यूल जारी कर दिया है। परीक्षा दो पालियों में होगी और छह दिनों में परीक्षा पूरी हो जाएगी। 9 फरवरी को पहली पाली में सुबह 8 से 9 बजे की पाली में थियोलॉजी (शिया/सुन्नी) सभी स्तरों के लिए। वहीं दूसरी पाली दोपहर दो पांच बजे में भी थियोलॉजी (शिया/सुन्नी) सभी स्तरों के लिए परीक्षा होगी। 10 फरवरी को फारसी साहित्य (मुंशी/आलिम फारसी) और अरबी साहित्य (मौलवी/आलिम अरबी), 11 फरवरी को उर्दू साहित्य विषय की परीक्षा सभी के लिए, 12 फरवरी को सामान्य अंग्रेजी विषय की परीक्षा सभी स्तरों के लिए, 13 फरवरी को सामान्य हिंदी (मुंशी/मौलवी/आलिम अरबी) और सामान्य अंग्रेजी (आलिम फारसी) एवं 14 फरवरी गणित/होम साइंस, लॉजिक एंड फिलॉसफी, सोशल स्टडीज, साइंस, टिब/टाइपिंग/जनरल साइंस आदि विषय की परीक्षा होगी।

बीते वर्ष 4 लाख कम हुए चालान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- योगी सरकार का ट्रैफिक अवेयरनेस मंत्र हिट

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग द्वारा चलाए गए निरंतर सड़क सुरक्षा और ट्रैफिक जागरूकता अभियानों का सकारात्मक असर सामने आया है। वर्ष 2024 की तुलना में वर्ष 2025 में ट्रैफिक नियम उल्लंघन के मामलों में लगभग चार लाख की कमी दर्ज की गई है, जो आमजन में बढ़ती ट्रैफिक जागरूकता को दर्शाता है।

परिवहन विभाग की समीक्षा बैठक में अधिकारियों ने बताया कि वर्ष 2024 में जहां कुल 17,58,930 चालान दर्ज किए गए थे, वहीं वर्ष 2025 में यह संख्या घटकर 13,78,919 रह गई। इस दौरान विभिन्न प्रवर्तन कार्रवाइयों से लगभग 454.49 करोड़ रुपये की वसूली की गई। विभाग का मानना है कि सीसीटीवी कैमरों, ई-चालान प्रणाली और डिजिटल निगरानी ने नियम पालन को प्रभावी बनाया है।

वर्ष 2025 में सबसे अधिक 6,32,901 चालान हेल्मेट न पहनने के मामलों में किए गए। इसके अलावा 1,33,189 चालान सीट बेल्ट उल्लंघन, 3,30,171 ओवरस्पीडिंग, 3,611 ड्रिंक एंड ड्राइव और 56,079 रॉन्ग साइड ड्राइविंग के मामलों में दर्ज हुए। वहीं 14,535 ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित किए गए। व्यावसायिक वाहनों में ओवरलोडिंग के 54,923 मामले सामने आए, जबकि स्पीड लिमिट डिवाइस न लगाने के 20,431 प्रकरण दर्ज किए गए।

वर्ष 2026 में परिवहन विभाग डिजिटल निगरानी और जन-जागरूकता अभियानों को और तेज करेगा। इसकी शुरुआत 1 जनवरी से राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के साथ हो चुकी है।

सरकार और प्रशासनिक अमले की बदलेगी तस्वीर

पंचायत चुनाव से पहले मंत्रिमंडल में फेरबदल की तैयारी, मिशन-27 के लिए तय होंगी प्राथमिकताएं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रशासनिक ढांचे में इस वर्ष हो सकता है बड़ा परिवर्तन
- कई वरिष्ठ अधिकारी होंगे सेवानिवृत्त बनेगी फेरबदल की स्थिति

अमृत विचार: इस वर्ष उप्र. सरकार और प्रशासनिक अमले की तस्वीर बदल जाएगी। प्रदेश में पंचायत चुनाव और विधानसभा चुनाव से पहले मंत्रिमंडल में भी फेरबदल की तैयारी है। जहां नये मंत्रियों के साथ मिशन-27 को लेकर प्राथमिकताएं तय होंगी वहीं, प्रशासनिक ढांचे में भी इस वर्ष बड़ा परिवर्तन देखने को मिलेगा। दरअसल, पूरे वर्ष में 34 वरिष्ठ आईएएस अधिकारी सेवानिवृत्ति की आयु सीमा पूरी करेंगे। ऐसे में शासन के महत्वपूर्ण पदों पर व्यापक फेरबदल की स्थिति बनेगी।

फिलहाल माना जा रहा है कि मकर संक्रांति के बाद योगी मंत्रिमंडल में फेरबदल की तैयारी है। इसके साथ ही भाजपा की नई प्रदेश कार्यकारिणी का गठन भी होगा। ऐसे में संगठन और सरकार के बीच अदला-बदली का फार्मूला अपनाया जाना स्वाभाविक परंपरा है। समझा जाता है कि दिल्ली से हरी झंडी मिलते ही फेरबदल संभव है। इसके बाद संगठन के पुनर्गठन और भावी चुनाव को लेकर रणनीतियों पर काम होगा।

सूत्रों के मुताबिक, संगठन में कुछ चेहरों को सरकार में लाया जा सकता है, वहीं सरकार के कुछ मंत्रियों को संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। इस क्रम में निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी का सरकार में शामिल होना प्रमुख है।

दूसरी ओर उत्तर प्रदेश के प्रशासनिक ढांचे में वर्ष 2026 एक बड़े परिवर्तन का साल साबित होगा। पूरे वर्ष में 34 वरिष्ठ आईएएस अधिकारी सेवानिवृत्ति की आयु सीमा पूरी करेंगे, जिसके चलते शासन के महत्वपूर्ण पदों पर व्यापक फेरबदल की स्थिति बनेगी। यह फेरबदल मुख्यमंत्री कार्यालय, गृह, वित्त, राजस्व, स्वास्थ्य, उद्योग, कृषि, शिक्षा समेत लगभग हर प्रमुख विभाग को प्रभावित करेगा।

राजस्व मामलों का मेरिट पर करें निस्तारण : मुख्यमंत्री

बैठक में रोवर आधारित पैमाइश, ऑटो मोड नामांतरण व शीतलहर राहत पर सख्त निर्देश

लखनऊ : अपने सरकारी आवास पर बैठक में राजस्व और पंचायत विभाग के कार्यों की समीक्षा के दौरान अधिकारियों को निर्देश देते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुखयमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजस्व विभाग के कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए शुक्रवार को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी मामलों का निस्तारण केवल मेरिट के आधार पर, पारदर्शी तरीके से और निर्धारित समय-सीमा में किया जाए। उन्होंने कहा कि पैमाइश, नामांतरण, वरासत और आबादी दर्ज करने जैसे मामलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और लंबित प्रकरणों में जवाबदेही तय की जाए।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सभी जिलों में रोवर आधारित पैमाइश प्रणाली को शीघ्र लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इसके लिए रोवर की खरीद, तकनीकी प्रशिक्षण और स्पष्ट कार्य-फ्रेमवर्क तैयार किया जाए। प्रशिक्षण के लिए इंजीनियरिंग कॉलेज, पॉलिटेक्निक और आईटीआई का सहयोग लिया जा सकता है, ताकि प्रणाली जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू हो सके।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि नामांतरण और वरासत के मामलों के लिए ऐसी व्यवस्था विकसित की जाए, जिससे ये प्रक्रियाएं ऑटो मोड पर निस्तारित हों। इससे नागरिकों को समयबद्ध और सुगम न्याय मिलेगा। उन्होंने चकबंदी प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी बनाने, नक्शा आधारित और रोवर पैमाइश को अनिवार्य करने तथा इसकी नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश भी दिए। प्रदेश में शीतलहर को देखते हुए मुख्यमंत्री ने रैन बसेरों की व्यवस्थाओं का सुचारू संचालन, सार्वजनिक स्थलों पर अलाव जलाने और कंबल वितरण की प्रक्रिया को तेज करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह कार्य मिशन मोड में और युद्ध स्तर पर पूरे किए जाएं।

डिजिटलीकरण और सरल प्रक्रियाएं

मुख्यमंत्री ने भू-अभिलेखों के डिजिटलीकरण कार्य में तेजी लाने और इसे शीघ्र पूर्ण करने को कहा, ताकि विभागीय निगरानी सरल हो और आमजन को सीधा लाभ मिले। उन्होंने धारा-80 के अंतर्गत भू-उपयोग परिवर्तन की प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाने, तथा राजस्व परिषद स्तर पर कॉल सेंटर जैसी व्यवस्था विकसित करने के निर्देश दिए, जिससे शिकायतों का त्वरित समाधान हो सके।

तकनीक से पारदर्शिता व समयबद्ध समाधान

चकबंदी प्रक्रिया में तकनीक के अधिकतम उपयोग पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने किसान रजिस्ट्री, पैमाइश और खसरा पड़ताल से जुड़े सभी लंबित मामलों का निर्धारित समय-सीमा में समाधान अनिवार्य करने को कहा। उन्होंने आय, जाति और निवास प्रमाण पत्र जैसी सेवाओं को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने के निर्देश दिए।

कार्यालयों के निर्माण की समीक्षा

बैठक में ग्राम पंचायतों में स्थापित बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की मूर्तियों/स्मारकों की सुरक्षा के लिए समाज कल्याण विभाग के सहयोग से बाउंड्री वॉल निर्माण को आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। साथ ही, लेखपालों को पंचायत भवनों में कार्यालय बनाकर जनसमस्याओं का निस्तारण करने को कहा। उन्होंने जिले स्तर पर एकीकृत बहुमंजिला कार्यालय के निर्माण का भी निर्देश दिया, जिसमें जिलाधिकारी सहित सभी जनपदीय कार्यालय एक ही परिसर में समाहित हों कि ताकि प्रशासनिक कार्यकुशलता बढ़े और जनता को सुविधा मिले।

मुख्यालय स्तर से होगी आलू स्टोरेज और मार्केटिंग की निगरानी

अमृत विचार, लखनऊ : आलू उत्पादन के प्रमुख क्षेत्रों और मंडलों में व्यवस्थाओं की निगरानी के लिए मुख्यालय स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों को विशेष जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इन अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे आवंटित मंडलों का भौतिक निरीक्षण करें और फसल की पूर्व आवक से पहले विपणन एवं भंडारण की समस्त कमियों को दूर करें। उद्यान राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने शुक्रवार को आलू की आगामी उपज के सुचारू प्रबंधन, भंडारण और विपणन व्यवस्थाओं को लेकर विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। समीक्षा के दौरान यह तथ्य सामने आया कि प्रदेश में आलू उत्पादन बढ़ने के अनुमान के बावजूद भंडारण क्षमता पर्याप्त रूप से उपलब्ध है और बड़ी संख्या में कोल्ड स्टोरेज के स्थान रिक्त हैं।

2.89 करोड़ हटे मतदाताओं की तलाश करेगी कांग्रेस

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 221 सदस्यीय समिति गठित करेगी भौतिक सत्यापन

अमृत विचार: कांग्रेस ने प्रदेश में मतदाता सूची से हटाए गए 2.89 करोड़ मतदाताओं का पता लगाने के लिए राज्य स्तरीय समिति का गठन किया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय के नेतृत्व में गठित 221 सदस्यीय समिति एक महीने तक जिलों में जाकर मतदाताओं का भौतिक सत्यापन करेगी। पार्टी का दावा है कि बड़ी संख्या में नाम गलत तरीके से काटे गए हैं, जिनमें अनुसूचित जाति, पिछड़ी जाति और अल्पसंख्यक समुदाय के मतदाता शामिल हैं।

प्रदेश कांग्रेस प्रभारी अविनाश पांडेय ने हालिया दौरे के दौरान एसआईआर प्रक्रिया के तहत हटे मतों का जमीनी सत्यापन कराने का निर्देश दिया था। इसके बाद जिलावार प्रतिनिधित्व के साथ समिति बनाई गई है। झांसी से सर्वाधिक आठ सदस्य शामिल किए गए हैं, जबकि 17 जिलों में चार-चार, 33 जिलों में तीन-तीन और 24 जिलों में दो-दो सदस्यों को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

अजय राय ने कहा कि संविधान ने आम नागरिक को वोट के अधिकार के रूप में सबसे मजबूत हथियार दिया है। उन्होंने राहुल गांधी के आरोपों का हवाला देते हुए कहा कि भाजपा के इशारे पर चुनावी प्रक्रियाओं में गड़बड़ियां हुई हैं। कांग्रेस का संकल्प है कि यूपी के हर गरीब, एससी, ओबीसी और अल्पसंख्यक मतदाता का नाम दोबारा सूची में जुड़वाया जाएगा। समिति पूरे महीने अभियान चलाकर सत्यापन करेगी।

10 निवेश प्रस्तावों को मिली मंजूरी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर बनेगा मजबूत आधार
- एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था की ओर यूपी का बड़ा कदम

अमृत विचार : विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में यह सेक्टर मजबूत आधार बनकर उभर रहा है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में निवेश, रोजगार और किसान हितों को बढ़ावा देने के लिए निरंतर ठोस कदम उठा रही है।

अपर मुख्य सचिव बी.एल. मीणा की अध्यक्षता में शुक्रवार को खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 के अंतर्गत अप्रेजल समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में 12 निवेश प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए, जिनमें से 10 प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान करते हुए राज्य स्तरीय इम्पावर्ड कमेटी के समक्ष प्रस्तुत करने की संस्तुति की गई। स्वीकृत प्रस्ताव सहारनपुर, सीतापुर, अंबेडकरनगर, शाहजहांपुर, लखनऊ, पीलीभीत, अलीगढ़, बरेली और मेरठ से संबंधित हैं। बैठक में पूर्व में स्थापित सफल इकाइयों को प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किए गए। निवेशकों से स्थानीय किसानों से कच्चा माल खरीदने, स्वदेशी मशीनों के उपयोग, महिला सहभागिता बढ़ाने और इकाइयों के सोलराइजेशन पर विशेष ध्यान देने की अपील की गई। सरकार ने इस क्षेत्र में देय सब्सिडी की जानकारी भी साझा की।

उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के अपर मुख्य सचिव बीएल मीणा ने बताया कि प्रदेश में किसानों की उपज का प्रसंस्करण, भंडारण, मूल्य संवर्धन और विपणन सुनिश्चित करते हुए स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को इससे जोड़ा जा रहा है।

आपदा प्रबंधन में आईआईटी करेगा मदद

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- एआई युक्त इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर होगा स्थापित
- नुकसान को कम करने को वैज्ञानिक मॉडल और प्रशिक्षित मानव संसाधन पर जोर

अमृत विचार: प्रदेश में आपदा प्रबंधन को अधिक प्रभावी और वैज्ञानिक बनाने के लिए उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण अब भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की की विशेषज्ञता का लाभ लेगा। उद्देश्य है कि आईआईटी विशेषज्ञों द्वारा विकसित आधुनिक मॉडल लागू कर आपदाओं के दौरान जानमाल के नुकसान को न्यूनतम करना।

शुक्रवार को पिकप भवन स्थित यूपीएसडीएमए कार्यालय में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सचिव मनीष भारद्वाज ने राज्य की आपदा तैयारी की समीक्षा की। उन्होंने बाढ़, अग्निकांड, हीटवेव, शीतलहर, वज्रपात और भूकंप जैसे जोखिमों को कम करने के लिए आईआईटी विशेषज्ञों की तकनीकी सहायता लेने के निर्देश दिए। साथ ही एनसीसी, भारत स्काउट गाइड, स्कूल-कॉलेजों के विद्यार्थियों और आमजन को आपदा प्रतिक्रिया में प्रशिक्षित करने पर बल दिया। बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों के निकट गांवों में नाविकों को सीपीआर (कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन) प्रशिक्षण देने के भी निर्देश दिए गए।

यूपीएसडीएमए के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ. हृषिकेश भास्कर याशोद ने बताया कि राज्य स्तर पर एआई-युक्त अत्याधुनिक राज्य इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर स्थापित किया जा रहा है, जिससे रियल-टाइम मॉनिटरिंग और त्वरित निर्णय संभव होंगे। उन्होंने यह भी बताया कि युवा आपदा मित्र परियोजना के तहत गृह मंत्रालय और एनडीएमए के सहयोग से प्रदेश के 25 जिलों में 29,772 युवाओं को प्रशिक्षित किया जा रहा है।

यूपीएसडीएमए के उपाध्यक्ष जनरल योगेन्द्र डिमरी ने कहा कि प्राधिकरण के सभी कार्य भारत सरकार और एनडीएमए की गाइडलाइंस के अनुरूप संचालित किए जा रहे हैं।

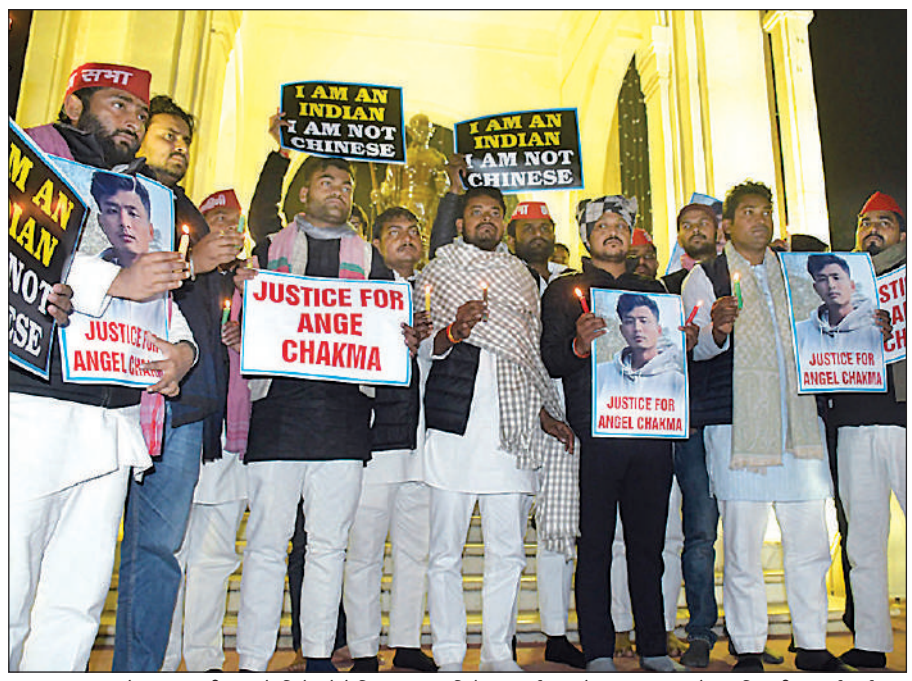

लखनऊ : छात्र एंजेल चकमा की हत्या के विरोध में कैंडिल जलाकर विरोध-प्रदर्शन करते सपा छात्र सभा के पदाधिकारी व कार्यकर्ता।

जीपीएस वाहनों से खाद्यान्न उठान में बढ़ी पारदर्शिता

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश में जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) को पारदर्शी, सुरक्षित और भरोसेमंद बनाने की दिशा में जीपीएस आधारित ट्रैकिंग व्यवस्था एक प्रभावी और निर्णायक पहल के रूप में सामने आई है। राज्य में 5 हजार से अधिक जीपीएस युक्त वाहनों के जरिए अब गोदाम से लेकर उचित दर विक्रेताओं की दुकानों तक खाद्यान्न की आवाजाही पूरी तरह डिजिटल निगरानी में हो रही है। इस व्यवस्था ने वर्षों से चली आ रही खाद्यान्न चोरी, लीकेज और कालाबाजारी की समस्या पर प्रभावी अंकुश लगाया है।

प्रदेश में भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के डिपो से खाद्यान्न उठान करने वाले सभी प्रमुख वाहनों में जीपीएस डिवाइस इंस्टाल की जा चुकी है। इससे यह रियल टाइम में देखा जा सकता है कि वाहन कब, कहां से चला, रास्ते में कहां रुका और निर्धारित समय पर गंतव्य तक पहुंचा या नहीं। कंट्रोल सिस्टम में हर गतिविधि दर्ज होने से परिवहन के दौरान होने वाली हेराफेरी की संभावनाएं लगभग खत्म हो गई हैं।

केवल खाद्यान्न वितरण ही नहीं, बल्कि खरीफ विपणन सत्र 2025-26 के दौरान धान खरीद में भी जीपीएस ट्रैकिंग को अनिवार्य किया गया है।

जीरो पावर्टी अभियान | संख्या से अधिक पात्रता, पारदर्शिता और परिणाम पर जोर, दो चरणों में लाभ पहुंचाने की रणनीति

योजनाओं से परिवारों को गरीबी से मुक्त कर रही सरकार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में शुरू किया गया 'जीरो पावर्टी' मिशन प्रशासनिक इच्छाशक्ति, तकनीक और जमीनी सत्यापन के समन्वय से एक सशक्त और परिणामोन्मुख मॉडल के रूप में उभर रहा है। सरकार का स्पष्ट लक्ष्य है कि हर पात्र परिवार तक योजनाओं का लाभ पहुंचाकर गरीबी के दुष्चक्र को स्थायी रूप से तोड़ना। दो चरणों में लागू की गई रणनीति से यह साफ है कि योगी सरकार संख्या से अधिक पात्रता, पारदर्शिता और परिणाम पर फोकस कर रही है।

लखनऊ के गोसाईगंज क्षेत्र में रहने वाले रामसागर, उर्मिला और रामू इसकी जीवंत मिसाल हैं। इन परिवारों को मकान, स्वच्छ पेयजल, पक्की सड़क, बिजली कनेक्शन, राशन और अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। ये लाभार्थी बताते हैं कि सरकार की योजनाओं ने उनके जीवन में स्थायित्व और सम्मान दोनों लौटाया है। यही 'जीरो पावर्टी' मिशन की मूल भावना है-सिर्फ सहायता नहीं, बल्कि समग्र जीवन सुधार।

इस अभियान के तहत प्रदेशभर में वंचित परिवारों की पहचान कर उन्हें विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा जा रहा है। सर्वे के आधार पर महिलाओं को आजीविका मिशन के तहत स्वयं सहायता समूहों से जोड़ने की योजना है। वहीं लगभग 11 हजार बच्चों को पुनः नामांकन के जरिए शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 से मिले फीडबैक को नीतिगत सुधार का आधार बनाया जा रहा है, ताकि कोई भी पात्र परिवार वंचित न रहे।

पहला चरण: डीबीटी से योजनाओं का शत-प्रतिशत कवरेज

पहले चरण में आठ प्रमुख योजनाओं में पात्र परिवारों को शत-प्रतिशत डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया। जिला स्तरीय रिपोर्ट के अनुसार, राशन योजना में 97 प्रतिशत पात्र परिवारों तक लाभ पहुंच चुका है। निराश्रित महिला पेंशन योजना में 87 प्रतिशत और दिव्यांग पेंशन में 62 प्रतिशत कवरेज दर्ज किया गया है।

दूसरा चरण: घर-घर सत्यापन से अंतिम व्यक्ति तक पहुंच

15 अक्टूबर 2025 से शुरू हुए दूसरे चरण में 16 योजनाओं के अंतर्गत वंचित परिवारों का स्थलीय सत्यापन किया जा रहा है, जिसे 15 जनवरी तक पूरा किया जाना है। पीएम उज्ज्वला योजना, शौचालय सहायता, जल जीवन मिशन और विद्युत कनेक्शन जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए पात्र लाभार्थियों की पहचान पर विशेष जोर है।

दूरसंचार का पावरहाउस बना यूपी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मोबाइल कनेक्टिविटी में प्रदेश के पूर्वी और पश्चिम क्षेत्र बने उपभोक्ता गतिविधि के प्रमुख केंद्र

अमृत विचार: दूरसंचार क्षेत्र में तेजी से देश के अग्रणी राज्यों में यूपी अपनी पहचान बना रहा है। मोबाइल, ब्रॉडबैंड और फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस (एफडब्ल्यूए) सेवाओं का विस्तार अब केवल शहरी क्षेत्रों तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्रामीण अंचलों तक भी मजबूती से पहुंच रहा है। इसके पीछे योगी सरकार की नीतिगत स्पष्टता, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर पर जोर और निजी निवेश के लिए अनुकूल माहौल को प्रमुख कारण माना जा रहा है।

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण के आंकड़ों के अनुसार, नवंबर 2025 में देशभर में कुल वायरलेस मोबाइल उपभोक्ताओं की संख्या 1173.88 मिलियन दर्ज की गई, जो अक्टूबर 2025 में 1171.87 मिलियन थी। इस वृद्धि में यूपी पूर्व और पश्चिम दोनों लाइसेंस सेवा क्षेत्रों की भूमिका अहम रही। उपभोक्ता गतिविधि के लिहाज से उत्तर प्रदेश देश के सबसे सक्रिय दूरसंचार बाजारों में शामिल हो गया है। नवंबर 2025 में यूपी पूर्व में 1.97 मिलियन और यूपी पश्चिम में 1.35 मिलियन मोबाइल पोर्टिंग अनुरोध दर्ज किए गए, जो सेवाओं की गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धा को दर्शाते हैं।

5-जी आधारित फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस सेवाओं में भी प्रदेश की स्थिति लगातार सुदृढ़ हो रही है। नवंबर 2025 के अंत तक देश में कुल 10.41 मिलियन 5-जी एफडब्ल्यूए उपभोक्ता दर्ज किए गए, जिनमें यूपी पूर्व के 0.79 मिलियन और यूपी पश्चिम के 0.62 मिलियन उपभोक्ता शामिल हैं।

वायरलाइन सेवाओं में भी उत्तर प्रदेश ने स्थिर वृद्धि दर्ज की है। नवंबर 2025 के अंत तक देश में कुल वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या 47.05 मिलियन रही।

अमृत विचार

शनिवार, 3 जनवरी 2026

यदि विश्वास विवेक का ताप नहीं सह सकता है, तो वह अपने आप ध्वस्त हो जाएगा।
–शहीदे आजम भगत सिंह

दर्दनाक दुर्घटना के सबक

स्विट्ज़रलैंड जैसे अत्यंत विकसित, अनुशासित और सुरक्षित माने जाने वाले देश में नववर्ष की पूर्व संध्या पर क्रान्स मोंटाना के एक स्की रिसॉर्ट बार में विस्फोट और आग से लगभग 47 लोगों की मौत और सैकड़ों के घायल होने की घटना ने पूरी दुनिया को झकझोर दिया है। यह केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि उत्सव, सुरक्षा और प्रशासनिक सतर्कता के बीच संतुलन पर गंभीर प्रश्न है। प्रथम दृष्टया यह हादसा 'उत्सव के अति उत्साह' और लापरवाही का परिणाम प्रतीत होता है। नववर्ष समारोहों में मोमबत्तियां, शैंपेन की बोतलों पर सजावट, फुलझड़ियां और कथित तौर पर 'पायरोटेक्निक डिवाइस' का उपयोग किया जा रहा था। यदि मोमबत्तियां लकड़ी की छत के पास रखी गईं या बेसमेंट में रखी आतिशबाजी से चिंगारी फैली, तो यह सीधी मानवीय चूक है। गैस लीक की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता। विकसित देशों में भी जब नियमों को 'एक रात की छूट' दे दी जाती है, तो हादसे की ज़मीन तैयार हो जाती है।

यह तथ्य और भी चौंकाने वाला है कि मात्र 15 हजार आबादी वाले इस नगर के एक बार में करीब 150 लोग मौजूद थे और उनमें से एक-तिहाई की जान चली गई। इसे स्विट्ज़रलैंड के हालिया इतिहास की सबसे भीषण अग्नि दुर्घटनाओं में गिना जा रहा है। 150 से अधिक हेलीकॉप्टर, सैकड़ों बचावकर्मियों और बड़े पैमाने पर आपात संसाधनों की तैनाती इस बात की पुष्टि करती है कि हादसा कितना व्यापक और भयावह था। रिपोर्ट्स बताती हैं कि बाहर निकलने के रास्ते और सीढ़ियां अत्यंत संकरी थीं। 30 सेकंड के भीतर लगभग 200 लोग बाहर निकलने की कोशिश कर रहे थे, जिससे भगदड़ मच गई और लोग दबने व दम घुटने से मारे गए। यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या रिसॉर्ट की डिजाइन और फायर-सेफ्टी ऑडिट में गंभीर खामियां थीं? क्या आपदा प्रबंधन, प्रशिक्षित स्टॉफ, स्पष्ट एग्ज़िट साइन और त्वरित मार्गदर्शन की व्यवस्था नहीं थी? यदि स्विट्ज़रलैंड जैसे देश में भी ऐसी चूक संभव है, तो यह चेतावनी है कि 'विकास' सुरक्षा की गारंटी नहीं होता। भारत के संदर्भ में यह घटना और भी प्रासंगिक है। गोवा जैसे पर्यटन स्थलों पर हुए अग्निकांडों में भी संकरे रास्ते, अवैध निर्माण और भ्रष्टाचार के कारण लोगों की जान गई। फर्क केवल इतना है कि वहां हम अक्सर इसे 'व्यवस्था की विफलता' कहकर आगे बढ़ जाते हैं। क्रान्स मोंटाना की त्रासदी सिखाती है कि नियम चाहे यूरोप में हों या भारत में, उनका कठोर पालन ही जीवन बचाता है।

आने वाले समय में इस घटना का असर क्रान्स मोंटाना में प्रस्तावित एफआईएस वर्ल्ड कप जैसे अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों पर भी पड़ेगा। इससे उसे साख का नुकसान हो सकता है। ऐसे में सुरक्षा मानकों की पुनर्समीक्षा अनिवार्य होगी। इससे पहले 2000 और 2020 में स्विट्ज़रलैंड के अन्य शहरों में लगी आग से यदि पर्याप्त सबक लिया गया होता, तो शायद यह दिन न देखना पड़ता। निष्कर्षतः, भारत समेत सभी देशों को यह सीख लेनी चाहिए कि उत्सव, पर्यटन और व्यवसाय तभी सार्थक हैं जब सुरक्षा सर्वोपरि हो। आपदा प्रबंधन कोई औपचारिक दस्तावेज़ नहीं, बल्कि जीवित व्यवस्था होनी चाहिए— हर इमारत, हर आयोजन के लिए।

प्रसंगवश

साल की पहली पूर्णिमा पर दिखेगा वुल्फ सुपरमून

तीन जनवरी 2026 की रात आकाश एक असामान्य खगोलीय स्थिति का साक्षी बनेगा। इसी रात वर्ष का पहला पूर्ण चंद्रमा वुल्फ़ सुपरमून के रूप में दिखाई देगा, जब चंद्रमा पृथ्वी के अत्यंत निकट होकर सामान्य से अधिक बड़ा और अधिक चमकीला नजर आएगा। यह स्थिति केवल दृश्य परिवर्तन नहीं है, बल्कि सूर्य-पृथ्वी-चंद्रमा की दुर्लभ ज्यामिति का परिणाम है। ठंडी रात में फैली इसकी तेज रोशनी पूरे आकाशीय परिदृश्य को बदल देगी और सामान्य पूर्णिमा से अलग, अधिक प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज कराएगी। यह दृश्य खगोलीय गणनाओं की सटीकता और प्रकृति की नियमित शक्ति दोनों को एक साथ उजागर करेगा।

यह सुपरमून इसलिए विशेष माना जा रहा है, क्योंकि इसी समय चंद्रमा अपनी कक्षा के उस बिंदु पर होगा जहां वह पृथ्वी के सबसे अधिक समीप होता है, जिसे खगोल विज्ञान में 'पेरिगी' कहा जाता है।

प्रो. आरके जैन
शिक्षाविद्

इस निकटता का सीधा प्रभाव उसके आकार और प्रकाश पर पड़ता है। सामान्य पूर्णिमा की तुलना में चंद्रमा अधिक बड़ा और कहीं अधिक चमकीला दिखाई देगा। भारत में इसका पूर्ण चरण भले ही दोपहर में बने, पर इसका वास्तविक प्रभाव सूर्यास्त के बाद दिखाई देगा, जब पूर्वी क्षितिज से उभरता चंद्रमा असामान्य रूप से विशाल और प्रभावशाली लगेगा। वायुमंडल की परतें उसकी रोशनी को पीले-सुनहरे और तांबे जैसे रंगों में ढाल देंगी, जिससे पूरा दृश्य ऐसा प्रतीत होगा, जैसे आकाश ने नववर्ष के स्वागत में प्रकाश प्रज्वलित कर दिया हो।

'वुल्फ़ मून' नाम केवल एक संबोधन नहीं, बल्कि मानव इतिहास से जुड़ी एक गहरी स्मृति है। उत्तरी गोलार्ध की प्राचीन संस्कृतियों ने जनवरी की पूर्णिमा को यह नाम इसलिए दिया, क्योंकि इसी समय सर्द रातों में भेड़ियों की आवाज़ें अधिक सुनाई देती थीं। यह हूक भय या अभाव की नहीं, बल्कि आपसी संकेत, समूहबोध और जीवन-चक्र की निरंतरता का स्वर थी। भेड़िये सिर उठाकर आकाश की ओर हौल करते हैं, ताकि उनकी आवाज़ दूर तक फैल सके, मानो वे चंद्रमा को साक्षी मानकर अपने अस्तित्व और क्षेत्र की घोषणा कर रहे हों। वुल्फ़ मून केवल एक खगोलीय घटना नहीं रह जाता, बल्कि प्रकृति की सामूहिक स्मृति और जीव-जगत के संवाद का प्रतीक बन जाता है।

इस वर्ष वुल्फ़ सुपरमून को और अधिक उल्लेखनीय बनाता है, एक दुर्लभ खगोलीय संयोग। ठीक तीन जनवरी को पृथ्वी सूर्य के सबसे निकट बिंदु, पेरिहेलियन पर भी होगी। इसका परिणाम यह होगा कि सूर्य की किरणें अपेक्षाकृत अधिक ऊर्जा के साथ चंद्रमा पर पड़ेंगी, जिससे उसकी चमक में हल्की अतिरिक्त गहराई और तीव्रता दिखाई देगी। यद्यपि वैज्ञानिक दृष्टि से यह अंतर सूक्ष्म होता है, पर दृष्टिगत प्रभाव अत्यंत आकर्षक बन जाता है। समुद्री क्षेत्रों में इस संयुक्त गुरुत्वीय प्रभाव के कारण ज्वार-भाटे सामान्य से कुछ अधिक ऊंचे उठ सकते हैं, जिससे प्रकृति की यह खगोलीय संगति धरती पर भी अपना असर छोड़ती दिखाई देगी।

इस खगोलीय दृश्य में रोमांच का एक और आयाम जुड़ता है- क्वाड्रैंटिड उल्का वर्षा। तीन और चार जनवरी की रात यह वर्षा अपने चरम पर होती है और अनुकूल परिस्थितियों में प्रति घंटे अनेक उल्काएं दिखाई दे सकती हैं। यद्यपि पूर्ण चंद्रमा की तीव्र रोशनी कई छोटी उल्काओं को ढक देगी, फिर भी कुछ अत्यंत चमकीली अग्नि-रेखाएं आकाश को चीरती हुई स्पष्ट दिख सकती हैं। यह दृश्य ऐसा प्रतीत होगा मानो स्थिर और गंभीर चंद्रमा के सामने समय स्वयं प्रकाश की लकीरों में बह रहा हो। स्थायित्व और क्षणभंगुरता का यह संगम मन को गहराई से छू जाता है।

आर्थिक प्रगति और असमानता की समानांतर दास्तान

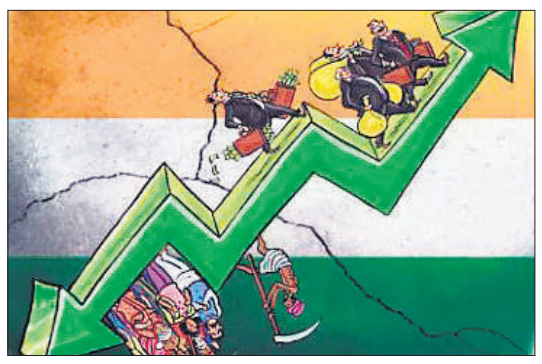

राजेश श्रीनेत
वरिष्ठ पत्रकार

आर्थिक सुधारों को भारत की विकास यात्रा का निर्णायक मोड़ माना जा सकता है। उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण की नीतियों ने देश की अर्थव्यवस्था को नई दिशा दी। उत्पादन बढ़ा, बाजार खुले, विदेशी निवेश आया और भारत वैश्विक आर्थिक व्यवस्था में महत्वपूर्ण बनकर उभरा है। सरकार का दावा है कि इन सुधारों का प्रतिफल अब अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी दिखाई दे रहा है। भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। भारत ने जर्मनी को पीछे छोड़ते हुए यह स्थान हासिल किया है। यह उपलब्धि आर्थिक क्षमता और विकास की गति का संकेत देती है, लेकिन इसके साथ यह सवाल भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि क्या इस आर्थिक प्रगति का लाभ समाज के हर वर्ग को समान रूप से मिल पाया है।

आंकड़ों के स्तर पर भारत की प्रगति प्रभावशाली दिखती है। 1991 में देश की अर्थव्यवस्था का आकार करीब 275 अरब डॉलर था, जो 2024-25 में बढ़कर लगभग 3.7 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया है। बीते एक दशक में भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल रहा है। सरकार इस उपलब्धि को आर्थिक सुधारों, मजबूत घरेलू बाजार और बढ़ते बुनियादी ढांचे का परिणाम बताती है। इसके बावजूद जमीनी सच्चाई यह है कि इस विकास का वितरण असमान रहा है और समाज का एक बड़ा हिस्सा अब भी इसके पूरे लाभ से वंचित है।

ऑक्सफैम की रिपोर्ट बताती है कि देश की शीर्ष एक प्रतिशत आबादी के पास कुल संपत्ति का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा केंद्रित है, जबकि निचले 50 प्रतिशत लोगों के पास कुल संपत्ति का केवल 3 प्रतिशत हिस्सा है। यह स्थिति दर्शाती है कि आर्थिक वृद्धि का बड़ा भाग सीमित वर्गों तक सिमट गया है। आर्थिक सुधारों से पैदा हुई समृद्धि का लाभ व्यापक स्तर पर फैलने के बजाय ऊपर की ओर केंद्रित होता गया। रोजगार के क्षेत्र में यह असमानता और अधिक साफ हो जाती है। सरकारी और निजी दोनों आकलन बताते हैं कि देश का करीब 90 प्रतिशत कार्यबल असंगठित क्षेत्र में कार्यरत है, जहां न तो स्थायी रोजगार है और न ही सामाजिक सुरक्षा।

> आंकड़ों के स्तर पर भारत की प्रगति प्रभावशाली दिखती है। इसके बावजूद जमीनी सच्चाई यह है कि इस विकास का वितरण असमान रहा है और समाज का एक बड़ा हिस्सा अब भी इसके पूरे लाभ से वंचित है।

सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी के अनुसार 2023-24 में शहरी बेरोजगारी दर औसतन 7 से 8 प्रतिशत के बीच रही, जबकि युवाओं में यह दर 15 प्रतिशत से अधिक दर्ज की गई। आर्थिक सुधारों के बाद संगठित क्षेत्र का विस्तार तो हुआ, लेकिन रोजगार सृजन की रफ्तार श्रम बाजार में प्रवेश करने वाले युवाओं की संख्या के अनुरूप नहीं रही।

ग्रामीण भारत की स्थिति भी इस असंतुलित विकास को उजागर करती है। देश की लगभग 45 प्रतिशत आबादी कृषि पर निर्भर है, लेकिन कृषि का योगदान सकल घरेलू उत्पाद में केवल 15 प्रतिशत के आसपास सिमटा हुआ है। नीति आयोग के अनुसार छोटे और सीमांत किसानों की औसत मासिक आय अब भी 10 से 12 हजार रुपये के आसपास है। बढ़ती लागत, अनिश्चित मौसम और बाजार की अस्थिरता ने कृषि को कम लाभकारी बना दिया है। आर्थिक सुधारों का लाभ उद्योग और सेवा क्षेत्र तक तो पहुंचा, लेकिन कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था अपेक्षाकृत पीछे छूटती चली गई।

शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे बुनियादी क्षेत्रों में भी असमानता की खाई गहरी हुई है। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि देश में कुल स्वास्थ्य व्यय का करीब 55 प्रतिशत हिस्सा लोगों को अपनी जेब से खर्च करना पड़ता है। इतना अधिक निजी खर्च गरीब और निम्न मध्यम वर्ग को आर्थिक रूप से कमजोर बनाता है। शिक्षा के क्षेत्र में उच्च शिक्षा का सकल नामांकन अनुपात लगभग 28 प्रतिशत है, लेकिन गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच आज भी सीमित वर्गों तक ही सिमटी हुई है। निजी शिक्षा संस्थानों की बढ़ती फीस ने अवसरों की असमानता को और बढ़ा दिया है।

क्षेत्रीय असमानता भी आर्थिक सुधारों की एक बड़ी चुनौती रही है। महाराष्ट्र, गुजरात, तमिलनाडु और कर्नाटक जैसे राज्य तेजी से आगे बढ़े, जबकि बिहार, उत्तर प्रदेश और झारखंड जैसे राज्य अब भी विकास की दौड़ में पीछे हैं। नीति आयोग के अनुसार देश के शीर्ष 10 जिलों की प्रति व्यक्ति आय, निचले 10 जिलों की तुलना में चार से पांच गुना अधिक है। यह अंतर केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक विकास के सूचकांकों में भी दिखाई देता है।

सरकार ने इन चुनौतियों से निपटने के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं शुरू की हैं। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत लगभग 80 करोड़ लोगों को सस्ता अनाज उपलब्ध कराया जा रहा है। आयुष्मान भारत योजना के दायरे में करीब 50 करोड़ लोग स्वास्थ्य बीमा से जुड़े हैं। प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के माध्यम से सब्सिडी और सहायता सीधे लाभार्थियों तक पहुंचाई जा रही है। इन पहलों से गरीब और कमजोर वर्गों को राहत मिली है, लेकिन ये उपाय असमानता की संरचनात्मक जड़ों को पूरी तरह समाप्त नहीं कर पाते।

भारत की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के सरकारी दावे के साथ यह प्रश्न और भी प्रासंगिक हो जाता है कि इतनी बड़ी आर्थिक शक्ति होने के बावजूद रोजगार, आय और अवसरों की समानता क्यों नहीं बन पा रही है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन का अनुमान है कि अगले दशक में भारत को हर साल लगभग एक करोड़ नए रोजगार सृजित करने होंगे। यदि विकास अधिक पूंजी और तकनीक केंद्रित ही रहा, तो यह चुनौती और गंभीर हो सकती है।

समावेशी विकास के लिए आवश्यक है कि आर्थिक सुधारों को मानव केंद्रित दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ाया जाए। शिक्षा, स्वास्थ्य और कौशल विकास में सार्वजनिक निवेश बढ़ाना होगा। छोटे और मध्यम उद्यमों को सशक्त कर रोजगार सृजन की क्षमता बढ़ाई जा सकती है। कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में निवेश से आय के स्थायी स्रोत विकसित होंगे और क्षेत्रीय असंतुलन कम होगा। साथ ही कर प्रणाली को अधिक प्रगतिशील बनाकर संसाधनों का न्यायसंगत वितरण भी जरूरी है।

आमने

वह व्यक्ति भगवान राम को समझ ही नहीं पाया है। श्रीराम और राहुल गांधी की किसी भी तरह से तुलना नहीं की जा सकती है। भगवान ही जानें राहुल गांधी किस तरह का काम कर रहे हैं।

–स्वामी रामभद्राचार्य
प्रसिद्ध संत

सामने

रामभद्राचार्य जी बड़े और सम्मानित व्यक्ति हैं, इसलिए वह उन पर व्यक्तिगत टिप्पणी नहीं करेंगे, लेकिन राहुल गांधी की लड़ाई किसानों, गरीबों और वंचितों के हक के लिए है। राहुल गांधी जो कर रहे हैं, वह देश के हित में है और इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

–नाना पटोले
कांग्रेस नेता

खालिदा जिया के शासनकाल में भारत से संबंध

विवेक शुक्ला
पूर्व सूचना अधिकारी, यूएई एंबेसी

खालिदा जिया ने बांग्लादेश में दो बार प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया। पहली बार 1991 से 1996 तक और दूसरी बार 2001 से 2006 तक। उनके शासनकाल को बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति में महत्वपूर्ण माना जाता है, लेकिन अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के संदर्भ में, विशेष रूप से भारत के साथ, यह अवधि कटुता और अविश्वास की छाया में गुजरी। खालिदा जिया की नीतियां और निर्णय अक्सर पाकिस्तान-समर्थक और भारत-विरोधी माने जाते थे, जिसने दोनों देशों के बीच सहयोग को बाधित किया। उनके प्रधानमंत्रित्व काल के दौरान, हिंदुओं पर हमले होते रहे और टाटा समूह के प्रस्तावित निवेश को रोका गया। ये दोनों मुद्दे न केवल बांग्लादेश की आंतरिक चुनौतियों को दर्शाते हैं, बल्कि भारत-बांग्लादेश संबंधों में उत्पन्न तनाव के प्रमुख कारण भी बने।

सबसे पहले, हिंदू अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का मुद्दा। बांग्लादेश में हिंदू समुदाय की आबादी कुल जनसंख्या का लगभग 8-10 प्रतिशत है और ऐतिहासिक रूप से यह समुदाय विभिन्न राजनीतिक उथल-पुथल का शिकार रहा है। खालिदा जिया के 2001 में सत्ता में आने के बाद, स्थिति विशेष रूप से गंभीर हो गई। 2001 के आम चुनावों में बीएनपी और उसके सहयोगी जमात-ए-इस्लामी की जीत के तुरंत बाद, देशभर में हिंदू समुदाय पर संगठित हमले शुरू हो गए।

इन हमलों में हजारों हिंदू परिवारों को निशाना बनाया गया। महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार किया गया। एक अनुमान के मुताबिक, कम से कम 30,000 से अधिक हिंदू प्रभावित हुए और कई को देश छोड़कर भारत भागना पड़ा। ये हमले मुख्य रूप से बीएनपी और जमात के कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए, जो चुनावी जीत को 'इस्लामी विजय' के रूप में प्रचारित कर रहे थे।

खालिदा जिया की सरकार ने इन हमलों को रोकने या दोषियों को दंडित करने में स्पष्ट रूप से विफलता दिखाई। हालांकि सरकार ने कुछ जांच समितियां गठित कीं, लेकिन व्यावहारिक कार्रवाई नगण्य रही। अंतर्राष्ट्रीय संगठनों जैसे ह्यूमन राइट्स वॉच और एमनेस्टी इंटरनेशनल ने इन घटनाओं की निंदा की और इन्हें 'संगठित सांप्रदायिक हिंसा' करार दिया। उदाहरण के लिए, 2001 में बारिसाल, खुलना और ढाका जैसे क्षेत्रों में हिंदू गांवों पर हमले हुए, जहां संपत्ति जब्ती और जबरन धर्मांतरण की घटनाएं आम थीं।

खालिदा जिया की सरकार का रुख यह था कि ये 'छिटपुट घटनाएं' हैं, लेकिन वास्तव में, जमात-ए-इस्लामी जैसे कट्टरपंथी सहयोगियों को खुश रखने के लिए कोई सख्त कदम नहीं उठाया गया। यह विफलता न केवल बांग्लादेश की आंतरिक एकता को प्रभावित करती थी, बल्कि भारत के साथ संबंधों को भी कटु बनाती थी। भारत, जहां हिंदू बहुसंख्यक हैं, ने इन हमलों को गंभीरता से लिया और बांग्लादेश से अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की मांग की। भारतीय मीडिया और राजनीतिक हलकों में इसे 'हिंदू उत्पीड़न' के रूप में चित्रित किया गया, जिसने दोनों देशों के बीच अविश्वास को बढ़ाया।

खालिदा जिया की भारत-विरोधी छवि पहले से ही मजबूत थी, क्योंकि उन्होंने चुनाव प्रचार में भारत को 'दुश्मन' के रूप में पेश किया था। ऐसे बयानों ने हिंदू सुरक्षा के मुद्दे को और जटिल बना दिया, क्योंकि भारत ने इसे सीमा पार शरणार्थी समस्या के रूप में देखा। परिणामस्वरूप, 2001-2006 के दौरान दोनों देशों के बीच राजनयिक वार्ताएं सीमित रहीं और भारत ने बांग्लादेश को 'अल्पसंख्यक सुरक्षा' पर दबाव डाला, जो खालिदा सरकार द्वारा नजरअंदाज किया गया।

दूसरा प्रमुख बिंदु टाटा समूह के प्रस्तावित निवेश का रहा। 2004-2005 में, भारतीय औद्योगिक दिग्गज टाटा ग्रुप ने बांग्लादेश में लगभग तीन अरब डॉलर के निवेश का प्रस्ताव रखा। इस योजना में स्टील प्लांट, उर्वरक कारखाना और बिजली उत्पादन इकाइयां शामिल थीं, जो बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ा अवसर था। यह निवेश न केवल हजारों रोजगार पैदा करता, बल्कि बांग्लादेश की ऊर्जा और औद्योगिक जरूरतों को पूरा करता। टाटा ने प्राकृतिक गैस की सस्ती आपूर्ति की मांग की, जो बांग्लादेश के पास उपलब्ध थी, हालांकि खालिदा जिया की सरकार ने इस प्रस्ताव पर लगातार देरी की और अंततः इसे अस्वीकार कर दिया।

टाटा ने 2006 तक कई दौर की वार्ताएं कीं, लेकिन सरकार की ओर से गैस मूल्य और अन्य शर्तों पर असहमति बनी रही। अंत में, 2008 में टाटा ने योजना त्याग दी और बांग्लादेश ने पाकिस्तानी दाऊद ग्रुप जैसे अन्य निवेशकों को आमंत्रित किया। यह निर्णय बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था के लिए हानिकारक साबित हुआ, क्योंकि निवेश की कमी से विकास दर प्रभावित हुई। खालिदा जिया की 2006 में भारत यात्रा के दौरान भी इस मुद्दे पर कोई प्रगति नहीं हुई, हालांकि ट्रेड डील पर चर्चा हुई। भारतीय पक्ष ने इसे 'अवसर की बर्बादी' माना, क्योंकि टाटा का निवेश दोनों देशों के बीच व्यापार को बढ़ावा दे सकता था।

> खालिदा जिया की नीतियां और निर्णय अक्सर पाकिस्तान-समर्थक और भारत-विरोधी माने जाते थे, जिसने दोनों देशों के बीच सहयोग को बाधित किया।

सोशल फोरम

सारा एक गुमनाम शायरा

सारा शगुफ्ता का नाम उर्दू शायरी में बहुत कम लिया जाता है। इतिहास मानो उससे पल्ला छुड़ाने की ही कोशिश में था कि ये प्रयास सफल नहीं हो पाए। उर्दू हलके ने पचास सालों तक ख़ूब कोशिश की दक्षिण एशियाई बौद्धिक-स्त्रीवादी इतिहास से सारा शगुफ़्ता को मिटाने की। अमृता प्रीतम से सारा ने कई साल पत्र-व्यवहार किया। अपने जीते-जी एक बार वादा लिया था कि अमृता उसका कविता संग्रह अनुवाद करके छपवाएंगी। सारा के जाने के बाद उसके तमाम ख़त और कविताओं को सामने रखते हुए अमृता ने एक किताब लिखी।

सुजाता चोखेरबाली
एसोसिएट प्रोफेसर

सारा का जन्म 1954 में गुजरांवाला, पाकिस्तान में हुआ था। बहुत कम वक्त गुज़ारा इस दुनिया में उसने। 29 की उम्र में आत्महत्या कर ली। पिता के साथ बेहद ख़राब रिश्ता मिला तो 17 की उम्र में ब्याह दी गई अपनी मर्ज़ी के ख़िलाफ़। नवजात बच्चा चल बसा और इसके लिए इल्ज़ाम आया सारा के सर। इन सदमों ने उसकी आत्मा को झकझोर दिया। पति को छोड़कर निकल गईं और अपनी देह से बेगानी हो गई। चार विवाह और इसके अलावा बहुत से संबंध।

उसके जीवन की अराजकता मानो कोई बदला था दुनिया से कि जिस देह को, जिसके सेक्स को तुम स्त्री के वजूद के ऊपर मानते आए हो और जिसके लिए यह सारी सांसारिक प्रताड़ना है औरत के हिस्से, उसी को मैं आग, पानी, मिट्टी, हवा के हवाले करती हूं। एक जगह कभी उसने लिखा था- मेरा शरीर बहुत साधारण था, तो मैंने उसे कुत्तों को दे दिया, लेकिन सारा की आत्मा साधारण नहीं थी कि तुम्हारे हाथों उसे बिक जाने देती। एक कविता में सारा कहती हैं- तुझे जब भी कोई दुख दे उस दुख का नाम बेटी रखना। अपने स्त्री होने के कारण उसने जो भोगा उसे लिखा। यही शायद सबसे बड़ा गुनाह किया। वह लिखती हैं-

आसमान के सीने में ग़म चरख़ा कात रहा है
संग-ए-मील
पहरों चलता है और साकित है
रात मुझ से पहले जाग गई है
लिबास पर पड़े हुए धब्बे
मेरे बच्चों के दुख थे
मेरे लहू को तन्हाइयां चाट रही हैं
शहर की मुंडेर से तिनके चुराए थे
सूरज ने दुख बना दिए
मेरे सपनों का दाग़ आंखें हैं
मेरी क़ब्र मुझे छुप कर देख रही है। –फेसबुक वॉल से

सामयिकी

सोच बदली तो हरियाणा में सुधरने लगा लिंगानुपात

हरियाणा आज लिंगानुपात में निरंतर सुधार का उदाहरण बनता जा रहा है। यह बदलाव किसी एक दिन या एक साल में नहीं आया, बल्कि वर्षों की योजनाबद्ध कोशिशों, सामाजिक जागरूकता और सरकारी सख्ती का परिणाम है। हरियाणा में जन्म के समय लिंगानुपात में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया है। वर्ष 2024 में यह आंकड़ा 910 था। निरंतर सरकारी निगरानी और सामाजिक प्रयासों के चलते 30 दिसंबर 2025 तक यह बढ़कर 923 तक पहुंच गया। यह 13 अंकों की वृद्धि है, जिसे पिछले छह वर्षों का बेहतर प्रदर्शन माना जा रहा है।

हरियाणा में आपकी बेटी हमारी बेटी योजना लिंगानुपात सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इस योजना के तहत आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों को वित्तीय सहायता दी जाती है, जिससे कन्या भ्रूण हत्या पर रोक लगाने और बेटियों के जन्म को प्रोत्साहन देने में मदद मिली है। इसके अलावा सुकन्या समृद्धि अकाउंट जैसी योजनाओं से बेटियों के भविष्य के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य में निवेश करना आसान हुआ है। यह सुनिश्चित करता है कि हर बच्ची को जीवन में समान अवसर मिलें।

धनीश शर्मा
लेखक

हरियाणा राज्य का एक समय ऐसा भी रहा है, जब बेटियों को बोझ समझा जाता था। सामाजिक दबाव, अंधविश्वास और पितृसत्तात्मक सोच के कारण गर्भ में ही कन्या भ्रूण हत्या जैसे अमानवीय कृत्य किए जाते थे। उस दौर में लिंगानुपात लगातार गिरता गया और यह स्थिति समाज के लिए एक गंभीर चेतावनी बन गई। समय के साथ सोच में बदलाव आया। सरकार और समाज दोनों ने यह समझा कि यदि बेटियां सुरक्षित नहीं होंगी, तो भविष्य भी सुरक्षित नहीं रहेगा।

हरियाणा सरकार ने जन्म के समय लिंगानुपात सुधारने के लिए ठोस कदम उठाए हैं। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत व्यापक जागरूकता कार्यक्रम चलाए गए। ग्रामीण और शहरी पंचायतों में प्रशिक्षण, स्वास्थ्य विभाग की नियमित मॉनिटरिंग और अवैध भ्रूण लिंग परीक्षण पर सख्त कार्रवाई की गई। स्वास्थ्य और पोषण कार्यक्रमों को भी इस दिशा में सशक्त बनाया गया। किशोरियों के लिए पोषण अभियान, स्कूल स्तर पर स्वास्थ्य जांच तथा कौशल विकास कार्यक्रमों से बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने पर ज़ोर दिया गया। साथ ही कानून की सख्त निगरानी ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि लिंग चयन जैसे अपराध किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

हरियाणा के बढ़ते लिंगानुपात में सबसे बड़ा योगदान हरियाणा की बेटियों को जाता है, जिन्होंने कठिनाईयों के बीच में रहकर अपनी मंजिल को हासिल किया है। यहां बेटियों ने खेलों के क्षेत्र में भी राज्य का नाम रोशन किया है। विनेश फोगाट, साक्षी मलिक, गीतिका जाखड़, कविता चहल, पूजा सिंह, रमिता जिंदल और भजन कौर जैसी खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंच पर सफलता हासिल कर यह साबित किया है कि अवसर मिलने पर बेटियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। उनके संघर्ष और उपलब्धियों ने समाज में सकारात्मक सोच फैलाने में मदद की है।

लिंगानुपात में सुधार केवल सरकारी योजनाओं का परिणाम नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना के विस्तार का संकेत है। जब परिवार बेटियों को शिक्षा, स्वास्थ्य और समान अवसर देने लगते हैं, तभी वास्तविक और स्थायी बदलाव संभव होता है। हरियाणा सरकार ने भी लगातार निगरानी, ज़मीनी स्तर पर जागरूकता और स्पष्ट राजनीतिक इच्छाशक्ति ने लिंगानुपात सुधार को संभव बनाया, जो अन्य राज्यों के लिए भी एक व्यावहारिक उदाहरण प्रस्तुत करता है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

कोलेट क्रेस
एक वित्तीय विजेता

महिलाएं क्या नहीं कर सकतीं! जब वे उड़ान भरती हैं, तो उनकी पहुंच एनवीडिया की सीएफओ और ईवीपी तक हो जाती है और 'ट्रिलियन डॉलर वुमन' बनकर फोर्ब्स की सुर्खियां बनती हैं, जैसे कोलेट क्रेस। कोलेट क्रेस संयुक्त राज्य अमेरिका की एक प्रमुख वित्तीय नेता हैं, जो विश्व की अग्रणी तकनीकी कंपनी एनवीडिया की एक्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट (ईवीपी) और चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर (सीएफओ) के रूप में जानी जाती हैं। सितंबर 2013 से इस पद पर आसीन, उन्होंने एनवीडिया को एक गेमिंग-केंद्रित कंपनी से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डेटा सेंटर के वैश्विक दिग्गज में बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 2025 तक, उनके नेतृत्व में एनवीडिया की बाजार पूंजीकरण माइक्रोसॉफ्ट और एप्पल के बाद दुनिया की तीसरी सबसे मूल्यवान कंपनी बन गई है, जिसकी वैल्यूएशन 3 ट्रिलियन डॉलर से अधिक हो चुकी है। फोर्ब्स ने उन्हें 2025 में अमेरिका की सबसे अमीर स्व-निर्मित महिलाओं की सूची में 54 वें स्थान पर रखा और उनकी नेट वर्थ जुलाई 2025 में 1 बिलियन डॉलर का आंकड़ा पार कर गई।

रूफिया खान
शिक्षिका

प्रारंभिक जीवन और शिक्षा

कोलेट क्रेस का जन्म संयुक्त राज्य अमेरिका में हुआ था, जहां उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा पूरी की। वित्त और व्यवसाय प्रबंधन में उनकी गहरी रुचि ने उन्हें एक सफल करियर की नींव प्रदान की। उन्होंने यूनिवर्सिटी ऑफ एरिजोना से फाइनेंस में बीएससी की डिग्री प्राप्त की, जो उनके वित्तीय विश्लेषण और रणनीतिक सोच के कौशल को मजबूत करने वाली साबित हुई। इसके बाद, उन्होंने साउदर्न मेथोडिस्ट यूनिवर्सिटी (एसएमयू) के कॉक्स स्कूल ऑफ बिजनेस से एमबीए की उपाधि हासिल की। इस शिक्षा ने उन्हें तकनीकी उद्योग की जटिल वित्तीय चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार किया, विशेष रूप से हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर एकीकरण के क्षेत्र में।

उनकी शिक्षा के दौरान, कोलेट ने नेतृत्व और इनोवेशन पर फोकस किया, जो बाद में माइक्रोसॉफ्ट और सिस्को जैसे दिग्गजों में उनके योगदान में स्पष्ट रूप से दिखा। सराटोगाद में स्थित, वे एक समर्पित पेशेवर के रूप में जानी जाती हैं, जो कार्य-जीवन संतुलन को महत्व देती हैं। ज्ञात रहे, सराटोगा, कैलिफोर्निया राज्य के सांता क्लारा काउंटी में स्थित एक छोटा, लेकिन अत्यधिक समृद्ध शहर है, जो सिलिकॉन वैली के दक्षिणी भाग में बसा हुआ है। यह बे एरिया का एक हिस्सा है, जहां हरे-भरे जंगल, पहाड़ियां और वाइनयार्ड्स की उपस्थिति इसे एक शांतिपूर्ण और विलासितापूर्ण जीवनशैली का प्रतीक बनाती है।

करियर की यात्रा

- कोलेट क्रेस के पास टेक्सास इंस्ट्रूमेंट्स, माइक्रोसॉफ्ट और सिस्को जैसे प्रमुख तकनीकी कंपनियों में 25 वर्षों से अधिक का वित्तीय अनुभव है। उनकी यात्रा रणनीतिक योजना, वित्तीय रिपोर्टिंग और व्यवसाय विकास पर केंद्रित रही है, जो एनवीडिया में उनके योगदान की आधारशिला बनी। प्रारंभिक करियर की बात करें, तो 1990 में उन्होंने अपनी करियर की शुरुआत टेक्सास इंस्ट्रूमेंट्स से की, जहां विभिन्न वित्तीय भूमिकाओं में कार्य किया। यहां उन्होंने सेमीकंडक्टर उद्योग की बुनियादी समझ विकसित की, जो बाद में एनवीडिया के चिप डिजाइन फोकस के साथ जुड़ी।
- लगभग 13 वर्षों (2000-2013) तक माइक्रोसॉफ्ट में रहने के दौरान, कोलेट ने कॉर्पोरेट प्लानिंग और फाइनेंस में वरिष्ठ भूमिकाएं निभाईं। चार वर्षों तक वे सर्वर एंड टूल्स डिवीजन की सीएफओ रहीं, जहां उन्होंने क्लाउड कंप्यूटिंग और एंटरप्राइज सॉफ्टवेयर के वित्तीय रणनीति का नेतृत्व किया। इस अवधि में, माइक्रोसॉफ्ट के सर्वर बिजनेस को मजबूत करने में उनका योगदान महत्वपूर्ण रहा, जो आज एज्योर क्लाउड प्लेटफॉर्म की सफलता का आधार है।
- माइक्रोसॉफ्ट छोड़ने के बाद, उन्होंने सिस्को सिस्टम्स में तीन वर्ष बिताए, जहां वे बिजनेस टेक्नोलॉजी एंड ऑपरेशंस फाइनेंस की सीनियर वाइस प्रेसिडेंट और सीएफओ रहीं। यहां उन्होंने सभी बिजनेस सेगमेंट्स, इंजीनियरिंग और ऑपरेशंस के लिए वित्तीय रणनीति, योजना, रिपोर्टिंग और व्यवसाय विकास का प्रबंधन किया। सिस्को के नेटवर्किंग और साइबर सिक्योरिटी क्षेत्र में उनके प्रयासों ने कंपनी की वृद्धि को गति दी।
- सितंबर 2013 में एनवीडिया जॉइन करने के बाद, कोलेट ने कंपनी की वित्तीय स्थिरता और विस्तार को नई दिशा दी। जब वे आईं, तो एनवीडिया मुख्य रूप से गेमिंग ग्राफिक्स कार्ड्स पर निर्भर थी, लेकिन उनके नेतृत्व में एआई, डेटा सेंटर और ऑटोनॉमस व्हीकल्स जैसे क्षेत्रों में निवेश बढ़ा। 2025 तक, एनवीडिया की राजस्व वृद्धि एक दशक की सबसे तेज रही, जो 2023 के 27 बिलियन डॉलर से 2025 में 100 बिलियन डॉलर से अधिक हो गई। उनकी मुआवजा संरचना में बेस सैलरी, बोनस और बड़े इक्विटी अवॉर्ड्स शामिल हैं, जिससे उनकी 5.4 मिलियन शेयरों की होल्डिंग 1 बिलियन डॉलर से अधिक मूल्यवान हो गई।

सीएफओ के रूप में भूमिका

एनवीडिया की ईवीपी और सीएफओ के रूप में, कोलेट क्रेस कंपनी की वित्तीय स्वास्थ्य, निवेशक संबंधों और वैश्विक विस्तार की जिम्मेदारी संभालती हैं। उनके नेतृत्व में, एनवीडिया ने एआई चिप्स (जैसे एच-100 और ब्लेकवेल) के विकास में भारी निवेश किया, जो डेटा सेंटर राजस्व को 80 प्रतिशत से अधिक बढ़ा चुका है। वे बोर्ड मीटिंग्स में रणनीतिक सलाह देती हैं और सस्टेनेबल फाइनेंस पर फोकस करती हैं, जैसे ग्रीन डेटा सेंटर्स। 2026 तक, उनके विजन में एआई-ड्रिवन फ्यूचर शामिल है, जहां एनवीडिया को 4 ट्रिलियन डॉलर वैल्यूएशन की ओर ले जाना लक्ष्य है। मैकिंसे और फोर्ब्स के अनुसार, उनकी रणनीतियां एनवीडिया को टेक इतिहास की सबसे तेज वृद्धि वाली कंपनियों में शुमार करती हैं।

उपलब्धियां और पुरस्कार

कोलेट क्रेस की उपलब्धियां उन्हें अमेरिकी वित्त जगत की प्रभावशाली महिलाओं में स्थापित करती हैं। कुछ प्रमुख उपलब्धियां इस प्रकार हैं-

- 2016 - सिलिकॉन वैली बिजनेस जर्नल द्वारा 'सीएफओ ऑफ द ईयर' - एनवीडिया के वित्तीय ट्रांसफॉर्मेशन के लिए।
- 2024 - बैरन्स द्वारा 'यू.एस. फाइनेंस में 100 सबसे प्रभावशाली महिलाओं' में शामिल।
- 2025 - फोर्ब्स की 'अमेरिका की सबसे अमीर स्व-निर्मित महिलाओं' सूची में 54 वां स्थान, नेट वर्थ 1 बिलियन डॉलर।
- 2023 - ग्लोब्स द्वारा 'ट्रिलियन डॉलर वुमन' के रूप में सम्मानित, एनवीडिया की ट्रिलियन-डॉलर वैल्यूएशन के लिए।
- 2025- चीफ की 'द न्यू एरा ऑफ लीडरशिप' में विजेता, कंपनी को तीसरी सबसे मूल्यवान बनाने के लिए।
- इनके अलावा, उनके नेतृत्व में एनवीडिया ने एक दशक में राजस्व को 10 गुना से अधिक बढ़ाया, जो टेक इतिहास की दुर्लभ उपलब्धि है।

उनके विचार

कोलेट क्रेस के अनुसार, "त्वरित कम्प्यूटिंग और एआई की ओर बढ़ना ऐसा नहीं है, जहां आप हार्डवेयर चालू करें और अपना सामान लोड करें, तो यह चल जाए। हमने जो सॉफ्टवेयर बनाया है, वह कंपनियों के लिए त्वरित कम्प्यूटिंग की राह तैयार करने के लिए है।" पोस्ट-अर्निंग्स इंटरव्यू में, उन्होंने सॉफ्टवेयर को हार्डवेयर के पूरक के रूप में वर्णित किया। यह विचार प्रेरणा देता है कि सफलता केवल उत्पाद नहीं, बल्कि पारिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम) से आती है। कोलेट का मानना है कि सॉफ्टवेयर संक्रमण को आसान बनाता है, जो प्रतिस्पर्धियों को पीछे छोड़ देता है, एक सबक कि नेतृत्व में समग्र दृष्टिकोण आवश्यक है।

उनके अनुसार, "हम एक यात्रा पर हैं और शायद हम इस यात्रा के पहले या दूसरे इनिंग में हैं, क्योंकि दुनिया को संक्रमण करना है। केवल एआई समाधानों तक सीमित न रहें, बल्कि कम्प्यूटिंग को त्वरित और समानांतर रूप से कैसे करें।" गोल्डमैन सैक्स सम्मेलन में एआई फैक्ट्रीज और एंटरप्राइज डेटा पर यह प्रेरक विचार धैर्य और दृष्टि की याद दिलाता है। कोलेट हमें बताती हैं कि महान उपलब्धियां रातों-रात नहीं होतीं, वे दशकों की मेहनत से आती हैं, जो चुनौतियों के बीच प्रेरणा बनाए रखने का संदेश देती हैं।

प्रभाव और भविष्य की दिशा

कोलेट क्रेस का प्रभाव न केवल एनवीडिया पर, बल्कि पूरे टेक और वित्तीय सेक्टर पर पड़ा है। उन्होंने महिलाओं को वित्तीय नेतृत्व में प्रोत्साहित किया और एआई क्रांति को फंडिंग प्रदान की। उनके तहत, एनवीडिया ने सस्टेनेबिलिटी और इनोवेशन को प्राथमिकता दी, जो 2026 की चुनौतियों जैसे जियोपॉलिटिकल टेंशन्स और चिप शॉर्टेज का सामना करने में मदद करेगी। भविष्य में, वे एआई एथिक्स और ग्लोबल एक्सपैंशन पर फोकस करेंगी, जो एनवीडिया को अगले ट्रिलियन डॉलर क्लब में ले जाएंगी। संक्षेप में कोलेट क्रेस एक ऐसी विजेता हैं, जिनकी बुद्धिमत्ता, रणनीतिक दृष्टि और दृढ़ता ने उन्हें बिलियनेयर बनाया। उनकी कहानी युवा पेशेवरों, विशेष रूप से महिलाओं के लिए प्रेरणा है।

यात्रा वृत्तांत

प्रणय और प्रताप की भूमि कोटद्वार की कण्वघाटी

उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जनपद के कोटद्वार से लगभग 10 किलोमीटर की दूरी पर मालिनी नदी के तट के निकट महर्षि कण्व ऋषि का आश्रम है। महाकवि कालिदास ने इसी नदी के किनारे बैठकर अद्भुत प्रेमकाव्य अभिज्ञान शाकुंतलम् की रचना की थी। इसी आश्रम में शकुंतला एक पर्णकुटी में रहते हुए प्रकृति की सेवा-संरक्षण में रत रहा करती थीं। एक बार आखेट के लिए निकले राजा दुष्यंत वनक्षेत्र में अंदर कण्व ऋषि के आश्रम के निकट पहुंच गए, जहां सुंदरी शकुंतला को देखकर उनका मन मोहित होने की लोकश्रुति से सब परिचित हैं। वे सोचने लगे इतनी सुंदर स्त्री इस वियावान आश्रम में क्या कर रही है। थकावट के कारण मलीन पड़े दुष्यंत के मुखमंडल को देखकर शकुंतला ने उन्हें जल पिलाया।

संतोष कुमार तिवारी
नैनीताल

अभिज्ञान शाकुंतलम् के चतुर्थ अंक के चार श्लोक, जिन्हें श्लोक चतुष्टय भी कहते हैं, में उल्लेख मिलता है कि महर्षि कण्व को करुणापूरित-पितृ हृदय मिला था। संसार के मोह-माया को त्याग देने वाले महर्षि कण्व मन ही मन में शकुंतला को दुष्यंत के साथ विवाहोपरांत भेजने के पश्चात की अधीनता मन द्रवित कर देती है। दुष्यंत के प्रणय निवेदन और मिलन के बाद शकुंतला का राजा दुष्यंत के प्रेम में डूबना एक स्वाभाविक क्रिया है। वे जिन वनस्पतियों-लताओं-पादपों को मालिनी नदी के जल से सींचने के उपरांत और उसके बाद ही जल फलाहार और जल ग्रहण करती थीं, अब अनमने भाव से, खोई-खोई सी रहने लगी हैं। अलग-अलग ऋतुओं में खिलने वाले फूल पल्लव उनके लिए आभूषण हैं।

अभिज्ञान शाकुंतल में कालिदास लिखते हैं कि विदाई के समय वन देवियां उनके कानों में मौसम का सबसे सुगंधित फूल गूंथती हैं उनके गले, कलाइयों में फूलों की छोटी माला पहनाती हैं। सहेलियां सुकेशिनी शकुंतला के गझिन और लंबे केशराशि में फूलों का गजरा पहनाकर दुष्यंत के साथ विदा करती हैं। विदाई के समय महर्षि कण्व ऋषि दुष्यंत और शकुंतला दोनों को वंश वंशानुसार आचरण का परिपालन करने की सीख देते हैं और स्वप्न में भी दुष्यंत को बहु पत्नी परंपरा का अनुयायी का निषेध करते हैं। कण्वघाटी प्रणयी राजा दुष्यंत और शकुंतला की प्रेम कहानी से आगे निकलकर प्रताप की भूमि भी है या नहीं बोलना चाहिए। इसी पावन भूमि पर शकुंतला सिंह से बढ़कर, महाप्रतापी और बाहुबली बालक भरत को जन्म देती है। वर्तमान में यहां पर राजा दुष्यंत शकुंतला और ऋषि की प्रतिमाओं के पास एक सिंह, जिसके मुंह को खोलकर भरत उसका दांत गिनते हुए दिख रहे हैं। इस कथा के प्रतीकात्मक अर्थ से जुड़ना बहुत आवश्यक है। प्रणय में आकंठ डूबने के बाद भी किस तरह शांत और एकनिष्ठ प्रेम की आनंदानुभूति से आप्तकाम हैं, इसका सर्वोत्कृष्ट उदाहरण हैं, देवि शकुंतला। कल-कल बहती मालिनी नदी और वनाच्छादित कण्वाश्रम का अतीत जितना मनोहरी महाकवि कालिदास के साहित्य में है, काश वर्तमान में उसकी गरिमा यदि संरक्षित होती तो आज पर्यटकों का यहां भी ताता लगा होता। यहां एक डिग्री कॉलेज केंद्रीय विद्यालय बालिका इंटर कॉलेज और अटल उत्कृष्ट विद्यालय शिक्षा की अलख जगाए है। मैं आश्रम से निकलकर मालिनी नदी में जल-आचमन के लिए आगे बढ़ा ही था, तभी वहां के स्थानीय निवासी विपिन नौटियाल और कृपाराम शर्मा ने आवाज लगाई, मैंने जैसे ही पलट कर देखा। एक बड़े दांत वाला हाथी मेरी ही दिशा की तरफ बढ़ता चला रहा था। मैंने खुद को सुरक्षित किया और प्रधानाचार्य सुनील कुमार जी ने कहा कि महोदय! यहां गजराज की आवक खूब रहती है। सतर्क रहिए। सेफ रहिए। दिन करीब-करीब डूबने वाला था और मुझे लौटकर कोटद्वार भी आना था, वापस तो लौट आया, लेकिन मेरे मानस-पटल में कण्वाश्रम, प्रकृति कन्या शकुंतला की परम प्रतापी संतान भरत द्वारा सिंह के दांत गिनते हुए की प्रस्तर आकृति सत्साहस का संचार करने वाली है।

एक बारगी आज की युवा पीढ़ी को देखकर यही सोचता हूं कि यह वही देश है, जहां भरत जैसी संतान हुई। आज की युवा पीढ़ी, आज का किशोर अपना आदर्श भरत को मानते भरत के प्रताप से प्रेरित होता। एक समवेत अनुरोध करना चाहता हूं कि प्रशासन मालिनी नदी की पुण्य-सलिला धारा को निर्बाध रूप से प्रवाहमान बनाए रखने, आसपास की वन-संपदा और आश्रम परिसर को पर्यटकों के लिए विकसित कर खोलने पर विचार किया जाना चाहिए, जिससे देश की युवा पीढ़ी भरत से परिचित हो सके, कण्व-आश्रम और महीयसी शकुंतला से से परिचित हो सके।

लव बर्ड्स

संघर्षों के बीच पनपा विश्वास

हमारी पहली मुलाकात वर्ष 2009 में मेरी बुआ जी की बेटी की शादी में हुई थी। उस दिन वैशाली ने काले रंग की साड़ी पहन रखी थी। जैसे ही मैंने उन्हें देखा, उसी क्षण मेरे मन में उनके प्रति एकतरफा प्रेम जाग उठा। तभी मैंने मन ही मन यह निर्णय कर लिया कि यही वह लड़की है, जो विवाह के लिए पूर्णतः उपयुक्त है।

शादी के पांच-छह दिन बाद हम पहली बार दिल्ली कनॉट प्लेस स्थित मैकडोनाल्ड्स में मिले। मुलाकात होते ही मैंने बिना किसी भूमिका के वैशाली से विवाह का प्रस्ताव रख दिया। यह सुनकर उन्होंने कहा कि यह संभव नहीं होगा, क्योंकि हमारे दोनों परिवार इस रिश्ते के लिए सहमत नहीं होंगी। उनके ऐसा कहने के बाद मेरा अगला प्रश्न था-"क्या तुम मेरा साथ दोगी?" उन्होंने 'हां' कहा। तब मैंने उनसे कहा कि फिर सब कुछ भगवान पर छोड़ देते हैं, सब ठीक हो जाएगा। इसके बाद के कुछ वर्ष हमारे लिए काफी संघर्षपूर्ण रहे। वर्ष 2011 में वैशाली के पिता का निधन हो गया। इसके दो वर्ष बाद मेरे पिता भी हमें छोड़कर चले गए। इन घटनाओं के बाद दोनों परिवारों को मनाना और भी कठिन हो गया। उस समय मैं आर्थिक रूप से भी स्थिर नहीं था और दिल्ली में मेरा अपना घर भी नहीं था, जिसके कारण वैशाली का परिवार इस रिश्ते को लेकर आश्वस्त नहीं था, लेकिन वैशाली का हर परिस्थिति में मेरे साथ खड़े रहना ही मेरे लिए सबसे बड़ा संबल था।

वर्ष 2012 में मैंने दिल्ली में अपना घर लिया। दोनों परिवारों के कड़े विरोध और अनेक कठिनाइयों के बाद अंततः वह शुभ घड़ी भी आ गई और 18 नवंबर 2013 को हम विवाह के पवित्र बंधन में बंध गए। तब से लेकर आज तक हम दोनों हर सुख-दुख में एक-दूसरे के साथ हैं। वर्ष 2016 में हमारे यहां एक पुत्र का जन्म हुआ, जिसने हमारी खुशियों को और भी पूर्ण कर दिया। अब तक के इन बारह वर्षों के सफर में अनेक उतार-चढ़ाव आए, लेकिन हर भावनात्मक और आर्थिक संकट के समय वैशाली ने मेरा मजबूती से साथ दिया। आज मैं अपने परिवार के साथ बेहद संतुष्ट और खुश हूं।

-राम मोहन और वैशाली

ब्रेल लिपि: एक स्पर्श, जो बदल देता है जीवन

फ्रांसीसी शिक्षक और आविष्कारक लुई ब्रेल की जयंती के उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष 4 जनवरी को 'विश्व ब्रेल दिवस' मनाया जाता है। लुई ब्रेल ने 1824 में क्रांतिकारी 'ब्रेल लिपि' का आविष्कार किया था, जिससे दृष्टिहीन व्यक्तियों की दुनिया ही बदल गई। ब्रेल लिपि से दृष्टिहीनों को पढ़ने और लिखने का अद्वितीय माध्यम प्राप्त हुआ। इस लिपि ने दृष्टिहीन व्यक्तियों को आत्मनिर्भर बनने में बहुत बड़ी मदद की है, जिसके चलते वे समाज की मुख्यधारा में सक्रिय भागीदारी कर पाते हैं। ब्रेल लिपि ने उनके लिए शिक्षा, रोजगार और संचार के क्षेत्र में नई संभावनाएं खोली हैं। 'विश्व ब्रेल दिवस' दृष्टिहीन व्यक्तियों के अधिकारों, उनके सशक्तिकरण और उनकी शिक्षा में ब्रेल लिपि के महत्व को रेखांकित करने के लिए समर्पित है। यह दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य दृष्टिहीन और आंशिक दृष्टिहीन व्यक्तियों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना है। यह दिवस दृष्टिहीन व्यक्तियों की शिक्षा, रोजगार और समावेशन के क्षेत्र में ब्रेल लिपि के महत्व को उजागर करता है। यह दिन ब्रेल लिपि के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने में मदद करता है और समाज में नेत्रहीन व्यक्तियों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने को प्रोत्साहित करता है।

श्वेता गोयल
शिक्षिका

ब्रेल लिपि नेत्रहीन व्यक्तियों के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण है, जो उन्हें समाज में अपना स्थान बनाने में मदद करती है। ब्रेल लिपि छह बिंदुओं पर आधारित एक विशेष लेखन प्रणाली है, जो दृष्टिहीन व्यक्तियों को स्पर्श के माध्यम से पढ़ने, लिखने और सीखने में सक्षम बनाती है। यह प्रणाली किताबों, पत्रिकाओं और नोट्स से लेकर डिजिटल उपकरणों तक, कई माध्यमों में उपयोग की जाती है। ब्रेल लिपि के माध्यम से नेत्रहीन व्यक्ति पुस्तकें पढ़ सकते हैं, दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कर सकते हैं और यहां तक कि कम्प्यूटर भी चला सकते हैं। यह उन्हें शिक्षा, रोजगार और स्वतंत्र जीवन जीने में सक्षम बनाती है। दरअसल ब्रेल लिपि एक ऐसी स्पर्शनीय लेखन प्रणाली है, जिसमें उभरे हुए बिंदुओं का उपयोग अक्षरों और संख्याओं को दर्शाने के लिए किया जाता है। नेत्रहीन व्यक्ति अपनी उंगलियों से इन बिंदुओं को महसूस करके पढ़ सकते हैं। यह लिपि नेत्रहीन बच्चों को शिक्षा प्राप्त करने और अपने सपनों को पूरा करने का अवसर प्रदान करती है।

1824 में विकसित हुई प्रणाली

लुई ब्रेल द्वारा यह प्रणाली 1824 में विकसित की गई थी, उस समय उनकी आयु केवल 15 वर्ष ही थी। लुई ब्रेल का यह आविष्कार न केवल दृष्टिहीन व्यक्तियों के लिए, बल्कि पूरे मानव समाज के लिए एक प्रेरणा है। ब्रेल लिपि हालांकि एक प्रभावी साधन है, लेकिन इसके उपयोग में कई चुनौतियां भी हैं। दरअसल ब्रेल लिपि में छपी पुस्तकों की सीमित उपलब्धता दृष्टिहीन व्यक्तियों की शिक्षा में बाधा बनती है। इसके अलावा आज के बदलते डिजिटल युग में ब्रेल लिपि को डिजिटल माध्यमों में अपनाने की भी बड़ी आवश्यकता है। दृष्टिहीन व्यक्तियों के अधिकारों को सुनिश्चित करने के लिए यह भी आवश्यक है कि समाज में अधिक समावेशी नीतियां और सुविधाएं विकसित की जाएं। विश्व ब्रेल दिवस वास्तव में दृष्टिहीन व्यक्तियों की चुनौतियों और उनकी उपलब्धियों को समझने का एक महत्वपूर्ण अवसर है, जो हमें स्मरण कराता है कि समावेशी समाज का निर्माण तभी संभव है, जब प्रत्येक व्यक्ति को समान अवसर और अधिकार मिलें। ब्रेल-अनुकूल डिजिटल उपकरण और सॉफ्टवेयर विकसित करना, समुदाय में ब्रेल लिपि के प्रति जागरूकता बढ़ाना और ब्रेल लिपि में अधिक पुस्तकें प्रकाशित करना आज समय की बड़ी मांग है।

भारत में ब्रेल लिपि की चुनौतियां

भारत सरकार ने नेत्रहीन व्यक्तियों के लिए कई सरकारी दस्तावेजों को ब्रेल लिपि में उपलब्ध कराया है। देशभर में कई ब्रेल पुस्तकालय भी हैं, जो नेत्रहीन व्यक्तियों को ब्रेल पुस्तकें और अन्य सामग्री उपलब्ध कराते हैं। भारत में कई स्कूल और कॉलेज ब्रेल लिपि में शिक्षा प्रदान करते हैं। नेत्रहीन छात्रों के लिए विशेष शिक्षक और पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। ब्रेल डिस्प्ले, ब्रेल की-बोर्ड और अन्य तकनीकी उपकरणों ने नेत्रहीन व्यक्तियों के लिए सूचना तक पहुंच को आसान बना दिया है। हालांकि भारत में ब्रेल लिपि से जुड़ी कुछ चुनौतियां भी हैं। ब्रेल शिक्षकों की कमी के कारण कई नेत्रहीन बच्चे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से वंचित रह जाते हैं। ब्रेल डिस्प्ले और अन्य तकनीकी उपकरणों की उच्च लागत के कारण कई नेत्रहीन व्यक्ति इन तकनीकों का लाभ नहीं उठा पाते। समाज में ब्रेल लिपि और नेत्रहीन व्यक्तियों के अधिकारों के बारे में जागरूकता की कमी एक बड़ी चुनौती है। सरकार ने नेत्रहीन व्यक्तियों के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं, जिसमें ब्रेल लिपि को बढ़ावा देना भी शामिल है। कई गैर-सरकारी संगठन और व्यक्ति नेत्रहीन व्यक्तियों की मदद के लिए काम कर रहे हैं। ब्रेल तकनीक में लगातार विकास भी हो रहा है, जिससे नेत्रहीन व्यक्तियों के लिए जीवन आसान हो रहा है, लेकिन इस दिशा में और तेजी से काम करने की जरूरत है।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	85,762.01	26,328.55
बढ़त	573.41	182
प्रतिशत में	0.67	0.70

सोना 1,39,440 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,41,400 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, शनिवार, 3 जनवरी 2026

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2535, राज श्री 1800, फ़ॉर्चून कि. 2250, रविन्द्रा 2410, फॉर्चुन 13 किग्रा 1980, जय जवान 1975, सचिन 2010, सूरज 1975, अवसर 1865, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1855, क्लासिक (किग्रा) 2145, मोर 2170, चक्र टिन 2300, ब्लू 2085, आशीर्वाद मस्टर्ड 2295, स्वास्तिक 2490

किराना : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000-18000, धनिया 9400-12000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि.) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल : (प्रति कु.) डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4850, शर्बती स्टीम 5200, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8200, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1किग्रा,5किग्रा) 10100, हरी पत्ती नेचुरल 9100, जेनिथ 8400, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350,लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12000-13400, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450, मलका दाल 7350-9200, मलका छांटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 7800-8500, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800-10400,चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7700, चना अकोला 6600, डबरा 6700-8400, सच्चा हीरा 8500, मोटा हीरा 9800, अरहर गोला मोटा 7700, अरहर पटका मोटा 8000, अरहर कोरा मोटा 8500, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी : पीलीभीत 4280, बहेड़ी 4220

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 3400, मसूरी- 950, बासमती- 5200, परमल- 1300

दाल दलहन : काला चना- 2400, साबुत चना दाल- 2000, मूंग साबुत- 4700, राजमा- 8400-11000, दाल उड़द- 5000, साबुत मसूर दाल- 3000, मसूर दाल- 2200, उड़द साबुत- 4400, काबुली चना- 8100, अरहर दाल- 10000, लोबिया/करमानी- 1400

देश में विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां दो साल के सबसे निचले स्तर पर

खरीद प्रबंधक सूचकांक ने मासिक सर्वेक्षण के बाद जारी किए दिसंबर के आंकड़े

- नए ऑर्डर में धीमी वृद्धि को बताया गिरावट का प्रमुख कारण

नई दिल्ली, एजेंसी

देश की विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां दिसंबर में दो साल के निचले स्तर पर आ गईं। नए ऑर्डर में धीमी वृद्धि को इसकी मुख्य वजह बताया गया है। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) नवंबर के 56.6 से दिसंबर में 55 पर आ गया। खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर का अंक विस्तार जबकि 50 से नीचे का अंक संकुचन दर्शाता है।

शुक्रवार को जारी मासिक सर्वेक्षण में यह बात सामने आई। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस में अर्थशास्त्र की कार्यकारी निदेशक पॉलियाना डी लीमा ने कहा, वृद्धि की गति धीमी होने के बावजूद भारत के विनिर्माण उद्योग ने 2025 का समापन अच्छी स्थिति में किया। नए व्यवसायों में आई तीव्र वृद्धि से कंपनियों को वित्त वर्ष 2025-26 की अंतिम तिमाही में व्यस्त रहने की उम्मीद है और प्रमुख मुद्रास्फीति दबावों की कमी मांग को समर्थन देना जारी रख सकती है। एचएसबीसी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई सर्वेक्षण द्वारा 'ट्रैक' किए गए कई मापदंडों में 2025 कैलेंडर वर्ष के अंत में वृद्धि की गति धीमी हो गई। दो वर्ष में नए ऑर्डर में सबसे कमजोर उछाल के बीच उत्पादन वृद्धि 38 महीनों के निचले स्तर पर पहुंच गई। सर्वेक्षण के मुताबिक कुल बिक्री में आई मंदी का एक कारण अंतरराष्ट्रीय ऑर्डर में धीमी वृद्धि भी रही।

रोजगार सृजन की गति भी रही सबसे कम

नए निर्यात ऑर्डर में पिछले 14 महीनों में सबसे कम वृद्धि दर्ज की गई। दूसरी ओर एशिया, यूरोप और पश्चिम एशिया के ग्राहकों से बेहतर मांग देखने को मिली। सर्वेक्षण में कहा गया, वर्तमान अवधि में रोजगार सृजन की गति सबसे कम रही। कीमतों के मोर्चे पर सर्वेक्षण में कहा गया कि कच्चे माल की लागत में ऐतिहासिक रूप से नगण्य गति से वृद्धि हुई है। साथ ही, मूल्य मुद्रास्फीति की दर नौ महीनों के निचले स्तर पर आ गई है। भारतीय वस्तु उत्पादकों को 2026 में वर्तमान स्तर की तुलना में उत्पादन में वृद्धि की उम्मीद है लेकिन समग्र भावना का स्तर लगभग साढ़े तीन वर्ष में अपने सबसे निचले स्तर पर आ गया है। एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण पीएमआई को एसएंडपी ग्लोबल ने करीब 400 कंपनियों के एक समूह में क्रय प्रबंधकों को भेजे गए सवालों के जवाबों के आधार पर तैयार किया है।

इलेक्ट्रॉनिक घटक विनिर्माण योजना के तहत 22 प्रस्ताव मंजूर

नई दिल्ली। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने इलेक्ट्रॉनिक घटक विनिर्माण योजना (ईसीएमएस) के तहत 22 नए प्रस्तावों को शुक्रवार को मंजूरी दी। इनमें अनुमानित निवेश 41,863 करोड़ रुपये और अनुमानित उत्पादन 2,58,152 करोड़ रुपये है। स्वीकृत प्रस्तावों में डिक्सन, सैमसंग डिस्प्ले नोएडा प्राइवेट लिमिटेड, फॉक्सकॉन (युझान टेक्नोलॉजी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड) और हिंडाल्को इंडस्ट्रीज के प्रस्ताव शामिल हैं। इन स्वीकृतियों से प्रत्यक्ष रोजगार के 33,791 अवसर सृजित होने की उम्मीद है। इससे पहले घोषित 12,704 करोड़ रुपये के निवेश के लिए 24 आवेदनों की मंजूरी के क्रम में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने ईसीएमएस के तहत 22 और प्रस्तावों को मंजूरी दी है। इनमें अनुमानित निवेश 41,863 करोड़ रुपये और अनुमानित उत्पादन 2,58,152 करोड़ रुपये है। केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को कंपनियों को स्वीकृति पत्र सौंपे।

नए शिखर पर निफ्टी, सेंसेक्स 573 अंक उछला

मुंबई, एजेंसी

विदेशों से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच चौतरफा लिवाली से शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजारों में तेजी रही और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक नए शिखर पर बंद हुआ। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स भी 573.41 अंक (0.67 प्रतिशत) की बढ़त के साथ 85,762.01 अंक पर बंद हुआ जो इसका दूसरा उच्चतम बंद स्तर है।

बाजार में शुक्रवार को शुरू से ही तेजी रही। निफ्टी-50 सूचकांक 182 अंक यानी 0.70 प्रतिशत ऊपर 26,328.55 अंक पर बंद हुआ जो इसका सर्वकालिक उच्च स्तर है। बीच कारोबार में यह 26,340 अंक तक मजबूत हुआ था। सेंसेक्स इससे पहले 26 सितंबर 2024 को यह 85,836.12 अंक पर बंद हुआ था। चौतरफा लिवाली के बीच 1 फरवरी से पान मसाला, सिगरेट-बीड़ी तथा अन्य तंबाकू उत्पादों पर उपकर, कर और आयात शुल्क बढ़ाने की अधिसूचना के बाद एफएमसीजी कंपनी आईटीसी के शेयरों में लगातार दूसरे दिन गिरावट रही। इसका शेयर शुक्रवार को 3.79 प्रतिशत टूट गया। गुरुवार को भी इसमें करीब 10 फीसदी की गिरावट रही थी। मझोली और छोटी कंपनियों के सूचकांक भी बढ़त में रहे। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.94 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.72 प्रतिशत चढ़ा। एफएमसीजी छोड़कर अन्य सभी सेक्टरों में तेजी रही।

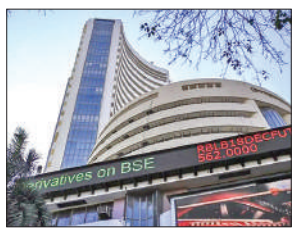

- तंबाकू उत्पादों पर शुल्क की घोषणा से लगातार दूसरे दिन गिरे आईटीसी के शेयर

सोना 1100 और चांदी 4000 रुपये बढ़ी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में मजबूत रुख के बीच शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 1,100 रुपये बढ़कर 1,39,440 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। चांदी की कीमत भी 4,000 रुपये बढ़कर सभी टैक्स मिलाकर 2,41,400 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाजिर सोना 67.47 डॉलर या 1.56 प्रतिशत बढ़कर 4,392.94 डॉलर प्रति औंस हो गया।

डॉलर के मुकाबले रुपया फिर 90 के पार

मुंबई। रुपया शुक्रवार को फिर गिर गया और 22 पैसे टूटकर 90.20 (अस्थाई) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। निराशाजनक वृहत आर्थिक आंकड़ों और डॉलर मजबूत होने से रुपया दबाव में रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी तथा आयातकों की मजबूत डॉलर मांग ने निवेशकों की धारणा को और कमजोर किया।

विदेशी मुद्रा भंडार 3.29 अरब बढ़कर 696.61 अरब डॉलर पर

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को कहा कि 26 दिसंबर को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 3.29 अरब डॉलर बढ़कर 696.61 अरब डॉलर हो गया। इससे पिछले सप्ताह कुल भंडार 4.36 अरब डॉलर बढ़कर 693.31 अरब डॉलर पर रहा था। केंद्रीय बैंक के आंकड़ों के अनुसार 26 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा माने जाने वाले विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां 18.4 करोड़ डॉलर बढ़कर 559.61 अरब डॉलर हो गईं। रिजर्व बैंक ने कहा कि इस दौरान सोने के भंडार का मूल्य 2.95 अरब डॉलर बढ़कर 113.32 अरब डॉलर हो गया।

कृभको : ऋषिपाल बने यूपी के राज्य प्रबंधक

लखनऊ। कृषक भारती कोऑपरेटिव लिमिटेड (कृभको) ने अपने संगठनात्मक ढांचे को सुदृढ़ करते हुए ऋषिपाल सिंह राठौर को उत्तर प्रदेश का राज्य प्रबंधक नियुक्त किया है।

ऋषिपाल सिंह राठौर सहारनपुर जिले के गांव सांपला बेगमपुर से निकलकर इन ऊंचाइयों तक पहुंचे हैं। उन्होंने 1996 कृषि में स्नातकोत्तर किया था। इसके बाद कृभको संस्था में योगदान कर पंजाब, हरियाणा के कई पदों पर कार्य किया, साथ ही पश्चिम बंगाल में राज्य विपणन प्रबंधक का पद संभाला। शुक्रवार को उन्होंने लखनऊ में कृभको उत्तर प्रदेश में राज्य प्रबंधक का कार्यभार संभाला। ऋषिपाल सिंह राठौर को विपणन क्षेत्र में 30 वर्षों का प्रशासनिक एवं प्रबंधकीय अनुभव प्राप्त है। कृभको प्रबंधन ने आशा जताई है कि ऋषिपाल सिंह राठौर के अनुभव एवनं दक्षता से संगठन को उद्देश्यों की प्राप्ति में महत्वपूर्ण सहयोग मिलेगा।

सरकार ने की 7,295 करोड़ रुपये के निर्यात पैकेज की घोषणा

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने शुक्रवार को निर्यातकों की ऋण तक पहुंच को बेहतर बनाने के लिए 7,295 करोड़ रुपये के निर्यात सहायता पैकेज की घोषणा की। इसमें 5,181 करोड़ रुपये की ब्याज सहायता योजना और निर्यात ऋण के लिए 2,114 करोड़ रुपये का गारंटी समर्थन शामिल है। दोनों उपाय छह वर्षों (2025-31) में लागू किए जाएंगे।

वाणिज्य मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव अजय भादू ने कहा कि ये कदम निर्यातकों की व्यापार वित्त से जुड़ी समस्याओं का

- व्यापार वित्त से जुड़ी समस्याओं के समाधान की उम्मीद जताई

समाधान करेंगे। ब्याज सहायता योजना के तहत निर्यातकों को निर्यात से पहले और निर्यात के बाद ऋण पर सब्सिडी मिलेगी। यह नवंबर 2025 में स्वीकृत 25,060 करोड़ रुपये के निर्यात संवर्धन मिशन (ईपीएम) का दूसरा घटक है। पहला घटक 31 दिसंबर, 2025 को लागू किया गया था, जिसमें 4,531 करोड़ रुपये के परिव्यय वाला बाजार पहुंच समर्थन दिया गया था। प्रतिकूल वैश्विक व्यापार परिस्थितियों के बीच सहायता योजना से चिन्हित क्षेत्रों के निर्यातकों को प्रतिस्पर्धी दरों पर ऋण पाने में मदद मिलेगी।

योजना के तहत सरकार पात्र एमएसएमई निर्यातकों को 2.75 प्रतिशत तक की सब्सिडी लाभ देगी। प्रति कंपनी वार्षिक लाभ की सीमा 50 लाख रुपये तय की गई है। इस योजना के विस्तृत दिशानिर्देश भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) द्वारा जारी किए जाएंगे। योजना के लिए कार्यान्वयन एजेंसी आरबीआई है। वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार सहायता दरों की घरेलू और वैश्विक मानकों के आधार पर मार्च और सितंबर में छमाही आधार पर समीक्षा की जाएगी। योजना के विस्तृत दिशानिर्देश आरबीआई द्वारा जारी किए जाएंगे, जो डीजीएफटी के साथ मिलकर कार्यान्वयन एजेंसी है।

मंत्रालय ने कहा कि एक पायलट चरण शुरू किया जाएगा, जिसमें कार्यान्वयन से मिले सुझावों के आधार पर सुधार की गुंजाइश होगी। सरकार ने निर्यात ऋण के लिए 2,114 करोड़ रुपये की गारंटी सहायता की भी घोषणा की है। इसके तहत, एमएसएमई को निर्यात से जुड़े कार्यशील पूंजी ऋण के लिए ऋण गारंटी सहायता प्रदान की जाएगी।

राष्ट्रीय

आतंक फैलाने वाले पड़ोसी को हमसे पानी साझा करने की मांग का हक नहीं

चेन्नई में जयशंकर ने कहा- बुरे पड़ोसियों से भारत को अपने लोगों की रक्षा का पूरा हक

चेन्नई, एजेंसी

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि बात जब बुरे पड़ोसियों की आती है, तो भारत को अपने लोगों की रक्षा करने का पूरा अधिकार है। उन्होंने कहा कि अगर कोई पड़ोसी देश भारत में आतंकवाद फैलाना जारी रखता है, तो वह नई दिल्ली से पानी साझा करने की मांग नहीं कर सकता। जयशंकर ने यह भी कहा कि अच्छे पड़ोसियों के मामले में भारत निवेश करने, मदद देने और साझा करने में कभी पीछे नहीं हटता, फिर चाहे वह कोविड-19 महामारी के दौरान टीके हों, यूक्रेन संघर्ष के दौरान ईंधन एवं खाद्य सहायता हो या श्रीलंका को उसके वित्तीय संकट के दौरान दी गई चार अरब अमेरिकी डॉलर की वित्तीय मदद हो।

चेन्नई में भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी (आईआईटी) मद्रास में आयोजित संवाद कार्यक्रम में जयशंकर ने कहा, लोग कूटनीति को 'रॉकेट साइंस' की तरह पेश करते हैं। यह तो आम समझ की बात है, आप अपने पड़ोसी के साथ कैसा बर्ताव करते हैं। उन्होंने कहा, अगर आपका कोई पड़ोसी आपके प्रति अच्छा व्यवहार करता है या कम से कम आपको नुकसान नहीं पहुंचाता है, तो आप स्वाभाविक रूप से उसके लिए दयालु प्रवृत्ति रखते हैं और उसकी मदद करते हैं। अगर ऐसे पड़ोसी को कोई समस्या है, तो आप किसी न किसी तरह से उसकी मदद करना चाहेंगे। कम से कम आप उसे नमस्कार करेंगे, आप दोस्ती करने, घनिष्ठता बढ़ाने की कोशिश करेंगे। एक देश के रूप में हम भी यही करते हैं।

जयशंकर ने कहा, तो जब आप हमारे आसपड़ोस पर नजर दौड़ाते हैं, जहां भी वास्तव में अच्छा पड़ोसी होने का भाव दिखता है, तो मुझे लगता है कि आपने देखा होगा कि भारत निवेश करने, मदद देने, साझा करने में कभी पीछे नहीं हटता। उन्होंने कहा, लेकिन जब आपके पड़ोसी बुरे हों और अगर कोई देश जानबूझकर, लगातार, बिना पछतावे के आतंकवादी गतिविधियों को जारी रखने का फैसला करता है, तो हमें आतंकवाद के खिलाफ अपने लोगों की रक्षा करने का पूरा अधिकार है। हम उस अधिकार का इस्तेमाल करेंगे। हम उस अधिकार का इस्तेमाल कैसे करते हैं, यह हम पर निर्भर करता है।

उन्होंने कहा कि कई साल पहले हम (भारत और पाकिस्तान) जल बंटवारे समझौते पर सहमत हुए थे, लेकिन अगर दशकों तक आतंकवाद जारी रहे, तो अच्छे पड़ोसी संबंध नहीं रह जाते। अच्छे पड़ोसी संबंध न होने पर, अच्छे पड़ोसी संबंध के लाभ भी नहीं मिलते। आप यह नहीं कह सकते कि कृपया मेरे साथ पानी साझा करें, लेकिन मैं आपके यहां आतंकवाद जारी रखूंगा। यह संभव नहीं है।

जयशंकर ने चेन्नई में आईआईटीएम ग्लोबल रिसर्च फाउंडेशन की शुरुआत की।

अरुणाचल प्रदेश भारत का हिस्सा है और रहेगा

अरुणाचल प्रदेश की एक महिला को शंघाई हवाई अड्डे पर रोके जाने के चीनी आव्रजन अधिकारियों के कदम के बारे में पूछे जाने पर विदेश मंत्री ने कहा, अरुणाचल प्रदेश भारत का हिस्सा है और हमेशा रहेगा। इस तरह के हथकंडों से जमीनी हकीकत नहीं बदलने वाली, भारत बिना किसी दबाव के अपने लोगों और अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा करेगा। जयशंकर ने 'आईआईटीएम ग्लोबल रिसर्च फाउंडेशन' की भी शुरुआत की, जो आईआईटी मद्रास की एक ऐतिहासिक अंतरराष्ट्रीय पहल है, जिसका मकसद संस्थान को शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता के लिए एक वैश्विक नेटवर्क वाले केंद्र के रूप में स्थापित करना है।

दिल्ली: आवारा कुत्तों के मुद्दे पर आप पर अफवाहें फैलाने के आरोप में रिपोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने आवारा कुत्तों के मामलों में नोडल अधिकारियों की नियुक्ति पर जारी एक प्रपत्र के संबंध में सोशल मीडिया पर गलत सूचना फैलाने की शिक्षा निदेशालय की शिकायत के बाद शुक्रवार को प्राथमिकी दर्ज की है।

दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि सरकार ने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल द्वारा इस मुद्दे पर फैलाई जा रही गलत सूचनाओं के खिलाफ कार्रवाई करने का फैसला किया है। शिक्षा निदेशालय ने मामले में कानूनी कार्रवाई की मांग करते हुए पुलिस में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई। इस संबंध में बीएनएस की धारा 353 (1) (किसी भी बयान, झूठी सूचना, अफवाह या रिपोर्ट को बनाना, प्रकाशित करना या प्रसारित करना, जिसमें इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से भी शामिल है) और 192 (दंगा भड़काने के इरादे से जानबूझकर उकसाना, यदि दंगा किया जाता है) के तहत प्रथमिकी दर्ज की गई है।

बल्लारी में झड़प के बाद भाजपा विधायक जनार्दन रेड्डी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

बल्लारी (कर्नाटक)। कर्नाटक के बल्लारी में वाल्मीकि प्रतिमा के अनावरण कार्यक्रम से पहले बैनर लगाने को लेकर हुई हिंसक झड़पों के संबंध में शुक्रवार को भाजपा विधायक जनार्दन रेड्डी और 10 अन्य लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। इस घटना में बृहस्पतिवार को एक व्यक्ति की मौत के बाद बल्लारी में सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है, हालांकि स्थिति शांतिपूर्ण बनी हुई है।

चनाला शेखर नाम के शिकायतकर्ता के मुताबिक विधायक भरत रेड्डी बल्लारी में सड़कों और सार्वजनिक परियोजनाओं सहित विभिन्न विकास कार्य करवा रहे हैं। इसी के तहत एसपी सर्कल के पास वाल्मीकि प्रतिमा के अनावरण के लिए एक कार्यक्रम

- वाल्मीकि प्रतिमा के अनावरण कार्यक्रम से पहले बैनर लगाने को लेकर हिंसा

किया गया था। आरोप है, एक जनवरी को शाम साढ़े छह से शाम साढ़े सात बजे के बीच आरोपी जनार्दन रेड्डी, सोमशेखर रेड्डी और अन्य लोगों ने रेड्डी के घर के पास अनावरण समारोह के लिए लगे बैनरों को नुकसान पहुंचाया। प्राथमिकी में कहा गया है कि जब शेखर और सतीश रेड्डी ने उनसे पूछताछ की तो आरोपियों ने अपने समर्थकों के साथ मिलकर उन पर जानलेवा हमला कर दिया। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि बीच-बचाव करने आए पुलिस अधिकारी श्रीनिवास भी घायल हो गए।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाले में चैतन्य बघेल को जमानत

रायपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने शुक्रवार को पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपेश बघेल के पुत्र चैतन्य बघेल को कथित शराब घोटाले से जुड़े दो मामलों में जमानत दे दी। चैतन्य के खिलाफ ईडी और राज्य के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो/आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा (एसीबी/ईओडब्ल्यू) ने शराब घोटाले में मामले दर्ज किए थे। ईडी ने जुलाई में घोटाले की धनशोधन जांच के सिलसिले में चैतन्य बघेल को गिरफ्तार किया था। इससे पहले, राज्य की एजेंसी ने सितंबर में इस मामले में उन्हें गिरफ्तार किया था।

मध्य प्रदेश कुप्रशासन का केंद्र बना प्रधानमंत्री हमेशा की तरह खामोश

- इंदौर में दूषित पानी से कई मौतों के बाद राहुल गांधी की प्रतिक्रिया

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने इंदौर में दूषित पानी के कारण कई लोगों की मौत को लेकर शुक्रवार को आरोप लगाया कि भाजपा शासित मध्य प्रदेश कुप्रशासन का केंद्र बन चुका है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गरीबों की मौत पर हमेशा की तरह खामोश हैं। उन्होंने यह दावा भी किया कि जीवन के अधिकार की हत्या के लिए भाजपा का 'डबल इंजन' जिम्मेदार है।

राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, इंदौर में पानी नहीं, जहर बंटा और प्रशासन कुंभकर्णी नींद में रहा। घर-घर मातम है, गरीब बेबस हैं और ऊपर से भाजपा नेताओं के अहंकारी बयान। जिनके घरों में चूल्हा बुझा है, उन्हें सांत्वना चाहिए थी, लेकिन सरकार ने घमंड परोस दिया। उन्होंने सवाल किया कि लोगों ने बार-बार गंदे, बदबूदार पानी की शिकायत की तो फिर सुनवाई क्यों नहीं हुई। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा, सीवर पीने के पानी में कैसे मिला, समय रहते आपूर्ति बंद क्यों नहीं हुई, जिम्मेदार अफसरों और नेताओं पर कार्रवाई कब होगी। उन्होंने कहा, ये फोकट सवाल नहीं, ये जवाबदेही की मांग है। साफ पानी एहसान नहीं, जीवन का अधिकार है। और इस अधिकार की हत्या के लिए भाजपा का डबल इंजन, उसका लापरवाह प्रशासन और संवेदनहीन नेतृत्व पूरी तरह ज़िम्मेदार है। राहुल ने आरोप लगाया, मध्यप्रदेश अब कुप्रशासन का केंद्र बन चुका है। कहीं कफ सिरप से मौतें, कहीं सरकारी अस्पताल में बच्चों की जान लेने वाले चूहे और अब सीवर मिला पानी पीकर मौतें। और जब-जब गरीब मरते हैं, मोदी जी हमेशा की तरह खामोश रहते हैं।

पीड़ितों से माफी मांगे सरकार: उमा भारती

भोपाल। मध्यप्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने इंदौर में दूषित पेयजल से मौतों के मामले में राज्य सरकार को आड़े हाथों लेते हुए पीड़ित परिवारों से माफी मांगने और दोषियों को अधिकतम दंड देने की मांग की। उन्होंने इसे पाप करार दिया और कहा कि इसके लिए राज्य सरकार को घोर प्रायश्चित करना होगा। स्थानीय नागरिकों ने इंदौर शहर के भागीरथपुरा इलाके में हुई इस घटना में छह माह के बच्चे समेत 15 लोगों के दम तोड़ने का दावा किया है।

प्रशासन ने चार मौतें मानीं इंदौर के महापौर ने दस

इंदौर। देश के सबसे स्वच्छ शहर घोषित इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने शुक्रवार को कहा कि उन्हें शहर के भागीरथपुरा इलाके में दूषित पानी पीने से फैले उल्टी-दस्त के प्रकोप से 10 लोगों की मौत की जानकारी मिली है। उधर, स्थानीय नागरिकों ने इस प्रकोप से छह माह के बच्चे समेत 15 लोगों के दम तोड़ने का दावा किया है। भार्गव ने बताया, स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक भागीरथपुरा में उल्टी-दस्त के प्रकोप से चार लोगों की मौत हुई है। हालांकि मुझे इस प्रकोप के कारण 10 लोगों की मौत की जानकारी मिली है। भागीरथपुरा में उल्टी-दस्त प्रकोप से गुजरे नौ दिनों में 1,400 से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। अस्पतालों में भर्ती 201 मरीजों में से 32 लोग आईसीयू में हैं।

हिमाचल: सीनियर छात्राओं ने की रैगिंग, प्रोफेसर ने यौन उत्पीड़न

शिमला/धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला स्थित एक सरकारी कॉलेज की तीन छात्राओं पर 19 वर्षीय जूनियर छात्रा के साथ रैगिंग और जानबूझकर चोट पहुंचाने का मामला दर्ज किया गया। रैगिंग की घटना से पहले कॉलेज के एक प्रोफेसर पर इसी छात्रा ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। पुलिस के मुताबिक छात्रा की 26 दिसंबर को लुधियाना के एक अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई थी जिसके बाद

- मारपीट से घायल छात्रा की अस्पताल में मौत के बाद पुलिस ने दर्ज किया केस

उसके पिता की शिकायत पर तीनों आरोपी छात्राओं और प्रोफेसर के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

मृतक छात्रा के पिता ने शिकायत में आरोप लगाया कि 18 सितंबर, 2025 को उनकी बेटी को तीन वरिष्ठ छात्रा हर्षिता, आकृति और कोमोलिका ने पीटा था जबकि कॉलेज के प्रोफेसर अशोक कुमार ने उसके साथ अश्लील हरकतें की थीं। आरोप है कि मारपीट और उत्पीड़न के बाद छात्रा को अस्पताल में भर्ती कराया गया था लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतका के पिता ने आरोप लगाया कि इन घटनाओं के बाद उनकी बेटी गंभीर मानसिक तनाव और डर के साए में जी रही थी, जिससे उसकी हालत बहुत तेजी से बिगड़ी। वह गहरे सदमे में थी और उसे अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था इसलिए पहले पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं कराई जा सकी।

पुलिस ने बताया कि बीएनएस की धारा 75 (यौन उत्पीड़न), 115(2) (स्वेच्छा से चोट पहुंचाना), 3(5) (सामान्य इरादा) और हिमाचल प्रदेश शैक्षणिक संस्थान (रैगिंग निषेध) अधिनियम 2009 की धारा तीन के तहत मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

वर्ल्ड ब्रीफ

अफगानिस्तान में बारिश से 17 की मौत

काबुल। अफगानिस्तान में मौसम की पहली भारी बारिश और बर्फबारी के चलते कई इलाकों में अचानक आई बाढ़ ने 17 लोगों की जान ले ली और 11 अन्य घायल हो गए। अफगानिस्तान के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के प्रवक्ता ने गुरुवार को यह जानकारी दी। हेरात प्रांत के काबकान जिले में एक मकान की छत गिरने से परिवार के पांच सदस्य मारे गए।

मादुरो अमेरिका से बातचीत के लिए तैयार

काराकस। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने गुरुवार को कहा कि उनका देश मादक पदार्थों की तस्करी से निपटने के लिए अमेरिका के साथ बातचीत करने को तैयार है। मादुरो ने सरकारी टेलीविजन पर प्रसारित एक साक्षात्कार में यह बात कही। हालांकि, उन्होंने पिछले सप्ताह वेनेजुएला के एक बंदरगाह क्षेत्र पर अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए के हमले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

गाम्बिया में नाव पलटने से सात लोगों की मौत

बंजुल। गाम्बिया के उत्तरी तट के पास बुधवार की आधी रात को एक नाव पलट गई जिसमें 200 से अधिक अवैध प्रवासी सवार थे। इस घटना में सात लोगों की मौत हो गई जबकि 96 अन्य को बचा लिया गया। यह जानकारी अधिकारियों ने गुरुवार को दी। संकट की सूचना मिलते ही, गाम्बियाई नौसेना ने राष्ट्रीय सुरक्षा एवं आपातकालीन एजेंसियों के समन्वय से खोज, बचाव और राहत अभियान शुरू किया। 96 लोगों को बचाया जा चुका है।

मेक्सिको में 6.5 तीव्रता के भूकंप के लगे झटके

मेक्सिको सिटी। दक्षिणी और मध्य मेक्सिको में आए जबरदस्त भूकंप के कारण राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम का नए साल का पहला संवाददाता सम्मेलन बाधित हो गया। मेक्सिको की राष्ट्रीय भूकंप एजेंसी के अनुसार, भूकंप की प्रारंभिक तीव्रता 6.5 थी और इसका केंद्र दक्षिणी प्रांत गुरेरो में सैन मार्कोस शहर के निकट, प्रशांत तट पर स्थित अकापुल्को रिसॉर्ट के नजदीक था। नुकसान की कोई खबर नहीं है।

दो भारतवंशी बनेंगे सिंगापुर में सांसद

सिंगापुर। सिंगापुर में समुदाय और समाज के लिए अपने योगदान से ख्याति अर्जित करने वाले भारतीय मूल के दो व्यक्ति अगले सप्ताह संसद सदस्य मनोनीत किए जाने वाले हैं। ये दोनों उन नौ नामों में शामिल हैं, जिन्हें राष्ट्रपति टी. शनमुगरत्नम ने आठ जनवरी को मनोनीत संसद सदस्य घोषित किया था और वे इस महीने संसद के अगले सत्र में शपथ लेंगे।

मध्य प्रदेश में फूड पॉइजनिंग होने से 200 तोतों की गई जान

- **खरगोन जिले में नर्मदा नदी के किनारे मृत पाए गए सभी**

खरगोन, एजेंसी

मध्यप्रदेश के खरगोन जिले में नर्मदा नदी के किनारे खाद्य विषाक्तता के कारण कम से कम 200 तोतों की मौत हो गई है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि बीते चार दिनों में बड़वाह क्षेत्र में नर्मदा नदी पर बने एक्वाडक्ट पुल के पास तोते मृत मिले हैं।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में बर्ड फ्लू की आशंका से इनकार किया गया है। जिला वन्यजीव वार्डन टोनी शर्मा ने बताया कि बचाव कार्य के दौरान कुछ तोते जीवित पाए गए थे लेकिन भोजन में मौजूद विषाक्तता इतनी अधिक थी कि वे कुछ ही देर बाद मर गए। तोतों की मौत से इलाके में बर्ड फ्लू को लेकर दहशत फैल गई, हालांकि पशु चिकित्सा परीक्षण में संक्रमण के कोई लक्षण नहीं मिले। वन विभाग ने एहतियात के तौर पर एक्वाडक्ट पुल के आसपास पक्षियों को भोजन कराने पर प्रतिबंध लगा दिया है और वहां निगरानी के लिए कर्मचारियों की तैनाती की गई है। अधिकारियों ने बताया कि मृत पक्षियों के विसरा के नमूने जांच को जबलपुर भेजे गए हैं।

आपूर्ति प्रणाली में सुधार जरूरी

मध्य प्रदेश की राजधानी इंदौर में प्रदूषित पानी पीने से 15 लोगों की मौत हो गई है। इन लोगों ने सार्वजनिक आपूर्ति प्रणाली के माध्यम से नलों के माध्यम से की गई जलापूर्ति के पानी का सेवन किया था। पानी पीने से इतने लोगों की मौत पर देशभर में लोगों में चर्चा छिड़ी हुई है। पेयजल को लेकर गंभीर हो गए हैं कि क्या पानी पीने से भी जान जा सकती है। सरकार की जल आपूर्ति व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल उठाए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि पेयजल की लाइन में सीवर का जहरीला पानी शामिल हो गया था। संभवत: पेयजल लाइन सीवर लाइन के नीचे से जा रही थी, पाइप में छेद होने से सीवर का पानी उससे होकर लोगों के घरों में पहुंचा और पीने से 15 जिंदगियां काल के गाल में समा गईं। मामले की जांच बैठा दी गई थी लेकिन बड़ा सवाल यह है कि इसका जिम्मेदार कौन है और लोगों को स्वच्छ जल कब मिलेगा।

स्वच्छ जल का संकट

दूषित पानी में ये जहरीले तत्व

- स्वास्थ्य विभाग और जल प्रदाय एजेंसियों के अनुसार सीवर का पानी आमतौर पर कई खतरनाक तत्वों से भरा होता है।

हानिकारक बैक्टीरिया : ई.कोलाई, साल्मोनेला, शिगेला • **वायरस :** रोटावायरस, नोरोवायरस • **परजीवी :** जिआर्डिया, क्रिप्टोस्पोरिडियम

रासायनिक अशुद्धियां : अमोनिया, नाइट्रेट/नाइट्राइट, सल्फाइड, जैविक कचरा और सड़न से बनी विषैली गैसों के अवशेष

- इन तत्वों के कारण पानी पीते ही तेज फूड प्वाइजनिंग, डिहाइड्रेशन और सेप्सिस जैसी गंभीर स्थितियां बन सकती हैं। जो कई बार जानलेवा साबित हो सकती हैं जैसा कि इंदौर में देखने को मिला।

नागरिक खुद भी रहें जागरूक

- नल का पानी उबालकर/फिल्टर करके ही पिएं
- किसी भी तरह के लक्षण पर तुरंत अस्पताल जाएं
- बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों का विशेष ध्यान रखें
- घर में लगी पानी की टंकियों की एक नियमित अंतराल पर सफाई कराएं

स्वच्छ पानी के तत्व

आमतौर पर हमे आंखों से जो पानी साफ दिखाई देता है उसे ही स्वच्छ मान लेते हैं और पेयजल, स्नान और खाना आदि बनाने में प्रयोग करने लगते हैं लेकिन स्वास्थ्य मानकों के अनुसार पेयजल में कुछ निश्चित तत्व होते हैं जो उसे हमारे शरीर के लिए सुरक्षित बनाते हैं और उसका सेवन ही हमारे स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होता है। यह पानी रोगाणु शून्य होना चाहिए। इसका पीएच मान 6.5–8.5 के बीच होना चाहिए। टीडीएस लेवल औमतौर पर 500 मिलीग्राम प्रति लीटर तक स्वीकार्य हैं। पानी में नाइट्रेट, फ्लोराइड, आर्सेनिक जैसे तत्व भी एक तय सीमा में होने चाहिए। पेयजल का रंग, गंध और स्वाद सामान्य होता है।

सीवर के पानी का शरीर पर असर

- दूषित पानी का असर सबसे पहले पाचन तंत्र पर पड़ता है, लेकिन गंभीर मामलों में कई अंग प्रभावित होते हैं। समय पर इलाज न मिलने पर सेप्टिक शॉक जानलेवा साबित हो सकता है।
- **आंतें व पेट :** तेज दस्त, उल्टी, पेट दर्द • **किडनी :** डिहाइड्रेशन से किडनी फेल होने का खतरा • **लिवर :** संक्रमण और टॉक्सिन से सूजन • **दिल :** इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन से धड़कन पर असर • **नर्वस सिस्टम :** कमजोरी, चक्कर, बेहोशी
- **इम्यून सिस्टम :** गंदे पानी के सेवन से बच्चों और बुजुर्गों में तेजी से हालाते बिगड़ते हैं क्योंकि उनका इम्यून सिस्टम थोड़ा कमजोर होता है।

ईरान में सड़कों पर उतरे लोग, सरकार विरोधी प्रदर्शनों में सात लोगों की मौत

खराब अर्थव्यवस्था के खिलाफ अब प्रांतों में भी फैला आक्रोश, सुरक्षाबलों से झड़प

- **लोरेस्टान प्रांत के अजना शहर में हुई सबसे अधिक हिंसा**

दुबई, एजेंसी

विरोध प्रदर्शन के दौरान तेहरान में इमाम खुमैनी ग्रैंड मस्जिद में एक समारोह में ईरानी झंडे लहराते लोग।

ईरान की खराब अर्थव्यवस्था से आक्रोशित जनता सड़कों पर उतर आई है और गुरुवार को ये प्रदर्शन प्रांतों में भी फैल गए, जहां सुरक्षा बलों और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पों में कम से कम सात लोग मारे गए। प्रदर्शन में सात लोगों के मारे जाने से ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि देश की सरकार प्रदर्शनकारियों से सख्ती से निपटने के मूड में है। लेकिन प्रदर्शनकारी भी अड़े हुए हैं।

राजधानी तेहरान में प्रदर्शन भले ही धीमे पड़ गए हों, लेकिन अन्य जगहों पर इनमें तेजी आई है। बुधवार को दो और गुरुवार को पांच लोगों की मौत चार शहरों में हुई। इन चारों शहरों में लूर जातीय समुदाय की बहुलता है।

यह विरोध प्रदर्शन 2022 के बाद से ईरान के सबसे बड़े प्रदर्शन के रूप में उभरा है। वर्ष 2022 में पुलिस हिरासत में 22 वर्षीय महसा अमिनी की मौत के बाद देशभर में प्रदर्शन हुए थे। अर्थव्यवस्था को लेकर सबसे अधिक हिंसा ईरान के लोरेस्टान प्रांत के अजना शहर में देखी गई। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में वहां सड़कों पर जलती हुई वस्तुएं दिखाई दे रही हैं साथ ही गोलियों की आवाजें गूंजती हैं जबकि लोग बेशर्म! बेशर्म! चिल्ला रहे हैं। अर्ध सरकारी समाचार एजेंसी फ़ार्स ने तीन लोगों के मारे जाने की खबर दी। सुधार समर्थक मीडिया संस्थानों ने भी जानकारी दी है।

ट्रंप ने दी चेतावनी, प्रदर्शनकारियों का दमन होने पर हम चुप नहीं बैठेंगे

वाशिंगटन/ तेहरान। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान में जारी हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बीच ईरानी शासन को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों का दमन किया गया, तो अमेरिका मूकदर्शक बना नहीं रहेगा। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर जारी एक संदेश में स्पष्ट किया कि अगर ईरानी सरकार ने प्रदर्शनकारियों पर गोली चलायी या उनकी हत्या की, तो अमेरिका हस्तक्षेप करने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने लिखा, अगर ईरान शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाता है और उन्हें बेरहमी से मारता है, जो कि उनकी आदत है, तो अमेरिका उनकी मदद के लिए आएगा। हमने निशाना साध लिया है और आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति का यह संदेश ऐसे समय में सामने आया है, जब ईरान के कई शहरों में महंगाई और बेरोजगारी को लेकर पिछले पांच दिनों से व्यापक जन आक्रोश देखा जा रहा है। गौरतलब है कि ईरान में इन दिनों सरकार विरोधी प्रदर्शन चल रहे हैं। यह संकट देश की मुद्रा रियाल में आई ऐतिहासिक गिरावट के बाद और गहरा गया है। वर्तमान में एक अमेरिकी डॉलर की कीमत करीब 14.2 लाख रियाल के स्तर पर पहुंच गयी है। इस आर्थिक बदहाली के कारण तेहरान के ग्रैंड बाजार सहित प्रमुख बाजारों के व्यापारियों ने हड़ताल कर दी है। यह विरोध प्रदर्शन शुरू में केवल आर्थिक मांगों को लेकर शुरू हुए थे, वे अब राजनीतिक आंदोलन का रूप ले चुके हैं और प्रदर्शनकारी देश की शासन व्यवस्था में बदलाव की मांग कर रहे हैं।

न्यूयॉर्क के मेयर ने उमर खालिद को पत्र लिखा, कहा- आपके बारे में सोच रहे हम

न्यूयॉर्क, एजेंसी

- **फरवरी 2020 के दिल्ली दंगा मामले में मुख्य आरोपी हैं खालिद, कोर्ट में चल रहा है मामला**
- **अमेरिकी सांसदों के समूह ने भी भारतीय राजदूत को पत्र लिख निष्पक्ष सुनवाई की मांग उठाई**

भारत आंतरिक मामलों में दखल बर्दाश्त नहीं करेगा

नई दिल्ली। भाजपा ने शुक्रवार को न्यूयॉर्क सिटी के मेयर जोहरान ममदानी पर कार्यकर्ता उमर खालिद के बारे में नोट लिखकर भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप का आरोप लगाया। पार्टी ने यह भी स्पष्ट किया कि भारत इस तरह के किसी भी प्रयास को बर्दाश्त नहीं करेगा। भारत के आंतरिक मामलों में टिप्पणी करने को लेकर ममदानी के अधिकार पर सवाल उठाते हुए, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने न्यूयॉर्क शहर के मेयर को ऐसे प्रयासों के खिलाफ चेतावनी देते हुए कहा कि यदि भारत की संप्रभुता को चुनौती दी जाती है, तो 140 करोड़ भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एकजुट होकर खड़े होंगे। उन्होंने कहा कि भारत की जनता को देश की न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है।

न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहरान ममदानी ने फरवरी 2020 में दिल्ली में हिंसा के आरोपी उमर खालिद को एक चिट्ठी लिखी है। इस चिट्ठी में उन्होंने कड़वाहट को महत्व नहीं देने और स्वयं पर इसके हावी नहीं होने पर खालिद के विचारों को याद किया। ममदानी की इस चिट्ठी को खालिद की सहयोगी बनोज्योत्सना लाहिड़ी ने एक्स पर पोस्ट किया था।

खालिद को लिखी ममदानी की चिट्ठी की तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा था, जब जेल लोगों को अलग-थलग करने की कोशिश करती हैं तो आपके शब्द ताकत बनकर फैल जाते हैं। इस हाथ से लिखी चिट्ठी पर ममदानी के दस्तखत भी हैं। उन्होंने लिखा है कि प्रिय उमर, मैं अक्सर आपके उन शब्दों को याद करता हूं जिनमें कड़वाहट को खुद पर हावी नहीं होने देने की बात थी। आपके माता-पिता से मिलकर खुशी हुई। हम सब आपके बारे में ही सोच रहे हैं।

फरवरी 2020 के दिल्ली दंगा मामले में मुख्य साजिशकर्ता होने के आरोप में खालिद और कुछ अन्य लोगों के खिलाफ कड़े आतंकवाद विरोधी कानून, गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 (यूएपीए) और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया था। इस दंगे में 53 लोग मारे गए थे और 700 से अधिक लोग घायल हुए थे।

इस बीच, अमेरिकी सांसदों के एक समूह ने अमेरिका में भारतीय राजदूत विनय क्वात्रा को पत्र लिखकर खालिद के लिए जमानत और अंतर्राष्ट्रीय कानून के अनुसार निष्पक्ष एवं समयबद्ध सुनवाई सुनिश्चित करने की मांग की है। अमेरिकी नेता जिम मैकगवर्न और जेमी रास्किन उन आठ सांसदों में शामिल हैं जिन्होंने क्वात्रा को पत्र लिखकर दिल्ली में फरवरी 2020 की हिंसा के संबंध में खालिद समेत आरोपी व्यक्तियों को सुनवाई से पूर्व लंबे समय से हिरासत में लिए जाने के बारे में अपनी निरंतर चिंता व्यक्त की है। चिट्ठी में कहा गया है कि अमेरिका और भारत के बीच एक दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदारी है, जिसकी जड़ें ऐतिहासिक रूप से लोकतांत्रिक मूल्यों, संवैधानिक शासन और मजबूत जन-से-जन संबंधों में रही हैं। चिट्ठी में लिखा गया है कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र होने के नाते दोनों देशों का स्वतंत्रता, कानून के शासन, मानवाधिकारों और बहुलतावाद की रक्षा और संरक्षण में साझा हित है। सांसदों ने कहा कि इसी भावना के तहत वे उमर खालिद की हिरासत को लेकर अपनी चिंताएं उठा रहे हैं। सांसदों का दावा है कि मानवाधिकार संगठनों, विधि विशेषज्ञों और वैश्विक मीडिया ने खालिद की हिरासत से जुड़ी जांच और कानूनी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठाए हैं। अमेरिकी सांसदों ने कहा इस बात का स्वागत किया कि खालिद को अपनी बहन की शादी में शामिल होने के लिए अस्थायी जमानत दी गई।

ईडी ने जब्त की 58 करोड़ की संपत्ति

नई दिल्ली, एजेंसी

- **हरियाणा और यूपी पुलिस की एफआईआर पर दिल्ली में छापे**

डिजिटल घोटाले में मुख्य आरोपी गिरफ्तार

ईडी के जालंधर क्षेत्रीय कार्यालय ने हाल ही में अर्पित राठौर के परिसर में तलाशी अभियान चलाया, जिसे एसपी ओसवाल के डिजिटल अरेस्ट मामले से संबंधित धनशोधन जांच मामले में गिरफ्तार किया गया।

ईडी के गुरुग्राम क्षेत्रीय कार्यालय ने इंदरजीत सिंह यादव, उसके सहयोगियों और अन्य संबंधित संस्थाओं से जुड़े धनशोधन मामले की जारी जांच में हाल ही में दिल्ली में कई परिसरों पर तलाशी अभियान चलाया है। आरोपियों पर जबरन वसूली, निजी वित्तदाताओं के साथ जबरन ऋण समझौते, हथियारों का इस्तेमाल करके धमकी देने और इस तरह की गैरकानूनी गतिविधियों से आय अर्जित करने का आरोप है।

हरियाणा और उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा इंदरजीत सिंह यादव और उनके सहयोगियों के खिलाफ दर्ज 15 से अधिक एफआईआर के आधार पर ईडी ने धनशोधन निवारण अधिनियम के अंतर्गत जांच शुरू की। एफआईआर के अनुसार, जेम रिकॉर्ड्स एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड, जो जेम्स ट्यून्स के नाम से संचालित होती है, का मालिक और प्रमुख नियंत्रक इंदरजीत सिंह यादव हत्या, जबरन वसूली, जबरन ऋण निपटान, धोखाधड़ी, जालसाजी, अवैध भूमि हड़पने और हिंसक अपराधों सहित आपराधिक गतिविधियों में शामिल हैं। माना जा रहा है कि यादव संयुक्त अरब अमीरात से अपनी गतिविधियों को अंजाम दे रहा है। तलाशी के दौरान, ईडी ने अवैध साधनों से अर्जित चल एवं अचल संपत्तियों की पहचान की।

श्रीलंका नौसेना ने 11 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया

कोलंबो, एजेंसी

- **श्रीलंकाई क्षेत्र में अवैध तरीके से मछली पकड़ने का आरोप**

श्रीलंका के जलक्षेत्र में अवैध तरीके से मछली पकड़ने के आरोप में 11 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया गया है और उनकी एक नौका भी जब्त की गई है। देश की नौसेना ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। श्रीलंका नौसेना के प्रवक्ता कमांडर बुद्धिका संपत ने बताया कि मछुआरों को उत्तरी प्रांत में कंकेसंथुरई के उत्तर में गुरुवार देर रात को गिरफ्तार किया गया।

उन्होंने कहा कि वे क्षेत्र में अवैध तरीके से मछली पकड़ रहे थे और क्षेत्र छोड़ने की चेतावनी दिए जाने के बावजूद मछली पकड़ना जारी रखा। नौसेना के अनुसार, गिरफ्तारी के बाद मछुआरों को अग्रिम कार्रवाई के लिए म्यलाडी मत्स्य निरीक्षणालय लाया जा रहा है। मछुआरों का मुद्दा भारत-श्रीलंका संबंधों में एक संवेदनशील विषय रहा है। ऐसी अधिकतर घटनाएं पाक जलडमरूमध्य में होती हैं, जो तमिलनाडु और श्रीलंका के उत्तरी छोर के बीच स्थित एक संकरी जलपट्टी है और दोनों देशों के मछुआरों के लिए एक समृद्ध मत्स्य क्षेत्र मानी जाती है।

म्यांमार ने भारत के तीन लोगों को स्वदेश भेजा

यांगून। म्यांमार में नौकरी संबंधी फर्जीवाड़े में फंसे तीन भारतीय नागरिकों को भारत वापस भेजा गया है। यांगून स्थित भारतीय दूतावास ने बताया कि जुलाई 2024 से अब तक कुल 1,757 भारतीयों को भारत वापस भेजा जा चुका है। म्यावाड्डी फर्जीवाड़े के शिकार हुए तीनों लोगों को गुरुवार को स्वदेश वापस भेज दिया गया। भारतीय दूतावास ने एक्स पर बताया कि म्यांमार के अधिकारियों और संगठनों के सहयोग से म्यावाड्डी फर्जीवाड़े से जुड़े केंद्रों से तीन और भारतीय नागरिकों को कल यांगून के रास्ते वापस स्वदेश भेजा गया।

रिटायर्ड शिक्षक को डिजिटल अरेस्ट कर ठग लिए 1.61 करोड़ रुपये

कारवार (कर्नाटक), एजेंसी

- **मुंबई पुलिस का अधिकारी बन जालसाजों ने जाल में फंसाया**

मुंबई पुलिस के अधिकारी बनकर साइबर जालसाजों ने कथित तौर पर 72 वर्षीय सेवानिवृत्त शिक्षक को बार-बार वीडियो कॉल के माध्यम से डिजिटल अरेस्ट करके 1.61 करोड़ रुपये की ठगी की। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि यह घटना उत्तर कन्नड़ जिले के मुंडगोड स्थित तिब्बती कॉलोनी के एक निवासी से संबंधित है।

जिला पुलिस में गुरुवार को दर्ज शिकायत के अनुसार, पाल्डेन को एक अज्ञात व्यक्ति ने व्हाट्सएप कॉल करके खुद को महाराष्ट्र के कोलाबा थाने का निरीक्षक बताया। फोन करने वाले ने दावा किया कि मुंबई में गिरफ्तार किए गए एक आतंकवादी के पास से कई एटीएम कार्ड बरामद किए गए हैं और उनमें से एक कार्ड पाल्डेन के नाम पर पंजीकृत है। बुजुर्ग को यह कहकर धमकाया कि उसके बैंक खातों से करोड़ों रुपये निकाले गए हैं और उसके खिलाफ धनशोधन का मामला दर्ज किया गया है। धमकी को विश्वसनीय बनाने के लिए आरोपी ने पुलिस वर्दी पहनी थी।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 3 जनवरी, शनिवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, पूर्णिमा 15.32 तक तत्पश्चात प्रतिपदा।

आज का पंचांग

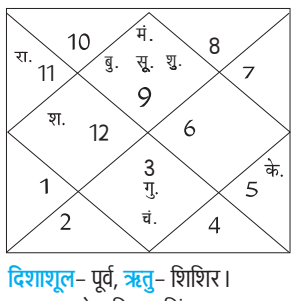

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल-मेष, मिथुन, सिंह, कन्या, धनु, मकर।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र-आर्द्रा 17.27 तक तत्पश्चात पुनर्वसु।

मेष — आज अपनी प्रतिभा को और विकसित करने के अवसर प्राप्त होंगे। समाज में आपकी मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। अपने विचारों को हमेशा स्पष्ट रखें व उनमें बदलाव न करें। कार्यक्षेत्र में काम का दबाव काफी कम रहेगा। युवा जातक प्रेम विवाह की योजना बना सकते हैं।

वृष — आज किसी परिजन के स्वास्थ्य को लेकर थोड़े तनाव में हो सकते हैं। क्रोध में आकर किसी भी विषय पर प्रतिक्रिया न दें। अपनी क्षमताओं को परखने का प्रयास करें। आप रुकी हुई परियोजनाओं को शुरू करने के लिए मेहनत करेंगे।

मिथुन — आज आप अपनी पुरानी गलतियों से सीखेंगे। अविवाहितों को विवाह के प्रस्ताव मिलने के योग बन रहे हैं। सकारात्मक लोगों के साथ आपके संबंध मजबूत होंगे। आपको काफी मेहनत करनी पड़ेगी। अपने लक्ष्यों को लेकर काफी भावुक हो सकते हैं।

कर्क — आज किसी नजदीकी ज्यादा सोच-विचार के बजाय जैसा चल रहा है वैसा ही चलने दें। बच्चों की समस्याओं पर आपको ध्यान देना चाहिए। परिवार और कार्यक्षेत्र में जैसा चल रहा है वैसा ही चलने दें। पुराने कर्जों के कारण आपको तनाव हो सकता है।

सिंह — आज व्यापार में अपेक्षा से अधिक लाभ प्राप्त होगा। मन में संतोष की भावना रहेगी। आपके पास नई जिम्मेदारियां आ सकती हैं। उच्च शिक्षा को लेकर काफी उत्सुक रहेंगे। ऐसे कोई काम न करें, जिसमें आपकी छवि दांव पर लगी हो।

कन्या — आज सहकर्मियों के साथ अपने संबंध मधुर रखें। तनाव न लेते हुए समस्याओं का शांत मन से समाधान ढूंढें। राजनैतिक मामलों से जुड़े लोगों को थोड़ा सावधान रहना चाहिए। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

तुला — आज अधिकारियों के साथ संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। मीडिया से जुड़े लोगों के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। अपनी विशेषताओं को आप व्यक्त करने में सफल रहेंगे। व्यवसाय में आपको संघर्ष की स्थितियों का सामना करना पड़ेगा।

वृश्चिक — आज कार्यक्षेत्र में आपको क्षमता से अधिक मेहनत करनी पड़ेगी। व्यर्थ की बातों में समय बर्बाद न करें। घर में अनुशासन बनाए रखें। करियर और शिक्षा को लेकर थोड़ा तनाव हो सकता है। अपने गुप्त रहस्य और विद्या किसी से साझा न करें।

धनु — आज सरकारी कार्यों में कुछ धीमापन हो सकता है। किसी रिश्तेदार से शुभ सूचना मिल सकती है। आपकी आर्थिक स्थिति काफी अच्छी रहेगी। नौकरी में स्थानांतरण होने के योग बन रहे हैं। बॉस आपके काम से बहुत प्रसन्न रहेंगे।

मकर — आज नकारात्मक परिस्थितियों के बीच भी संयम बनाए रखें। हालांकि लोगों के ऊपर आपका अच्छा प्रभाव पड़ेगा। अनुभवी व्यक्तियों से सलाह लेना लाभकारी सिद्ध होगा। आप स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान हो सकते हैं।

कुंभ — आज जल का पर्याप्त मात्रा में सेवन अवश्य करें। परोपकार और समाज कल्याण के कार्यों में अपना सहयोग देंगे। कार्यक्षेत्र में आपके उत्तम प्रदर्शन को लेकर चर्चा होगी। बाहरी व्यक्तियों का पारिवारिक जीवन में हस्तक्षेप न होने दें।

मीन — आज अपनी क्षमताओं का कुशल प्रयोग नहीं कर पाएंगे। यदि आवश्यक न हो, तो बड़े आर्थिक लेन-देन कम करें। व्यापारी नया कारोबार शुरू करने का विचार बना सकते हैं। प्रेम संबंधों को मर्यादित रखें।

सुडोकू-21

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		4		6		8		5
		8		7	1	2	4	
	9			2			3	
9			7					6
		3				1		
5					8			2
	6			4			8	
	2	1	9	8		7		
8		7		3		9		

सुडोकू - 20 का हल

5	9	1	6	3	7	8	4	2
2	8	4	1	9	5	3	6	7
3	7	6	4	2	8	1	9	5
4	6	9	2	1	3	7	5	8
8	1	5	9	7	6	4	2	3
7	3	2	5	8	4	6	1	9
6	4	7	8	5	2	9	3	1
9	2	3	7	4	1	5	8	6
1	5	8	3	6	9	2	7	4

मेरे मन में कोई संदेह नहीं है कि ब्रैंडन और मैं निकट भविष्य में यह जिम्मेदारी निभाते रहने के लिए सही लोग हैं। मैंने ब्रैंडन के साथ काम करने का समय पूरी तरह से आनंद लिया है। मुझे नहीं लगता कि कोई और है जिसके साथ मैं इस टीम को मौजूदा स्थिति से और ऊंचाइयों तक ले जा सकूं।
-बेन स्टोक्स।

स्टेडियम

बरेली, शनिवार, 3 जनवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

गिल के विजय हजारे ट्रॉफी मैच में आम जनता को अनुमति नहीं

जयपुर। विराट कोहली ने विजय हजारे ट्रॉफी के अपने दोनों मैच 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' (सीओई) में दर्शकों के बिना खेला था, उसी तरह शनिवार को जयपुरिया कॉलेज के मैदान पर सिक्किम के खिलाफ पंजाब के लिए भारतीय वनडे कप्तान शुभमन गिल के मैच के दौरान भी दर्शकों को स्टेडियम में आने की अनुमति नहीं होगी। बीसीसीआई के निर्देशानुसार भारतीय कप्तान और तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह तीन और छह जनवरी को सिक्किम और गोवा के खिलाफ पंजाब के अगले दो विजय हजारे ट्रॉफी मैच खेलेंगे। गोवा के खिलाफ मैच केएल सैनी स्टेडियम में होगा जबकि सिक्किम के खिलाफ स्थानीय कॉलेज के मैदान पर होने वाला मैच सुरक्षा कारणों और दर्शकों के लिए बैठने की व्यवस्था नहीं होने के कारण दर्शकों के बिना खेला जाएगा।

साई सुदर्शन की पसली में फ्रैक्चर

नई दिल्ली। युवा भारतीय बल्लेबाज साई सुदर्शन हाल में मध्य प्रदेश के खिलाफ विजय हजारे ट्रॉफी मुकाबले के दौरान पसली में फ्रैक्चर होने के कारण एक महीने से अधिक समय तक मैदान से बाहर हो सकते हैं। बीसीसीआई के एक सूत्र ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सुदर्शन भारत की सफेद गेंद की टीम का हिस्सा नहीं हैं। अहमदाबाद में तमिलनाडु और मध्य प्रदेश के बीच खेले गए विजय हजारे ट्रॉफी मैच में डाइव लगाकर रन पूरा करते समय उनकी दाईं ओर की सातवीं पसली (एंटीरियर कॉर्टेक्स) में फ्रैक्चर हो गया था। सुदर्शन का तमिलनाडु के लिए बचे हुए मुकाबलों में खेल पाना मुश्किल है। हालांकि उनके इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में गुजरात टाइटंस के लिए उपलब्ध रहने की संभावना है।

मैक्कुलम को कोच बने रहने का समर्थन

सिडनी। बेन स्टोक्स ने शुक्रवार को कहा कि वह ब्रैंडन मैक्कुलम के बिना इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान के रूप में अपने भविष्य की कल्पना नहीं कर सकते। ऑस्ट्रेलिया में एशेज सीरीज में नाकामी के बावजूद स्टोक्स ने कहा कि आगे बढ़ने के लिए वह और मैक्कुलम बिलकुल सही लोग हैं। इंग्लैंड ने श्रृंखला के पहले तीन टेस्ट में ही एशेज गंवा दी जिससे ऑस्ट्रेलिया में जीत का लंबा इंतजार और बढ़ गया। हालांकि 'बॉक्सिंग डे' टेस्ट में मिली जीत ने निराशाजनक अभियान में थोड़ी राहत दी जो जनवरी 2011 के बाद ऑस्ट्रेलिया में इंग्लैंड की पहली टेस्ट जीत थी। स्टोक्स और मैकुलम दोनों का अनुबंध 2027 तक है।

पुरुषों की एचआईएल लीग शनिवार से

चेन्नई। मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम में शनिवार से शुरु हो रही पुरुष हीरो हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के दूसरे संस्करण के पहले मैच में मेजबान अकॉर्ड तमिलनाडु ड्रैगन्स का मुकाबला हैदराबाद तूफान से होगा। श्राची बंगाल टाइगर्स डिफेंडिंग चैंपियन हैं। वहीं हैदराबाद तूफान पिछले संस्करण की उपविजेता रही है। यह चैंपियनशिप कई शहरों में होगी, जिसकी शुरुआत चेन्नई से होगी, फिर यह रांची जाएगी और 26 जनवरी को भुवनेश्वर में फाइनल के साथ खत्म होगी।

5वें एशेज टेस्ट के बाद अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह देंगे ख्वाजा

सिडनी, एजेंसी

पाकिस्तान में जन्में ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने घोषणा की है कि वह इंग्लैंड के खिलाफ रविवार से सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) में शुरू होने वाले पांचवें और अंतिम एशेज टेस्ट के बाद अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लेंगे। ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलने वाले पहले मुस्लिम खिलाड़ी ख्वाजा ने संन्यास की घोषणा करते हुए 'नस्लीय' रूढ़िवादिता की भी आलोचना की जिसका अनुभव उन्होंने अपने करियर के दौरान किया था।

शीर्ष क्रम के बल्लेबाज 39 वर्षीय ख्वाजा के लिए एससीजी का मैदान काफी भाग्यशाली रहा है। इंग्लैंड के खिलाफ पांचवा टेस्ट उनके करियर का 88वां और आखिरी टेस्ट मैच होगा, जो उसी मैदान पर खेला जाएगा जहां से उन्होंने अपने प्रथम श्रेणी क्रिकेट करियर की शुरुआत की थी। ख्वाजा ने 2018 में एससीजी में ही इंग्लैंड के खिलाफ 171 रन बनाकर एशेज में अपना पहला शतक बनाया था। एससीजी में ही उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ दो शतक लगाकर 35 वर्ष की उम्र में अपने करियर को नई दिशा दी। इसके बाद अगले दो वर्षों में ख्वाजा ने सात शतक जड़े। लेकिन वर्तमान सीरीज के पर्थ में खेले गए पहले एशेज टेस्ट में पीठ में दर्द के कारण वह पारी की शुरुआत नहीं कर पाए थे और इसके बाद चोट के कारण ब्रिस्बेन टेस्ट से बाहर रहने से टीम में उनके स्थान को लेकर सवाल उठने लग गए थे। एडिलेड में तीसरे टेस्ट मैच में उन्हें पहले टीम से बाहर रखा गया था, लेकिन स्टीव स्मिथ के अस्वस्थ होने के कारण ख्वाजा को वापसी का मौका मिला। एडिलेड में पहली पारी में 82 रन बनाकर उन्होंने मेलबर्न में खेले गए चौथे टेस्ट में अपनी जगह पक्की कर ली। पांचवें टेस्ट में 3-1 की बढ़त के साथ उतर रहे ऑस्ट्रेलिया ने एशेज बरकरार रखी है।

- ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज ने नस्लीय रूढ़िवादिता की आलोचना की
- उस्मान ने 87 टेस्ट मैचों में 43.49 के औसत से 16 शतक सहित 6,206 रन बनाए

बोले- मेरे साथ किया गया अलग व्यवहार

ख्वाजा ने पत्रकारों से कहा मेरे साथ जिस तरह का व्यवहार किया गया, वो अलग था, घटनाएं भी अलग थीं। मुझे पीठ में दर्द होता है जो मेरे बस में नहीं है पर मीडिया व पूर्व खिलाड़ी मुझ पर टूट पड़ते हैं। मुझे लगभग पांच दिनों तक आलोचना का सामना करना पड़ा। मुझे लेकर कई तरह की नस्लीय रूढ़िवादिता सामने आई, जैसे कि मैं आलसी हूं, पाकिस्तानी, वेस्टइंडीज के, अश्वेत खिलाड़ी...हम स्वार्थी हैं, हम सिर्फ अपनी परवाह करते हैं, हमें टीम की परवाह नहीं है, हम कड़ी मेहनत नहीं करते। ये वो बातें थीं जिनसे मैं अपनी पूरी जिंदगी जूझता रहा हूं। पर्थ मैच से पहले ख्वाजा की आलोचना हुई क्योंकि दो बार गोल्फ खेला और अभ्यास सत्र में भाग नहीं लिया। कुछ लोगों का मानना था कि गोल्फ ही उनकी पीठ की समस्या का कारण हो सकता है। मैं ऐसे उदाहरण दे सकता हूं जब खिलाड़ी गोल्फ खेल कर चोटिल हो गए पर आप लोगों ने कुछ नहीं कहा।

न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे श्रृंखला के लिए आज चुनी जाएगी भारतीय क्रिकेट टीम

मोहम्मद सिराज और ऋषभ पंत के चयन पर होगी चर्चा, 11 जनवरी से सीरीज

नई दिल्ली, एजेंसी

न्यूजीलैंड के खिलाफ 11 जनवरी से शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे श्रृंखला के लिए शनिवार को जब चयनकर्ता 15 सदस्यीय भारतीय टीम का चयन करने बैठेंगे तो ऋषभ पंत और मोहम्मद सिराज को लेकर सबसे ज्यादा चर्चा होने की संभावना है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कुछ सप्ताह पहले हुई श्रृंखला में जीत दर्ज करने वाली टीम में हालांकि कोई बड़ा बदलाव होने की संभावना नहीं है, लेकिन अजीत अगरकर की अध्यक्षता वाली चयन समिति दो मुद्दों पर ध्यान दे सकती है।

पहला मुद्दा पंत की दूसरे विकेटकीपर के रूप में स्थिति हो सकती है, क्योंकि ईशान किशन झारखंड के लिए मध्य क्रम में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं और ध्रुव जुरेल ने भी घरेलू क्रिकेट में उत्तर प्रदेश के लिए बड़ा शतक जड़ा है। अगरकर और मुख्य कोच गौतम गंभीर की पहचान टीम संयोजन के आधार पर खिलाड़ियों के चयन की है। टीम संयोजन के कारण ही उन्होंने टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों के लिए संजू सैमसन और किशन जैसे सलामी बल्लेबाजों को चुना है। वनडे प्रारूप में टीम को मध्यक्रम में बल्लेबाजी करने वाले विकेटकीपर की जरूरत है। ऐसा विकेटकीपर जो पांचवें या छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने में सहज हो। इसमें कोई शक नहीं कि प्रभाव के मामले में पंत किशन और जुरेल से कही बेहतर हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल ही में गुवाहाटी टेस्ट में उनके शॉट चयन ने न तो मुख्य कोच और न ही चयन समिति को प्रभावित किया।

दूसरा महत्वपूर्ण पहलू तीन मैचों की श्रृंखला के लिए तेज गेंदबाजों का चयन है। टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए हार्दिक पांड्या और जसप्रीत बुमराह को आराम दिए जाने की संभावना है, लेकिन यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या चयनकर्ता अन्य दो तेज गेंदबाजों (हर्षित राणा और अर्शदीप सिंह) को भी आराम देते हैं। दोनों ने हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हुई श्रृंखला में हिस्सा लिया था। सिराज को परिस्थितियों के कारण चैंपियंस ट्रॉफी के लिए नहीं चुना गया था। वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विदेशी श्रृंखला में टीम का हिस्सा थे, लेकिन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के लिए उन्हें नजरअंदाज कर दिया गया। उन्होंने मौजूदा विजय हजारे ट्रॉफी के पहले चार चरण में भी नहीं खेला है, लेकिन हो सकता है कि वह हैदराबाद के लिए अंतिम तीन चरण में से दो में खेलें। पिछले वनडे विश्व कप तक नियमित रूप से टीम का हिस्सा रहने के बाद उन्हें 50 ओवर के प्रारूप से बाहर रखना समझ से परे है।

- शुभमन गिल, रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल की टीम में जगह पक्की
- दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला में शामिल खिलाड़ियों में अधिक बदलाव की संभावना नहीं

मोहम्मद शमी का बीत चुका है समय

मोहम्मद शमी की बात करें तो वह चोट से वापसी के बाद बंगाल के लिए सभी प्रारूपों में खेल रहे हैं। कुछ लोगों का मानना है कि अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के लिहाज से उनका समय अब बीत चुका है। शमी और चयन समिति के बीच संवाद भी विशेष रूप से स्पष्ट नहीं रहा है। विजय हजारे ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में से दो मुख्य दावेदार सरफराज खान (नंबर चार पर बल्लेबाजी) और देवदत्त पडिक्कल (सलामी बल्लेबाज) हैं। शुभमन गिल, रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल की टीम में जगह पक्की होने के कारण पडिक्कल को मौका देना मुश्किल होगा। सरफराज खान ने घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया है लेकिन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शतक लगाकर रुतुराज गायकवाड़ पहले ही दावेदारों में उनसे आगे निकल चुके हैं।

बांग्लादेश में भारत खेलेगा वनडे और टी-20 सीरीज

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने शुक्रवार को घोषणा की कि वह इस साल सितंबर में भारत की मेजबानी करेगा जिसमें दोनों टीम के बीच तीन मैच की वनडे और तीन मैच की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला खेली जाएगी। हालांकि मौजूदा हालात में बांग्लादेश में स्थिर सरकार नहीं होने के कारण यह स्पष्ट नहीं है कि बीसीसीआई इस दौरे के लिए सहमति देगा या नहीं।

बीसीबी द्वारा जारी मीडिया विज्ञप्ति के अनुसार वनडे मुकाबले एक, तीन और छह सितंबर को खेले जाएंगे जबकि टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच 9, 12 और 13 सितंबर को होंगे। भारतीय टीम सीमित ओवरों की इस श्रृंखला के लिए 28 अगस्त को बांग्लादेश पहुंचेगी। भारत का पिछले साल जुलाई में बांग्लादेश का दौरा अनिश्चितकाल के लिए रद्द कर दिया गया था और छह मैचों की सफेद गेंद की श्रृंखला को एक साल से अधिक समय के लिए टाल दिया गया था। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने पिछले जुलाई जारी अपने बयान में कहा था बीसीबी और बीसीसीआई ने आपसी सहमति से अगस्त 2025 में प्रस्तावित बांग्लादेश और भारत के बीच तीन वनडे और तीन टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों की सफेद गेंद की श्रृंखला को सितंबर 2026 तक स्थगित करने का निर्णय लिया है। बयान में आगे कहा गया यह फैसला दोनों बोर्ड के बीच चर्चा के बाद लिया गया है जिसमें दोनों टीम की अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट प्रतिबद्धताओं और कार्यक्रम की सुविधा को ध्यान में रखा गया है। बीसीसीआई ने कहा बीसीबी सितंबर 2026 में इस श्रृंखला के लिए भारत का स्वागत करना चाहता है। कार्यक्रम की घोषणा समय आने पर की जाएगी।

- बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने कार्यक्रम की घोषणा की
- बीसीसीआई सहमति देगा या नहीं ये अभी स्पष्ट नहीं

बीसीबी का दावा

01, 03 और 06 सितंबर को वनडे मुकाबले खेले जाएंगे

09, 12 और 13 सितंबर को होंगे टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच

28 अगस्त को बांग्लादेश पहुंचेगी भारतीय टीम

नीरज और सचिन एआईयू के पूल में

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के दिग्गज भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा और सचिन यादव को इस साल के पहले तीन महीने के लिए विश्व एथलेटिक्स की डोपिंग विरोधी निगरानी संस्था एथलीट्स इंटीग्रिटी यूनिट (एआईयू) के पंजीकृत परीक्षण पूल (आरटीपी) में शामिल किया गया है।

दो बार के ओलंपिक पदक विजेता चोपड़ा इस सूची में नियमित रूप से शामिल होते रहे हैं, लेकिन पिछले साल विश्व चैंपियनशिप में चौथे स्थान पर रहने वाले यादव को पहली बार इसमें जगह मिली है। एशियाई चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता यादव ने विश्व चैंपियनशिप में चोपड़ा को पीछे छोड़ दिया था जो फिटनेस संबंधी समस्याओं के कारण आठवें स्थान पर रहे थे।

यादव ने 86.27 मीटर भाला फेंककर अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए न केवल चोपड़ा को, बल्कि पाकिस्तान के मौजूदा ओलंपिक चैंपियन अरशद नदीम को भी पीछे छोड़ा था। नदीम 10वें स्थान पर रहे थे। उत्तर प्रदेश के इस 26 वर्षीय खिलाड़ी को भाला फेंक का अगला स्टार माना जा रहा है। आरटीपी अंतरराष्ट्रीय या राष्ट्रीय स्तर के एथलीटों का सर्वोच्च स्तर का समूह है। इस सूची में शामिल खिलाड़ियों का परीक्षण बिना किसी पूर्व सूचना के किया जाता है।

इन खिलाड़ियों को अपने घर के पते सहित ठिकाने की जानकारी देनी होती है। इसके साथ ही उन्हें प्रतिदिन 60 मिनट का ऐसा समय भी बताना होता है जिसके दौरान वे परीक्षण के लिए उपलब्ध रहेंगे।

मोदी व योगी करेंगे वॉलीबॉल महाकुंभ का उद्घाटन

वाराणसी। काशी अब खेल की दुनिया में नया इतिहास रचने को तैयार है। सिगरा स्थित नवनिर्मित डॉ संपूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम में चार जनवरी से 11 जनवरी तक 72वीं सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप का भव्य आयोजन होने जा रहा है। काशी के इतिहास में यह पहली बार है जब इतने बड़े स्तर की नेशनल चैंपियनशिप आयोजित हो रही है। इस ऐतिहासिक प्रतियोगिता का वर्चुअल उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे, जबकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भौतिक रूप से उपस्थित रहकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करेंगे।

महिला हॉकी इंडिया लीग

रांची के मरंग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रो टर्फ हॉकी स्टेडियम में महिला हॉकी इंडिया लीग मैच के दौरान बॉल के लिए संघर्ष करतीं जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब (गुलाबी ड्रेस) और रांची रॉयल्स की खिलाड़ीं। ● एजेंसी

ऑस्ट्रेलियाई ओपन में वापसी के साथ रिकॉर्ड बनाएंगी वीनस

मेलबर्न, एजेंसी

दिग्गज टेनिस खिलाड़ी और सात बार की ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन वीनस विलियम्स पांच साल में पहली बार इस वर्ष ऑस्ट्रेलियाई ओपन में भाग लेगी और इस तरह से इस टूर्नामेंट में भाग लेने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन जाएगी। उन्हें 18 जनवरी से शुरू होने वाले वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में खेलने के लिए वाइल्ड कार्ड से प्रवेश दिया गया है।

टूर्नामेंट के आयोजकों ने शुक्रवार को घोषणा की कि 45 वर्षीय वीनस उस मेलबर्न पार्क में वापसी करने के लिए तैयार है जहां उन्होंने 28 साल पहले पहली बार हिस्सा लिया था। उन्होंने 1998 में दूसरे दौर में अपनी छोटी बहन सेरेना को हराया था, लेकिन क्वार्टर फाइनल में हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी लिंडसे डेवनपोर्ट से हार गई थीं। वीनस ने नवंबर में घोषणा की थी कि वह ऑस्ट्रेलियाई ओपन से दो सप्ताह पहले न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में खेलेंगी, जहां उन्हें वाइल्ड कार्ड मिला है। ऑस्ट्रेलियाई ओपन के आयोजकों के अनुसार वीनस ने होबार्ट में होने वाले एक अन्य टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए भी पंजीकरण कराया है। वीनस ने इससे पहले आखिरी बार 2021 में ऑस्ट्रेलियाई ओपन में हिस्सा लिया था। वह यहां दो बार महिला एकल में उपविजेता रह चुकी हैं। वह 2003 और 2017 में फाइनल में सेरेना से हार गई थीं।

इस साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन में भाग लेकर वीनस इस टूर्नामेंट में खेलने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन जाएगी। वह जापान की किमिको दाते के रिकॉर्ड को तोड़ देंगी, जो 2015 में मेलबर्न पार्क में पहले दौर में हारने के समय 44 वर्ष की थीं।

मैं ऑस्ट्रेलिया में खेलने को लेकर बहुत उत्सुक हूं। वहां मेरी कई अविश्वसनीय यादें जुड़ी हैं। मुझे बहुत खुशी है कि मैं फिर से उस जगह लौट रही हूं जिसका मेरे करियर में बहुत महत्व रहा है।
-वीनस विलियम्स

नई जिम्मेदारी | पिछले मुख्य कोच हरेंद्र सिंह की लेंगे जगह, जिन्होंने टीम के निराशाजनक प्रदर्शन और मनमाने रवैये के कारण दिया था इस्तीफा

नीदरलैंड्स के सोर्ड मारिन फिर बने महिला हॉकी टीम के कोच

नई दिल्ली, एजेंसी

नीदरलैंड्स के सोर्ड मारिन को शुक्रवार को फिर से भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच नियुक्त किया गया। वह दूसरी बार यह पद संभालेंगे। इससे पहले उनके कोच रहते हुए भारतीय महिला टीम टोक्यो ओलंपिक खेलों में चौथे स्थान पर रही थी।

मारिन को हरेंद्र सिंह की जगह मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। हरेंद्र को टीम के निराशाजनक प्रदर्शन और कोचिंग में मनमानीपूर्ण रवैया अपनाने के आरोपों के कारण इस्तीफा देना पड़ा था। नीदरलैंड के पूर्व हॉकी खिलाड़ी 51 वर्षीय मारिन 2017 से 2021 तक भारतीय महिला टीम से जुड़े रहे। इसके पांच साल बाद फिर से उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनकी टीम में मटियास विला भी शामिल होंगे जिन्हें विश्लेषणात्मक कोच नियुक्त किया गया है।

- **51** वर्षीय मारिन 2017 से 2021 तक जूड़े रहे भारतीय टीम से
- **10** शीर्ष रैंकिंग में शामिल हुआ था भारत पिछले कार्यकाल में
- **1997** में अंतर्राष्ट्रीय हॉकी में पदार्पण किया था अर्जेंटीना के पूर्व मिडफील्डर ने

भारतीय हॉकी टीम में वेन लोम्बार्ड की भी वापसी हो रही है, जो वैज्ञानिक सलाहकार और खेल प्रदर्शन प्रमुख के रूप में कार्य करेंगे। मारिन ने हॉकी इंडिया की एक विज्ञप्ति में कहा भारत वापस आकर बहुत अच्छा लग रहा है। मैं साढ़े चार साल बाद नयी ऊर्जा और स्पष्ट दृष्टिकोण के साथ इस पद पर लौटा हूं ताकि टीम को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकूं और खिलाड़ियों को विश्व स्तर पर अपनी पूरी क्षमता से प्रदर्शन करने में मदद कर सकूं। मारिन की टीम में अपार साख थी और उन्हें एक ऐसी एकजुट टीम बनाने का श्रेय दिया जाता था जहां खिलाड़ी एक-दूसरे की सफलता में खुशी मानते थे। उन्होंने पारिवारिक कारणों का हवाला देते हुए टोक्यो ओलंपिक खेलों के तुरंत बाद पद छोड़ दिया। मारिन के पिछले कार्यकाल के दौरान भारत विश्व रैंकिंग के शीर्ष 10 में शामिल हुआ था। अर्जेंटीना के पूर्व मिडफील्डर विला ने 1997 में अंतर्राष्ट्रीय हॉकी में पदार्पण किया था।

उन्होंने 2000 में सिडनी ओलंपिक और 2004 में एथेंस ओलंपिक में अपने देश का प्रतिनिधित्व किया। वह दो दशकों से अधिक समय से कोचिंग से जुड़े हुए हैं। लोम्बार्ड को अपने कार्य में रोडेट इला और सियारा इला का सहयोग मिलेगा जिन्हें वैज्ञानिक सलाहकार नियुक्त किया गया है। टोक्यो ओलंपिक के बाद भारतीय टीम अपेक्षित सफलता हासिल नहीं कर पाए और उसे बदलाव के दौर से गुजरना पड़ा क्योंकि चोट से जूझ रही कप्तान रानी रामपाल, वंदना कटारिया और दीप ग्रेस एक्का जैसी प्रमुख खिलाड़ियों ने खेल से संन्यास ले लिया। महिला टीम 2024 के पेरिस ओलंपिक खेलों के लिए क्वालीफाई करने में असफल रही।

पहली चुनौती होगी महिला विश्व कप क्वालीफायर टूर्नामेंट

मुख्य कोच के रूप में मारिन की पहली बड़ी चुनौती आठ से 14 मार्च तक हैदराबाद में होने वाला महिला विश्व कप क्वालीफायर टूर्नामेंट होगा। मारिन 14 जनवरी को भारत पहुंचेंगे, जबकि साई के बेंगलुरु स्थित परिसर में 19 जनवरी को शुरू होगा। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा हम सोर्ड मारिन और पूरे सहायक स्टाफ का भारतीय हॉकी परिवार में स्वागत करते हैं। हम खेल मंत्रालय और भारतीय खेल प्राधिकरण के प्रति अपना आभार व्यक्त करते हैं जिन्होंने आगामी विश्व कप क्वालीफायर को ध्यान में रखते हुए नियुक्ति प्रक्रिया को शीघ्रता से पूरा किया।